हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com जबलपुर, रविवार 7 जुलाई 2024

23 जुलाई को वित्तमंत्री पेश करेंगी बजट

फाइल फोटो

22 जुलाई से 12 अगस्त तक चलेगा बजट सत्र

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आगामी बजट सत्र की तारीखों का ऐलान हो चुका है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने एक्स पर पोस्ट कर इसकी तारीखों की जानकारी दी। बजट सत्र का शुभारंभ 22 जुलाई को होगा। यह 12 अगस्त तक चलेगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बजट सत्र के लिए केंद्र सरकार की सिफारिश पर अपनी मुहर लगा दी है। किरेन रिजिजू ने यह भी बताया कि बजट सत्र के दौरान केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को संसद म बजट पेश करेंगी। इससे पहले वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने चुनावी साल में फरवरी में अंतरिम बजट पेश किया था। गौरतलब है कि वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण लगातार सातवीं बार बजट पेश करेंगी।

■ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बजट सत्र के लिए मुहर लगाई

इस बार के बजट में उम्मीद जताई जा रही है कि मोदी 3.0 सरकार के विकसित भारत के मिशन पर जोर दिया जाएगा।

खबर संक्षेप

टीएमसी नेता मुकुल रॉय की हालत गंभीर

कोलकाता। पूर्व रेल मंत्री मुकुल रॉय की हालत गंभीर है। कुछ दिन पहले आवास में गिरने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। एक अधिकारी ने बताया कि रॉय घर में गिरने से घायल हो गए थे। वे अस्पताल के आईसीयू में हैं। उन्होंने बताया, रॉय की हालत गंभीर, लेकिन स्थिर है। हमारे डॉक्टर चौबीसों घंटे उनकी निगरानी कर रहे हैं।

क्रिकेटरों को 11 करोड़ देने पर भड़का विपक्ष

मुंबई। महाराष्ट्र में विपक्षी दल कांग्रेस और शिवसेना ने टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम को 11 करोड़ का इनाम देने की शिंदे की घोषणा पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि सरकार अपनी पीठ थपथपाना चाहती है। विपक्षी दलों ने कहा कि उन्हें क्रिकेटरों की उपलब्धि पर गर्व है, लेकिन खजाने से राशि देने जरूरत नहीं है।

थापर पर हमला करने वाले दो निहंग गिरफ्तार

लुधियाना। पंजाब पुलिस ने शनिवार को शिव सेना नेता संदीप थापर गोरा (58) पर जानलेवा हमला करने वाले तीन आरोपियों में से दो को गिरफ्तार किया है। इस मामले में फतेहगढ़ साहिब के गुरुद्वारा श्री ज्योति स्वरूप साहिब के नजदीक लुधियाना पुलिस की ओर से जिले की पुलिस के सहयोग से दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 'एक पेड़ मां के नाम' वृहद पौध-रोपण अभियान का शुभारंभ कर कहा

भारतीय संस्कृति में एक वृक्ष का महत्व दस पुत्रों के समान

जंबूरी मैदान में रोपे गए 26001 पौधे, यह अभियान 14 जुलाई तक चलेगा

मप्र में साढ़े पांच करोड़ पौधरोपण का महाअभियान शनिवार से भोपाल से शुरू हो गया। इसकी शुरूआत भोपाल के जंबूरी मैदान में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपनी मां के नाम पौधरोपण से की।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र में साढ़े पांच करोड़ पौधरोपण का महाअभियान शनिवार से भोपाल से शुरू हो गया। इसकी शुरूआत भोपाल के जंबूरी मैदान में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपनी मां के नाम पौधरोपण से किया। पहले ही दिन यहां 26,001 पौधे लगाए गए। इंदौर में 51 लाख पौधरोपण के अभियान का शुभारंभ पितृपर्वत से किया गया। प्रदेश भर में समाजसेवियों तथा राजनेताओं ने पौधरोपण कर अभियान शुभारंभ किया। यह अभियान 14 जुलाई तक चलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एक पेड़ मां के नाम-वृहद पौध-रोपण कार्यक्रम भी संबोधित किया।

डॉ. यादव ने अपनी माताजी की समृति में रोपा आंवले का पौधा

इंदौर में 51 लाख पौधरोपण के महाअभियान का पितृपर्वत से शुभारंभ

पौध-रोपण के लिए विद्यार्थियों का उत्साह सराहनीय

यादव ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर उनका स्मरण करते हुए कहा कि अंग्रेजों के बंग-भंग के षड़यंत्र और कश्मीर की समस्या का पूर्वानुमान लगाकर देश को सचेत करने में डॉ. मुखर्जी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पौध-रोपण अभियान में विद्यार्थियों, स्वयंसेवी संस्थाओं, एनसीसी, एनएसएस के सक्रिय रूप से भाग लेने की सराहना करते हुए कहा कि संपूर्ण प्रदेश में पौध-रोपण के लिए लोग उत्साहित हैं। वे स्वयं पौधरोपण के लिए आगे आ रहे हैं।

भोपाल नगर निगम लगाएगा एक लाख 20 हजार पौधे

महापौर श्रीमती मालती राय ने बताया कि भोपाल नगर निगम ने वृहद पौध-रोपण अभियान के तहत एक लाख 20 हजार पौधे लगाने का संकल्प लिया है। शनिवार के अभियान में जनभागीदारी से 26,001 पौधे लगाए जा रहे हैं। सांसद वीडी शर्मा ने कहा कि प्रदेशवासी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान के अनुरूप, अपनी मां के नाम एक पेड़ अवश्य लगाएं तथा उसकी देखभाल भी करें।

51 लाख पौधरोपण के महाअभियान का पितृपर्वत से शुभारंभ

पौधरोपण अभियान में इंदौर शहर में 51 लाख से अधिक पौधरोपण किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने संतजनों की मौजूदगी में धरती मां के श्रृंगार में पौधरोपण अभियान शुरू किया। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने सबसे पहले इंदौर में 51 लाख पौधरोपण करने की घोषणा की थी। उन्होंने कि इंदौर ने पौधरोपण अभियान को जन-आंदोलन बनाया है। पर्यावरण संरक्षण में भी नंबर वन बनाने का लक्ष्य है। पितृ पर्वत पर पूर्व में तीन लाख पौधों के रोपण से यहां का तापमान भी कम हुआ है।

पेपर लीक विवाद के घटनाक्रम के बीच

नीट यूजी काउंसलिंग स्थगित हुई जल्द होगा नई तारीखों का ऐलान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने शनिवार को होने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) की काउंसलिंग को स्थगित कर दिया है। नई तारीखों की घोषणा जल्द ही की जाएगी। इससे पहले शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने विवादों से घिरी नीट-यूजी 2024 परीक्षा की काउंसलिंग टालने से इनकार करते हुए कहा था कि यह कोई 'ओपन एंड शट' प्रक्रिया नहीं है। कोर्ट ने 5 मई को परीक्षा आयोजित करने में कथित अनियमितताओं को लेकर परीक्षा रद्द करने की मांग वाली याचिका पर राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए), केंद्र और अन्य को नोटिस जारी किया था। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति एसवीएन भट्टी की अवकाशकालीन पीठ ने परीक्षा के संचालन में अनियमितताओं का आरोप लगाने वाली अन्य लंबित याचिकाओं के साथ इस मामले की सुनवाई 8 जुलाई के लिए निर्धारित की है। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वकील ने पीठ से दो दिनों के लिए काउंसलिंग प्रक्रिया रोकने का आग्रह किया, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट इन सभी याचिकाओं पर 8 जुलाई को सुनवाई करने वाली है।

■ इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में कल होगी

पटना की अदालत में दर्ज हुआ मामला, बढ़ी बाबा की मुश्किलें भोले बाबा ने घटना पर जताया दुख, प्रशासन पर जताया भरोसा

नई दिल्ली। हाथरस भगदड़ मामले में भोले बाबा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। उनके खिलाफ मामला पटना के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में दायर किया गया। इससे पहले शनिवार को एक वीडियो बयान में भोले बाबा ने कहा कि वह 2 जुलाई की भगदड़ की घटना से दुखी हैं। भोले बाबा ने एक बयान में कहा कि घटना के बाद मैं बहुत दुखी हूं। भगवान हमें इस दर्द को सहने की शक्ति दे। कृपया सरकार और प्रशासन पर विश्वास रखें। मुझे विश्वास है कि अराजकता पैदा करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। मैंने समिति के सदस्यों से शोक संतप्त परिवारों और घायलों के साथ खड़े रहने और जीवन भर उनकी मदद करने का अनुरोध किया है। इस बीच 2 जुलाई को हाथरस में हुई भगदड़ में 121 लोगों की जान लेने वाले मुख्य आरोपी देव प्रकाश मधुकर को शुक्रवार रात गिरफ्तार कर लिया गया।

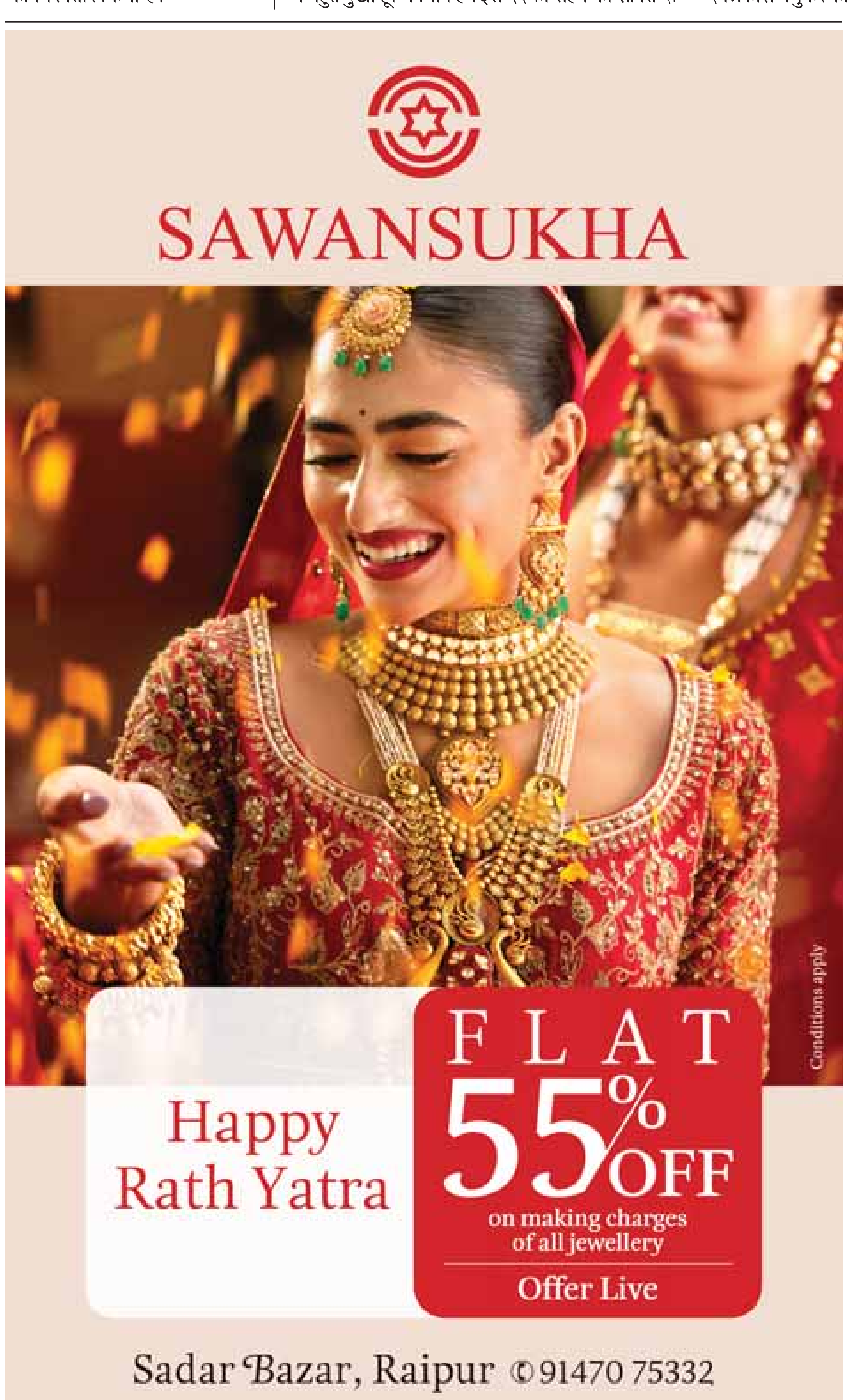

ओला ने गूगल मैप्स का छोड़ा साथ अब खुद के मैप पर चलाएगी कैब

नई दिल्ली। ऑनलाइन टैक्सी प्रोवाइड करवाने वाली कंपनी ओला अब नेविगेशन के लिए खुद का मैप लेकर आ गई है। कंपनी ने इसे खुद विकसित किया है, जिसका उसने उपयोग शुरू कर दिया है। ओला मैप पर पूरी तरह से शिफ्ट होने के बाद ओला नेविगेशन के लिए गूगल मैप्स का सहारा नहीं लेगी। ओला के सह-संस्थापक भविश अग्रवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखते हुए कहा कि अब हम गूगल मैप्स से पूरी तरह से बाहर निकल चुके हैं। गूगल मैप पर हम सालाना 100 करोड़ रुपए खर्च करते थे, लेकिन हमने इस महीने खुद तैयार किए गए ओला मैप्स पर शिफ्ट होकर इस खर्च को जीरो कर लिया है। इसके साथ ही भविश अग्रवाल ने लोगों को अपने ओला ऐप को अपडेट करने की सलाह भी दी। ओला मैप्स की घोषणा ओला ग्रुप ऑफ कंपनीज के जरिए माइक्रोसॉफ्ट एज्युर के साथ टाईअप खत्म होने के बाद किया गया है। इसके साथ ही इस दौरान ही कंपनी ने अपने पूरे सिस्टम को इन-हाउस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर आधारत ओला मैप्स पर शिफ्ट कर लिया है।

पूर्व पीएम देसाई को पीछे छोड़ देंगी

लगातार 7वां बजट पेश कर रिकॉर्ड बनाएंगी निर्मला सीतारमण

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 अगस्त को लोकसभा में वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए पूर्ण बजट पेश करेंगी। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने एक्स पर पोस्ट कर बजट सत्र की तिथियों का ऐलान किया है।

उन्होंने बताया कि आगामी बजट सत्र का शुभारंभ 22 जुलाई को होगा। यह 12 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को संसद में पूर्ण बजट पेश करेंगी। इससे पहले वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा चुनाव से पहले 1 फरवरी को अंतरिम बजट पेश किया था। वित्त मंत्री सीतारमण 23 जुलाई को लगातार सातवां बजट पेश करेंगी।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लगातार सातवीं बार बजट पेश करेंगी। यह बजट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीत तीसरी सरकार की प्राथमिकता व विकसित भारत की दिशा तय करेगा।जुलाई में सीतारमण लगातार सातवां बजट पेश करके एक नया रिकॉर्ड बनाएंगी। इससे पहले पूर्व पीएम मोरारजी देसाई ने लगातार छह बजट पेश किए थे।

सरकार की प्राथमिकता और विकसित भारत की दिशा तय होगी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लगातार सातवीं बार बजट पेश करेंगी। यह बजट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीत तीसरी सरकार की प्राथमिकता व विकसित भारत की दिशा तय करेगा। वित्त मंत्री सीतारमण ने 1 फरवरी 2024 को लोकसभा में अंतरिम बजट पेश किया था। 23 जुलाई को सीतारमण लगातार सातवां बजट पेश करके वित्त मंत्री सीतारमण एक नया रिकॉर्ड बनाएंगी। इससे पहले पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने वित्त मंत्री रहते हुए लगातार छह बार बजट पेश किया था। निर्मला सीतारमण ने लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए पिछले महीने वित्त मंत्रालय का कार्यभार संभाला।

सीतारमण के नाम पहली पूर्णकालिक महिला वित्त मंत्री बनने का भी रिकॉर्ड

सीतारमण के नाम मोदी सरकार में लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए मंत्री के रूप में शामिल होने वाली पहली महिला बनने का रिकॉर्ड भी है। अपने राजनीतिक करियर में उन्होंने कई बड़ी उपलब्धियां हासिल कीं। 2017 में पहली महिला रक्षा मंत्री बनी।

इससे पहले वह उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री थीं। अरुण जेटली (वित्त मंत्री 2014-19) के बीमार होने पर सीतारमण ने 2019 के आम चुनाव के बाद नव निर्वाचित मोदी सरकार में वित्त विभाग का प्रभार संभाला था।

इंदिरा ने अतिरिक्त विभाग के रूप में काम संभाला था

वे स्वतंत्र भारत में पहली पूर्णकालिक महिला वित्त मंत्री बनीं। इससे पहले, इंदिरा गांधी ने भारत की प्रधानमंत्री रहते हुए थोड़े समय के लिए अतिरिक्त विभाग के रूप में वित्त का कार्यभार संभाला था। सीतारमण का जन्म 18 अगस्त 1959 को मदुरै में रेलवे में कार्यरत नारायण सीतारमण और सावित्री के घर हुआ था। सीतारमण ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) से अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर और एमफिल की है।

राजनीति से पहले कॉरपोरेट जगत का हिस्सा थीं वित्त मंत्री

राजनीति में आने से पहले सीतारमण ब्रिटेन में कॉरपोरेट जगत का हिस्सा थीं, जहां वह अपने पति परकला प्रभाकर के साथ रह रही थीं। दोनों की मुलाकात जेएनयू में पढ़ाई के दौरान हुई और 1986 में दोनों ने शादी कर ली। उनकी एक बेटी परकला वांगमयी है। उन्होंने हैदराबाद में सेंटर फॉर पब्लिक पॉलिसी स्टडीज की उप निदेशक के रूप में कार्य किया। शहर में एक स्कूल भी शुरू किया। वह 2003 से 2005 तक राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य भी रहीं।

खबर संक्षेप

जेल से ही सिसोदिया विकास निधि दे सकेंगे

नई दिल्ली। दिल्ली शराब घोटाला मामले में तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम

मनीष सिसोदिया को राउज एवेन्यू कोर्ट से झटका लगा है। कोर्ट ने उनकी ज्यूडिशियल कस्टडी 15 जुलाई तक बढ़ा दी है। इस बीच कोर्ट ने राहत देते हुए सिसोदिया को विकास के लिए विधायक निधि का उपयोग करने की राहत प्रदान की है। विकास कार्य कराए जा सकेंगे।

पीएम मोदी ने डॉ. मुखर्जी को श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी है।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर कहा कि अपने प्रखर राष्ट्रवादी विचारों से मां भारती को गौरवान्वित करने वाले डॉ. मुखर्जी को जन-जयंती पर आदरपूर्ण श्रद्धांजलि। मातृभूमि के लिए उनका समर्पण और त्याग देशवासियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा।

नड्डा ने किया मिलकर काम करने का आह्वान

नई दिल्ली। विश्व जूनोसिस दिवस पर जेपी नड्डा ने एक्स पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा जूनोटिक रोगों के प्रसार को रोकने के लिए मिलकर काम करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यह वही दिवस है जब दुनिया ने लुई पाश्चर द्वारा रेबीज वैक्सीन के पहले सफल प्रशासन को चिह्नित किया

राष्ट्रपति 9 जुलाई तक ओडिशा के दौरे पर पहुंचीं

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु शनिवार से नौ जुलाई तक ओडिशा के दौरे पर रहेंगी। भारत सरकार के

पत्र सूचना कार्यालय के मुताबिक राष्ट्रपति मुर्मु छह जुलाई को भुवनेश्वर में उत्कलमणि पंडित गोपबंधु दास की 96वीं पुण्यतिथि पर आयोजित समारोह में शामिल होंगी। रविवार को पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा का अवलोकन करेंगी।

केजरीवाल का मेडिकल रिकॉर्ड देख सकेंगी सुनीता

नई दिल्ली। राउज एवेन्यू कोर्ट ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता को उनके मेडिकल

रिकॉर्ड देखने की अनुमति दी और उन्हें स्वतंत्र रूप से उनकी ओर से मेडिकल बोर्ड या डॉक्टरों से सलाह लेने की भी अनुमति दी। ईडी ने केजरीवाल की इस डिमांड का विरोध किया। हालांकि विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने अटेंडेंट बनाने की अनुमति नहीं दी।

गुजरात दौरे पर राहुल ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना

जिस तरह हमारा कार्यालय तोड़ा गया उसी तरह हम उनकी सरकार तोड़ेंगे

अहमदाबाद में पार्टी के कार्यकर्ताओं से की मुलाकात राजकोट गेम जोन अग्निकांड के पीड़ितों से भी मिले

एजेंसी ▶▶ अहमदाबाद

लोकसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी फिलहाल गुजरात दौरे पर हैं। शनिवार को वे अहमदाबाद पहुंचे। राहुल राजकोट गेम जोन अग्निकांड के पीड़ितों से मुलाकात की। वे अहमदाबाद में पार्टी के कार्यकर्ताओं से भी मिले। अहमदाबाद में एक सभा में राहुल ने पीएम नरेंद्र मोदी की सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने गुजरात में कांग्रेस की खामियों पर भी बात की।

उन्होंने कहा, जिस तरह से उन्होंने हमारा कार्यालय तोड़ा, उसी तरह हम उनकी सरकार तोड़ने जा रहे हैं। गुजरात कांग्रेस में कमियां है। यहां दो तरह के घोड़े हैं। एक का इस्तेमाल दौड़ के लिए और दूसरे का इस्तेमाल शादी के लिए किया जाता है। कांग्रेस रेस के घोड़े को शादी में और शादी के घोड़े को रेस में लगा देती है। पिछले चुनावों में हमने भाजपा के खिलाफ ठीक से चुनाव नहीं लड़ा। 2017 में हमने तीन महीनों के लिए काम किया था जिसका परिणाम अच्छे आए थे। अब हमारे पास तीन साल है। हम फिनिशिंग लाइन को पीछे छोड़ देंगे। आप 30 साल बाद गुजरात में जीतने वाले हैं। मैं और मेरी बहन आपके साथ खड़े हैं।

गुजरात में कांग्रेस की खामियों पर भी बात की, दो तरह के घोड़े का किया जिक्र

राहुल के विरोध में बजरंग दल ने किया प्रदर्शन

राहुल के अहमदाबाद दौरे पर बजरंग दल ने विरोध प्रदर्शन किया। वे कांग्रेस सांसद के लोकसभा में हिंदुओं को लेकर दिए गए बयान से नाराज हैं। इससे पहले राहुल गांधी के दौरे का विवरण देते हुए शक्तिसिंह गोहिल ने कहा कि हमारे नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी छह जुलाई को अहमदाबाद में राज्य कांग्रेस कार्यालय आ रहे हैं। वे कांग्रेस परिवार के कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करेंगे और उनसे बातचीत करेंगे। उन्होंने कहा कि मुझे पूरे गुजरात से कई लोगों ने फोन किया, जिनके साथ भाजपा ने अन्याय किया। उन्होंने बताया कि राहुल न्याय के लिए लड़ते हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें भाजपा पर भरोसा था, लेकिन उन्हें न्याय नहीं मिला। अब वे राहुल के सामने अपनी बार रखना चाहते हैं। इसलिए हम भी उनसे अनुरोध करते हैं कि वे एक बार बात करें। र

भाजयुमो कार्यकर्ताओं पर मामला दर्ज

अहमदाबाद पुलिस ने गुरुवार को भाजयुमो कार्यकर्ताओं के खिलाफ दंगा करने और गैरकानूनी ढंग से एकत्र होने के आरोप में एफआईआर दर्ज

की है। पुलिस ने यह कार्रवाई राहुल की अहमदाबाद यात्रा से पहले की है। राहुल ने भाजपा और मोदी पर हमला भी बोला। बापूनगर के पूर्व विधायक और अहमदाबाद शहर कांग्रेस कमेटी के प्रमुख हिम्मतसिंह पटेल ने एफआईआर दर्ज कराई है। दर्ज कराई गई शिकायत में आरोप लगाया गया है कि मंगलवार को गुजरात कांग्रेस मुख्यालय में कांग्रेस की छात्र शाखा एनएसयूआई में शामिल होने वाले एबीवीपी कार्यकर्ताओं का अभिनंदन समारोह चल रहा था।

अयोध्या में 'गरीब व्यक्ति' नहीं दिखा

उन्होंने कहा कि भाजपा की पूरी मूवमेंट राम मंदिर, अयोध्या की थी। शुरुआत आडवाणी जी ने की थी, रथयात्रा की थी। कहा जाता है नरेंद्र मोदी जी ने उस रथयात्रा में आडवाणी जी की मदद की थी। मैं संसद में सोच रहा था कि उन्होंने राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की और प्राण प्रतिष्ठा में अदाणी-अंबानी जी दिख गए लेकिन गरीब व्यक्ति नहीं दिखा। संसद में मैंने अयोध्या के सांसद से पूछा कि ये भाजपा ने अपनी पूरी राजनीति चुनाव के पहले इन्होंने राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की। लेकिन इंडी गठबंधन अयोध्या में चुनाव जीत गया, यह क्या हुआ?

अयोध्या में मुआवजा नहीं दिया गया

राहुल ने आगे कहा कि अयोध्या सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा कि राहुल मुझे पता लग गया था कि मैं अयोध्या से चुनाव लड़ने वाला हूं और जीतने भी वाला हूं। उन्होंने कहा कि मुझे अयोध्या के लोग कहते थे कि अयोध्या में मंदिर बनाने के लिए हमारी जमीन ली गई, कई दुकानें-घर तोड़े गए और सरकार ने आज तक लोगों को मुआवजा नहीं दिया। अयोध्या का बड़ा एयरपोर्ट बना उसमें अयोध्या के किसानों की जमीन गई, जिसमें किसानों को आज तक मुआवजा नहीं मिला। अयोध्या की प्राण प्रतिष्ठा में अयोध्यावासी ही नहीं थे।

मधुकर और संजू को कोर्ट में किया पेश

मुख्य आरोपी मधुकर, संजू को 14 दिन की हिरासत में भेजा

हाथरस के तीसरे आरोपी को आज किया जाएगा पेश

एजेंसी ▶▶ हाथरस

हाथरस हादसे में इनामी मुख्य आरोपी देव प्रकाश मधुकर और अन्य गिरफ्तार आरोपी संजू यादव को कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। तीसरे गिरफ्तार आरोपी को बाद में पेश किया जाएगा।

हाथरस हादसे में गिरफ्तार मुख्य आरोपी देव प्रकाश मधुकर और अन्य आरोपी संजू यादव का जिला अस्पताल में चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट जय हिंद कुमार सिंह के न्यायालय में देव प्रकाश मधुकर व संजू यादव को पेश किया गया। तीसरे गिरफ्तार आरोपी राम प्रकाश शाक्य को कोर्ट में पेश नहीं किया जा सका, उसे 7 जुलाई को पेश किया जाएगा।

पहले कराया गया मेडिकल परीक्षण

5 जुलाई की देर शाम दिल्ली से गिरफ्तार करने के बाद हाथरस हादसे के मुख्य आरोपी देव प्रकाश मधुकर से पुलिस ने पूछताछ की। शनिवार को उसे पुलिस मेडिकल परीक्षण के लिए बागला जिला अस्पताल की इमरजेंसी में लेकर पहुंची। । इससे पहले 2 बजे पुलिस मधुकर को मेडिकल के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंची थी, लेकिन मीडिया का भारी जमावड़ा होने के चलते कागजी कार्रवाई पूरा करने के बाद पुलिस उसे अपने साथ ले गई। दोबारा 15 मिनट बाद पुलिस मुख्य आरोपी मधुकर को मेडिकल परीक्षण के लिए बागला जिला अस्पताल लेकर पहुंची।

न्यायिक आयोग ने घटनास्थल पर खंगाले हाथरस हादसे के सबूत

सीपी सिंह ▶▶ लखनऊ

सत्संग के दौरान हुई भगदड़ में लोगों को मारे जाने के मामले में न्यायिक आयोग की टीम शनिवार को हाथरस पहुंच गई। वहां पर आयोग की टीम ने घटनास्थल का मुआयना कर हादसे के सबूत खंगाले। इस मामले की जांच के लिए गठित न्यायिक आयोग के अध्यक्ष बृजेश कुमार श्रीवास्तव, सदस्य हेमंत कुमार राव व भावेश कुमार सिंह शनिवार को करीब दोपहर 12 बजे हाथरस पहुंचे। उसके बाद शाम करीब साढ़े चार बजे आयोग की टीम ने घटनास्थल गांव फुलरई का गहराई से मुआयना किया।

जगन्नाथ की रथ यात्रा आज

जगन्नाथपुरी में 5 वॉच टावर से की जाएगी मेले की निगरानी

एजेंसी ▶▶ रांची

झारखंड की राजधानी रांची में ओडिशा के पुरी की तरह भव्य रथ यात्रा रविवार को निकाली जाएगी। रथ यात्रा के दौरान रांची के धुर्वा में 10 दिन का मेला भी लगता है। इस मेले की तैयारी पूरी हो गई है। मेला की तैयारी एवं सुरक्षा व्यवस्था का अधिकारियों ने शनिवार को जायजा लिया।

उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा एवं वरीय पुलिस अधीक्षक चंदन सिन्हा ने जगन्नाथपुर रथ यात्रा मेला की तैयारी एवं सुरक्षा व्यवस्था का

जायजा लिया। पुलिस अधीक्षक (नगर) राजकुमार मेहता एवं मंदिर समिति के पदाधिकारी भी इस अवसर पर उपस्थित थे। मेला परिसर में व्यवस्था का जायजा लेते हुए वरीय अधिकारियों ने मंदिर समिति के पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

तमिलनाडु बसपा चीफ की हत्या

8 संदिग्धों को किया गिरफ्तार समर्थकों ने किया बड़ा प्रदर्शन

एजेंसी ▶▶ चेन्नई

बहुजन समाज पार्टी की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के. आर्मस्ट्रांग की हत्या के सिलसिले में 8 संदिग्धों को पकड़ा गया है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (उत्तर) असरा गर्ग ने बताया कि पुलिस ने इस मामले को सुलझाने के लिए 10 टीम गठित की हैं।

उन्होंने कहा कि हमने अब तक 8संदिग्धों को पकड़ा है। यह शुरुआती जांच है। कुछ समय बाद अधिक तथ्यों और घटना की परिस्थितियों का पता चलने के बाद

और स्पष्ट तस्वीर सामने आएगी। उन्होंने कहा कि इस हत्या के पीछे 2-3 संदिग्ध मकसद नजर आ रहे हैं। इनसे पूछताछ के बाद ही पता चल पाएगा कि किस कारण इस घटना को अंजाम दिया गया।हत्या को लेकर बसपा कार्यकर्ताओं ने चेन्नई में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया है।

सूरत में बड़ा हादसाः 6 मंजिला इमारत गिरी, 15 घायल

सूरत। गुजरात के सूरत में 6 मंजिला बिल्डिंग गिर गई है। ये हादसा सचिन पाली गांव में हुआ है। घटना में 15 लोगों के घायल होने की खबर है। घटनास्थल पर फायर और पुलिस की टीमें मौजूद हैं। बताया जा रहा है कि यह एक पुरानी इमारत थी।

आंधी-तूफान में भी रहेगा सुरक्षित, विशेष तरह से बनाया गया

रामजन्मभूमि में लहराएगा 211 फीट ऊंचा धर्मध्वज

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

राममंदिर निर्माण के साथ शिखर पर स्थापित होने वाले कलश व धर्मध्वज को लेकर भी मंथन शुरू हो गया है। राममंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि राममंदिर में 211 फीट ऊंचा धर्मध्वज लहराएगा। इसके लिए विशेष धर्मध्वज दंड अहमदाबाद से निर्मित होकर आया है। तेज आंधी व तूफान में धर्मध्वज इधर-उधर न हिले, इसको लेकर इंजीनियर खास संरचना कर रहे हैं।

ट्रस्ट के महासचिव राय ने कहा-अहमदाबाद से बनकर आया अहमदाबाद की अंबिका इंजीनियरिंग कंपनी ने इसे बनाया

44 मीटर लंबा स्तंभ है

9.5 इंच है इसकी चौड़ाई

55 क्विंटल है इसका वजन

20-20 फीट के 6 धर्मध्वज दंड लगे

कंपनी 8 दशक से करती आ रही ऐसा कार्य

यह धर्मध्वज अहमदाबाद की अंबिका इंजीनियरिंग कंपनी में बनकर तैयार हुआ है। यह कंपनी करीब आठ दशक से शास्त्रों के अनुसार धर्मध्वज दंड बनाती आ रही है। पीतल का स्तंभ 44 फीट लंबा है। इसकी चौड़ाई 9.5 इंच है। वजन 55 क्विंटल है। 20-20 फीट लंबे 6 धर्मध्वज हैं।

24 घंटे लहराएगी यह धर्म ध्वजा

यह एक अनोखा एंटीना होता है, जो ब्रह्मांड की ऊर्जा को भगवान के गर्भगृह तक ले जाता है। राममंदिर में मुख्य ध्वज समेत सात ध्वज स्तंभ लगने हैं। मंदिर का शिखर 161 फीट है। शिखर के ऊपर पताका रहेगी। चूंकि धर्मध्वज दंड की लंबाई 44 फीट है, इसके ऊपर कई कलश लगेंगे, इसलिए धर्मध्वज दंड की कुल ऊंचाई 211 फीट हो जाएगी, जहां 24 घंटे धर्म ध्वजा लहराती रहेगी।

सहकारिता दिवस

शाह ने नैनो-उर्वरक सब्सिडी योजना का शुभारंभ किया

एजेंसी ▶▶ गांधीनगर

6 जुलाई को गुजरात के गांधीनगर में 102वें अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस के मौके पर आयोजन हुआ। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नैनो-उर्वरकों की खरीद के लिए किसानों को 50 फीसदी सब्सिडी वाली केंद्रीय योजना एग्रीकल्चर 2 (एडीआर- 2) का

योजना के उद्देश्य

शाह ने योजना के तहत 3 किसानों को सब्सिडी दी। नैनो-उर्वरकों को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने 100 दिवसीय कार्य योजना की शुरुआत की है। सरकार का लक्ष्य 413 जिलों में नैनो डीएपी के 1270 प्रदर्शन और 100 जिलों में नैनो यूरिया प्लस के 200 परीक्षण आयोजित करना है। इससे पर्यावरण अनुकूल खेती को बढ़ावा मिलेगा और कृषि क्षेत्र में रासायनिक उर्वरकों के उपयोग में कमी आएगी। शाह ने नेशनल को-ऑपरेटिव ऑर्गेनिक्स लिमिटेड के 'भारत ऑर्गेनिक गेहूं आटा' को लॉन्च किया।

ग्वालियर, सतना से गुजर रही मानसून ट्रफ कई जिलों में अतिभारी बारिश, नदियां उफनी

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

बड़ौदा में रिकॉर्डतोड़ 334 मिमी बारिश

श्योपुर की बस्तियों में 'नाव' चली

सीप नदी की बाढ़ के डर से मानपुर क्षेत्र का सरोदा गांव खाली | पार्वती नदी का जल स्तर बढ़ने से खातौली के पास बना पुल डूबा | इससे श्योपुर का राजस्थान के कोटा से सड़क संपर्क टूट गया

श्योपुर में एसडीआरएफ ने स्कूली बच्चों का रेस्क्यू किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल/श्योपुर

प्रदेश के दो जिलों से मानसून ट्रफ के गुजरने से कुछ जिलों में भारी से अति भारी बारिश का दौर जारी है। शेष हिस्सों में सामान्य से मध्यम बारिश हो रही है। शनिवार तक 24 घंटे में एक दर्जन क्षेत्रों में जहां 100 मिमी से अधिक बारिश हुई, वहीं श्योपुर जिले के बड़ौदा में प्रदेश में सर्वाधिक 334 मिमी बारिश होने से हालात अस्तव्यस्त हो गए। यहां कई जगह पानी भर जाने से नाव तक चलाने की नौबत आ गई।

प्रदेश में औसतन 2 प्रतिशत कम बारिश

एक जून से शनिवार तक प्रदेश में दीर्घावधि औसत के अनुसार अभी सामान्य से 2 प्रतिशत कम बारिश हुई है। अब तक पूर्वी मध्य प्रदेश में औसत से 10 प्रतिशत कम और पश्चिमी मध्य प्रदेश में औसत से 14 प्रतिशत बारिश दर्ज हो चुकी है। प्रदेश में अब तक

भोपाल में एक जून से अब तक सामान्य से करीब दो गुना बारिश से जल स्रोत के पेट भरने लगे

आज यहां भारी से अति भारी बारिश

रविवार तक शिवपुरी, श्योपुरकलां में अति भारी का रेड अलर्ट है। गुना, अशोकनगर, ग्वालियर, भिंड, मुरैना, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़ जिलों में कहीं भारी तो कहीं तेज बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा भोपाल, सीहोर, नर्मदापुरम, हरदा, बुरहानपुर, खरगौन, अलीराजपुर, झाबुआ, धार, इंदौर, रतलाम, उज्जैन, देवास, शाजापुर, अगरमालवा, मंदसौर, नीमच, सिंगरौली, सीधी, अनुपपुर, शहडोल, उमरिया, डिंडोरी, कटनी, नरसिंहपुर, सिवनी, मंडला, बालाघाट, विदिशा, रायसेन, राजगढ़, बैतूल, खंडवा, बड़वानी, दतिया, रीवा, मऊगंज, सतना, जबलपुर, छिंदवाड़ा, पन्ना, पांढुर्णा आदि जिलों में मध्यम से सामान्य बारिश का अनुमान है।

कहां- कितनी बारिश?

बड़ौदा 334, श्योपुर 193, पोहरी 137, शिवपुरी 131, बमोरी 121, मालथौन 110.6, नरवर 105, बीना 102.4 मिमी बारिश के साथ ही प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में 10 से 40 मिमी तक बारिश हुई है। करीब दो दर्जन जिलों में 20 से 70 मिमी तक बारिश से खेतों में बोबाई का कार्य शुरू कर दिया गया है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल न. 1155 | airtel चैनल न. 366

खबर संक्षेप

पांच नक्सलियों ने किया आत्म समर्पण

सुकमा। छग के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में शनिवार को दो इनामी माओवादियों समेत पांच नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण किया। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। आत्मसमर्पित नक्सलियों को छत्तीसगढ़ सरकार की पुनर्वास नीति के तहत सहायता राशि और अन्य सुविधाएं प्रदान करेगी।

60 से अधिक भेड़ों व चरवाहे को कुचला

जैसलमेर। राजस्थान के जैसलमेर जिले में एक ट्रक ने 60 से अधिक भेड़ों और चरवाहे को कुचल दिया जिससे उनकी मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि शुक्रवार देर रात सागाना इलाके में एक अज्ञात ट्रक ने सड़क से गुजर रहे चरवाहे और भेड़ों को कुचल दिया।

अमरनाथ यात्रा पर भारी बारिश का ब्रेक

जम्मू। अमरनाथ यात्रा के लिए हर साल की तरह इस बार भी लाखों भक्त पहुंचे हैं। इसी बीच मौसम ने इस यात्रा पर अस्थायी ब्रेक लगा दिया है। खराब मौसम की वजह से फिलहाल यात्रा को रोक दिया गया है। जानकारी के मुताबिक बालटार और पहलगाम दोनों रास्तों पर बीती रात से तेज बारिश हो रही है।

रिपोर्ट लिखाने गए लोगों पर टूट पड़े दूसरे पक्ष के लोग, चौकी में भी की तोड़फोड़

पुलिस चौकी पर हमला, बंदियों को छुड़ाकर ले गई भीड़, पुलिस ने छिपकर बचाई जान

गुना में बड़ी घटना

विवाद गुमठी रखने के बाद, पुलिस ने दो युवकों को पकड़ा और उकावद चौकी ले गई। इसके बाद आरोपी पक्ष के लोग चौकी पहुंचकर हंगामा किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुना

गुना में 50 से अधिक लोगों की भीड़ ने पुलिस चौकी पर हमला कर दिया और दो बंदियों को छुड़ा लिया और चार लोगों को लाठी-डंडों से पीटा और चौकी में तोड़फोड़ की। वहां खड़ी सरकारी गाड़ियों को भी नुकसान पहुंचाया गया। घटना के समय चौकी में सिर्फ दो पुलिसकर्मी मौजूद थे, जिन्होंने कमरे में छिपकर अपनी जान बचाई। इस घटना में एक पक्ष के पांच लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना के बाद, शुक्रवार रात को हुई इस घटना के बाद शनिवार दोपहर को असिस्टेंट सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस संजीव कुमार सिंह चौकी पहुंचे। मामला जिले के मधुसूदनगढ़ इलाके का है। यहां हरिपुरा गांव में दो पक्षों के बीच विवाद हुआ था। विवाद गुमठी रखने के बाद, पुलिस ने दो युवकों को पकड़ा और उकावद चौकी ले गई। इसके बाद, आरोपी पक्ष के लोग चौकी पहुंचकर हंगामा किया।

पुलिस ने 15 से 20 लोगों पर डकैती की धारा में मामला दर्ज किया

घटना में एक पक्ष के पांच लोग गंभीर रूप से घायल

हमलावरों ने सीसीटीवी व वायरलेस सेट भी तोड़ डाले

रिपोर्ट लिखाने गए लोगों पर जानलेवा हमला, अस्पताल में इलाज जारी

एसपी बोले- आरोपियों की तलाश के लिए टीम गठित, तीन गिरफ्तार

गुना के एसपी संजीव कुमार सिन्हा ने बताया कि दो एफआईआर दर्ज की गई हैं। एक फरियादी की तरफ से और एक पुलिस की तरफ से हुई है। अभी तक 3 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। अन्य आरोपियों को पकड़ने के लिए दबिश दी जा रही है। एसआई को लाइन अटैच कर दिया है। आरोपियों के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा तोड़फोड़ समेत अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया है। उपद्रव करने वाले दर्जनभर आरोपियों की तलाश के लिए टीम का गठन किया गया है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

हम हमलावरों को जल्दी पकड़ लेंगे

कुछ लोगों ने पुलिस चौकी पर हमला कर दिया था, चार-पांच लोग घायल हुए हैं। पुलिस चौकी का वायरलेस सेट और सीसीटीवी कैमरे तोड़ दिए। हमने 15-20 लोगों पर डकैती की धारा में मामला दर्ज किया है। हम सभी हमलावरों को जल्दी पकड़ लेंगे।

वीरेंद्र सिंह परिहार, चौकी प्रभारी

घायलों ने बताया हम मारपीट में बेहोश हो गए थे

जिला अस्पताल में भर्ती जसवंत सिंह गुर्जर और सरजन सिंह गुर्जर ने बताया कि उनके भाई रतन गुर्जर का गुरुवार को बबलू गुर्जर के साथ झगड़ा हुआ था, जिसकी रिपोर्ट लिखाने शुक्रवार को चौकी गए थे तभी बबलू ने भील समाज के 40-50 लोगों को मारपीट के लिए इकट्ठा कर लिया। हम रतन की रिपोर्ट दर्ज कराने के उकावद पुलिस चौकी गए थे। जहां बबलू गुर्जर और हिम्मत सिंह लोधी भील समाज के लोगों को लेकर पुलिस चौकी के अंदर घुस आया और हमारे ऊपर लट्ठ, डंडे, लुहांगी, फर्सा आदि बरसाना शुरू कर दिए। इस दौरान पुलिस चौकी में भी तोड़फोड़ की गई। पुलिसकर्मी भी अचानक हमला होते देख बमुश्किल अपनी जान बचाकर भागे। हम मारपीट में बेहोश हो गए, बाद में अस्पताल लाया गया। घटना में सीताराम गुर्जर, जसवंत गुर्जर, सर्जन सिंह, राधेश्याम, देवराज आदि घायल हुए हैं। सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा।

भाजपा प्रदेश कार्यसमिति बैठक आज रवींद्र भवन सभागार में

पहली बार प्रदेश भर के 1099 मंडलों के अध्यक्ष व पदाधिकारी भी होंगे शामिल

बैठक में प्रदेश के सभी 6 केंद्रीय मंत्रियों एवं नव निर्वाचित सांसदों का सम्मान किया जाएगा

भोपाल। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति बैठक 7 जुलाई को रवींद्र भवन सभागार में सुबह 11 बजे से आहूत होगी। इस बैठक में पहली बार प्रदेश भर के 1099 मंडलों के अध्यक्ष शामिल होंगे। उनके अलावा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, लोकसभा एवं राज्यसभा के सांसद, समस्त विधायक, पार्टी के महापौर, सभी जिलों के अध्यक्ष, जिला प्रभारी, जिला महामंत्री, मोर्चा प्रदेश पदाधिकारी, प्रकोष्ठों के संयोजक, विभाग संयोजक, जिला पंचायत अध्यक्ष, मीडिया प्रभारी, सह प्रभारी एवं प्रवक्ता, प्रदेश आईटी व सोशल मीडिया संयोजक, सह संयोजक बैठक में भाग लेंगे।

प्रदेश प्रभारी-सह प्रभारी भी रहेंगे मौजूद

इनके अलावा पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंह एवं प्रदेश सह प्रभारी सतीश उपाध्याय मौजूद रहेंगे। बैठक में प्रदेश के सभी 6 केंद्रीय मंत्रियों एवं नव निर्वाचित सांसदों का सम्मान किया जाएगा। इस बैठक में देश में तीसरी बार एनडीए की सरकार बनने तथा मप्र की राजनीतिक परिस्थितियों पर प्रस्ताव पारित किए जाएंगे। इसके साथ ही साथ लोकसभा चुनाव में जिस तरह से संगठन स्तर पर काम हुआ, उसका विश्लेषण प्रस्तुत किया जाएगा।

मुंबई में टला बड़ा रेल हादसा

कसारा स्टेशन के पास पंचवटी एक्सप्रेस के डिब्बे हुए अलग

एजेंसी ▶▶ मुंबई

मुंबई में एक बड़ा रेल हादसा होते होते बचा है। मुंबई जा रही पंचवटी एक्सप्रेस के दो डिब्बे कसारा स्टेशन के पास अलग हो गए। मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारियों (सीपीआरओ) के अनुसार, मुंबई की ओर आते समय सुबह 8 बजकर 40 मिनट पर कसारा स्टेशन के पास पंचवटी एक्सप्रेस के डिब्बे संख्या 3 और 4 अलग हो गए। मध्य रेलवे के अधिकारियों के अनुसार, समस्या का तुरंत समाधान कर लिया गया।

शहडोल में ट्रेलर और ऑटो की भिड़ंत

चार महिलाओं की मौत, दो गंभीर लोगों का इलाज जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ शहडोल

जिले में शुक्रवार रात दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। यहां ऑटो और ट्रेलर की जबरदस्त भिड़ंत हो गई। ऑटो में कुल छह लोग सावर थे, जिसमें दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई एवं दो महिलाओं की मेडिकल कॉलेज में मौत हुई है। 2 लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। ट्रेलर अनूपपुर से शहडोल की ओर आ रहा था, वहीं ऑटो शहडोल से अनूपपुर की ओर जा रही था, इसी दौरान दोनों गाड़ियों की आमने-सामने टक्कर हो गई।

स्कूली बच्चों के साथ बड़ा हादसा टला

बच्चों से भरी स्कूल वैन में लगी आग, ड्राइवर भागा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ग्वालियर

भितरवार थाना एवं अनुविभागीय क्षेत्र के गांव गोहिंदा में शनिवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब बच्चों को स्कूल लेने के लिए गांव में पहुंची भितरवार के एक निजी स्कूल की वैन बच्चों को लेकर गांव से वापस आ ही रही थी। ग्राम सरपंच के घर के सामने अचानक वैन में आग लग गई। आग लगते देख चालक मौके से भाग खड़ा हुआ तो बच्चों की चीख पुकार सुनकर सरपंच पति ने जान जोखिम में डालकर फंसे बच्चों ग्रामीणों की सहायता से सुरक्षित और सकुशल बाहर निकाला।

जगन्नाथ मंदिर का खुलेगा 'रत्न भंडार'

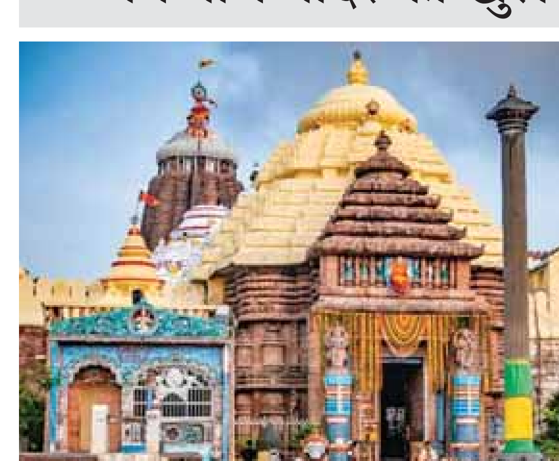

9 जुलाई को समिति बैठक कर तय करेगी तिथि

भुवनेश्वर। ओडिशा सरकार द्वारा गठित उच्च-स्तरीय समिति 'रत्न भंडार' को पुनः खोलने की तारीख तय करने के लिए 9 जुलाई को बैठक करेगी। इस समिति का गठन जगन्नाथ मंदिर के 'रत्न भंडार' में आभूषणों समेत कीमती वस्तुओं की सूची बनाने के काम की निगरानी के लिए किया गया है।

नाक के जरिए शरीर में घुसता है...

केरल में 'दिमाग खाने वाले' अमीबा का चौथा केस, 14 साल का लड़का संक्रमित

अब तक 3 बच्चों की हो चुकी मौत

एजेंसी ▶▶ कोझिकोड

केरल में इंसानी दिमाग खाने वाले अमीबा का एक और केस मिला है। एक 14 साल के लड़के में रेयर ब्रेन इन्फेक्शन अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस के संक्रमण की पुष्टि हुई है। लड़के का एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। ब्रेन इन्फेक्शन से पीड़ित लड़का उत्तरी केरल जिले के पय्योली का रहने वाला है। डॉक्टरों ने बताया कि उसे 1 जुलाई को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जिसके बाद उसमें संक्रमण की पुष्टि हुई। उसे विदेश दवाएं दी गईं। अब उसकी हालत में लगातार सुधार हो रहा है।

तालाब में नहाते वक्त नाक से घुसा था अमीबा

3 जुलाई को 14 साल के एक लड़के की इन्फेक्शन से एक मौत हो गई थी। मृदुल नाम का यह लड़का एक छोटे तालाब में नहाने गया था, जिसके चलते उसे यह इंफेक्शन हुआ। इससे पहले 25 जून को कन्नूर की एक 13 साल की लड़की की मौत हुई थी। 21 मई को इन्फेक्शन का पहला मामला आया था। राज्य के मलप्पुरम में पांच साल की लड़की की जान गई थी। इससे पहले यह बीमारी पहले 2023 और 2017 में राज्य के तटीय अलपुझा जिले में रिपोर्ट की गई थी।

प्रयागराज के मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय तकनीकी संस्थान के वैज्ञानिकों की पहल

अंतरिक्ष यात्रियों की सहूलियत के लिए वैज्ञानिक ऐसी संरचना तैयार करेंगे जिसे यात्री रॉकेट में अपने साथ विभिन्न ग्रहों पर ले जा सकेंगे। वहां इसे फुलाकर रहने लायक बना लिया जाएगा

घर के इस मॉडल का उपयोग अलग-अलग ग्रहों एवं चंद्रमा पर जाने वाले अंतरिक्ष यात्री कर सकेंगे

चंद्रमा और मंगल ग्रह के लिए 'घर' का डिजाइन बनाएंगे उत्तर प्रदेश के वैज्ञानिक

अलग खबर

एजेंसी ▶▶ प्रयागराज

प्रयागराज स्थित मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय तकनीकी संस्थान (एमएनएनआईटी) के वैज्ञानिक चंद्रमा और मंगल ग्रह के लिए घर का डिजाइन बनाएंगे। भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने एमएनआईआईटी के वैज्ञानिकों को ये प्रोजेक्ट दिया है जिस पर वो साल 2027 तक काम पूरा कर लेंगे। मानव जीवन की चंद्रमा और मंगल पर राह आसान बनाने की दिशा में वैज्ञानिकों की यह अहम पहल साबित होगी। अंतरिक्ष यात्रियों की सहूलियत के लिए वैज्ञानिक ऐसी संरचना तैयार करेंगे जिसे यात्री रॉकेट में अपने विभिन्न ग्रहों पर ले जा सकेंगे।

मुख्य इंचार्ज एप्लाइड मैकेनिक्स विभाग के डॉ. सतीश कुमार ने बताया कि हल्के, सस्ते और टिकाऊ स्वदेशी इन्फ्लेटेबल संरचना की डिजाइन विकसित की जाएगी।

वैज्ञानिक 2027 तक इस संरचना को बनाकर डीएसटी को भेजेंगे: एमएनएनआईटी के वैज्ञानिक 2027 तक इस संरचना को बनाकर डीएसटी को भेजेंगे। यह जिम्मेदारी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के तहत कार्यकत साइंस और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी) ने संस्थान के वैज्ञानिकों को दी है।

क्या होती है इन्फ्लेटेबल संरचना?

इन्फ्लेटेबल संरचना एक ऐसी वस्तु है जिसमें एक या एक से अधिक सामग्रियों की पतली परत होती है जिसे विभिन्न गैसों जैसे हवा, हाइड्रोजन, हीलियम, नाइट्रोजन आदि से फुलाया जा सकता है। इन्फ्लेटेबल संरचना में दो झिल्ली होती हैं, एक आंतरिक और एक बाहरी। बाहरी झिल्ली की सतह बाहरी वातावरण के संपर्क में होती है और आंतरिक झिल्ली की सतह संरचना के अंदर की गतिविधि और लोगों के संपर्क में होती है। इन इन्फ्लेटेबल संरचनाओं का उच्च गैस अवरोधक गुण काफी सहूलियत देता है।

नई दिल्ली। कैप्टन अंशुमान सिंह के मरणोपरांत उनकी पत्नी स्मृति और मां मंजू सिंह ने कीर्ति चक्र राष्ट्रपति से लिया।

सियाचिन ग्लेशियर में बचाई थी जवानों की जान

कैप्टन अंशुमन ने कहा 'मैं सामान्य मौत नहीं मरूंगा'

> कैप्टन अंशुमन सिंह ने अपनी बहादुरी से न सिर्फ अपने साथियों की जान बचाई, बल्कि जीवन रक्षक दवाइयों और उपकरणों को बचाते हुए शहीद हो गए।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सेना के जवान और अधिकारी ही देश के लिए जज्बा और बहादुरी नहीं दिखाते, बल्कि उनके माता-पिता, पत्नी और बच्चे भी हर अग्निपरीक्षा में उनके साथ रहते हैं। हर दर्द बराबरी से सहते हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सैन्य बलों, अर्धसैनिक बलों व पुलिस कर्मियों को कीर्ति चक्र और शौर्य चक्र से सम्मानित किया। उनकी बहादुरी के लिए मरणोपरांत प्रदान किया गया। स्मृति सिंह ने अपने पति को याद करते हुए कहा, 'वह मुझसे कहते थे। मैं अपने सीने पर पीतल रखकर मरूंगा, मैं सामान्य मौत नहीं मरूंगा' इसी दौरान पंजाब रेजिमेंट की 26वीं बटालियन के आर्मी मेडिकल कोर के कैप्टन अंशुमन सिंह को मरणोपरांत कीर्ति चक्र से सम्मानित किया गया। उनकी मां और पत्नी जब राष्ट्रपति से लेने जा रहीं थीं ।

कैप्टन अंशुमन सिंह की पत्नी भावुक नजर आईं

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू तो कैप्टन अंशुमन सिंह की पत्नी को देखकर एक मां की तरह भावुक नजर आईं। वह उनके कंधे पर हाथ रखकर सांत्वना और लाड जताती नजर आईं। इस दृश्य को देखकर सभी नम आंखों से ताली बजाने लगे। राजनाथ सिंह से लेकर किरेन रिजिजू तक तालियां बजाते नजर आए। मगर पीएम मोदी उस समय तक भावुक नजर आने लगे। वह इन दोनों को देख भी नहीं पा रहे थे। कैप्टन अंशुमन सिंह की पत्नी स्मृति और मां मंजू सिंह ने कीर्ति चक्र राष्ट्रपति से अपने हाथ में लिया तो दोनों के चेहरे पर कुछ सेकेंड के लिए अपने पति और बेटे के लिए गर्व के भाव भी नजर आए।

छोटी सी उम्र में स्मृति ने देश के लिए अपना पति खो दिया

इतनी छोटी सी उम्र में स्मृति सिंह ने देश के लिए अपने पति को खो दिया। फिर भी वह खुद को संभाले हुए रहीं। अपने पति के मान-सम्मान और बहादुरी के सम्मान के लिए वह अपने आंसुओं को हिमालय जैसी बड़ी इच्छाशक्ति से रोके रहीं।

ऐसे शहीद हुए थे कैप्टन सिंह

कैप्टन अंशुमन सिंह देवरिया के रहने वाले थे। 19 जुलाई को 17 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित सियाचिन ग्लेशियर में वह शहीद हो गए। ऑपरेशन मेघदूत के अंतर्गत सियाचिन ग्लेशियर में चिकित्सा अधिकारी के रूप में वह तैनात थे. 19 जुलाई 2023 को सियाचिन ग्लेशियर के चंदन ड्रॉपिंग जोन में हुई भीषण अग्नि दुर्घटना के दौरान नजदीकी फाइबर ग्लास हट में फंसे लोगों को देखकर वह खुद को रोक नहीं सके और उन्हें बचाने की मदद की। जबकि वह एक चिकित्सा अधिकारी थे। मगर उन्होंने अपने साथियों की जान बचाने के लिए अपनी जान की परवाह नहीं की। इसी दौरान मेडिकल इन्वेस्टिगेशन शेल्टर में आग लगता देख वह उसमें कूद पड़े ताकि जीवन रक्षक दवाइयों और उपकरणों को बचाया जा सके। तेज हवा के कारण पूरे शेल्टर को आग ने अपनी चपेट में ले लिया और वह देश के लिए शहीद हो गए। कैप्टन अंशुमन सिंह के अदम्य साहस और देशभक्ति को देखते हुए मरणोपरांत शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया।

खबर संक्षेप

गाजा में इजराइल का हमला, 6 की मौत

फिलिस्तीन। दीर अल बलाह (फलस्तीन) छह जुलाई (एपी) मध्य गाजा में इजराइल के हवाई हमलों में शुक्रवार को दो बच्चों और संयुक्त राष्ट्र के एक कर्मी समेत कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। फलस्तीनी अस्तपाल के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दीर अल-बलाह शहर में अल अक्सा शहीद अस्पताल के अधिकारियों और प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि गाजा में सलाह अल-दीन मार्ग पर मघाजी शरणार्थी शिविर के पास एक इजराइली हमले में तीन वयस्कों की मौत हो गई और कई अन्य लोग घायल हो गए।

नेपाल में बारिश ने मचाई तबाही, 2 लोगों की मौत

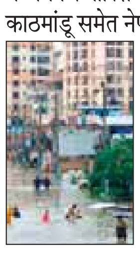

काठमांडू। मानसूनी सीजन में नेपाल में जमकर बारिश हो रही है। राजधानी काठमांडू समेत नेपाल के अन्य हिस्सों में हो रही बारिश से कई लोगों की जान चली गई है। एक जलविद्युत परियोजना में सुरंग निर्माण का काम कर रहे दो मजदूरों की मौत हो गई और दस घायल हो गए। काठमांडू से 125 किलोमीटर दूर सिंधुपालचौक जिले में निर्माणाधीन भोटेकोशी जलविद्युत परियोजना की सुरंग में दबने से दो मजदूरों की मौत हो गई थी। भोटेकोशी ग्रामीण नगर पालिका में निर्माणाधीन झिरपु इलेक्ट्रो पावर कंपनी लिमिटेड के डैम की सुरंग भारी बारिश के कारण ढह गई।

अग्निपथ योजना: सरकार ने बढ़ाई उम्र सीमा

इस साल सेना में भर्ती के लिए 23 वर्ष तक के युवा कर सकेंगे आवेदन

सेनाओं को यूथफुल बनाने के लिए अग्निपथ स्कीम लाई गई है। युवाओं को सेना से जोड़ने और सशस्त्र सेनाओं के आधुनिकीकरण के लिए केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने 14 जून को अग्निपथ स्कीम की घोषणा की है।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने दो साल से कोरोना के कारण सेना भर्ती न होने से उम्र पार कर चुके युवाओं को बड़ी राहत दी है। ऐसा युवा अब अग्निपथ योजना के तहत सेना में भर्ती हो सकेंगे। दरअसल सरकार ने इस योजना के तहत उम्मीदवारों की आयु सीमा 21 साल से बढ़ाकर 23 साल कर दी है।

हालांकि, सरकार ने उम्र की यह सीमा केवल इस साल के लिए बढ़ाई है। अभी तक भर्ती के लिए सरकार ने साढ़े 17 साल से लेकर 21 साल तक की आयु निर्धारित की थी। मालूम हो कि पिछले दो साल से सेना में भर्ती नहीं हो रही थी। इसलिए सरकार ने सेना में भर्ती की तैयारी कर रहे 23 साल तक की आयु वाले युवाओं को अग्निपथ योजना के तहत यह मौका दिया है।

12वीं पास ही भर्ती के लिए होंगे पात्र

सेना भर्ती के लिए निर्धारित शैक्षणिक योग्यता पूर्ववत ही रहेगी। 12वीं पास उम्मीदवार भर्ती के लिए पात्र होंगे। फिजिकल स्टैंडर्ड और फिजिकल एफिशिएंसी टेस्ट के आधार पर ही उम्मीदवारों का चयन होगा, जो 4 वर्षों के लिए अग्निवीर के तौर पर सेना में अपनी सेवाएं दे सकेंगे।

40 हजार रुपए तक मिलेगी सैलरी

इस योजना के तहत हर साल करीब 45 हजार युवाओं को सेना में शामिल किया जाएगा। ये भर्तियां मेरिट और मेडिकल टेस्ट के आधार पर की जाएंगी. चयनित युवाओं को चार साल के लिए सेना में सेवा देने का मौका मिलेगा। इन चार वर्षों में अग्निवीरों को 6 महीने की बेसिक मिलिट्री ट्रेनिंग दी जाएगी। अग्निवीरों को 30 हजार से 40 हजार महीना सैलरी और अन्य फायदे दिए जाएंगे। इन दौरान अग्निवीर तीनों सेनाओं के स्थाई सैनिकों की तरह अवॉर्ड, मेडल और इंश्योरेंस कवर पाएंगे. 48 लाख रुपए का बीमा कवर मिलेगा। अगर सेवा के दौरान शहीद या दिव्यांग हो गए, तो 44 लाख रुपये तक का मुआवजा दिया जाएगा. चार साल पूरे होने के बाद 25 फीसदी को फिर सेना में 15 साल और सेवा करने का मौका मिलेगा. चार साल बाद जो अग्निवीर बाहर होंगे उन्हें सेवा निधि पैकेज के तहत टैक्स फ्री करीब 12 लाख रुपए एकमुश्त मिलेंगे।

यूपी समेत इन राज्यों से भर्ती को बढ़ाए हाथ

- चार साल पूरे होने के बाद भले ही 25 फीसदी अग्निवीरों को स्थाई काडर में भर्ती कर लिया जाएगा लेकिन शेष 75 फीसदी युवाओं के पास चार साल बाद क्या विकल्प होगा। इस पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा था कि बहुत से मंत्रालयों और राज्य सरकारों ने यह इच्छा व्यक्त की है कि उनके मंत्रालयों, कॉरपोरेशनों में अगर कोई भर्ती आती है जो उन्हें इसमें प्राथमिकता दी जाएगी।
- नई योजना अग्निपथ को लेकर गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि गृह मंत्रालय ने इस योजना में 4 साल पूरा करने वाले अग्निवीरों को सीएपीएफएस और असम राइफल्स में भर्ती में प्राथमिकता देने का निर्णय लिया है।
- यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने ऐलान किया कि अग्निपथ योजना के तहत सेवा के चार साल बाद यूपी सरकार पुलिस और अन्य संबंधित सेवाओं में प्राथमिकता देगी।
- मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान ने भी घोषणा की थी कि भारतीय सेना में शॉर्ट टर्म एग्रीमेंट के आधार पर अग्निपथ योजना के तहत भर्ती किए गए जवानों को राज्य पुलिस की भर्ती में प्राथमिकता दी जाएगी।
- असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि जो लोग 4 साल बाद 'अग्निवीर' की जॉब से वापस आएंगे, उन्हें असम आरोग्य निधि पहल में प्राथमिकता दी जाएगी।

सुरक्षा बलों ने चलाया ऑपरेशन

जम्मू। कश्मीर के कुलगाम में सुरक्षा बलों की आतंकियों के साथ मुठभेड़ जारी।

कुलगाम में सुरक्षा बलों से मुठभेड़ में दो आतंकी ढेर

एजेंसी ▶▶ जम्मू

कश्मीर के कुलगाम में जवानों और आतंकियों के बीच शनिवार को मुठभेड़ हुई। जिसमें दो आतंकवादी ढेर हो गए है। जानकारी के अनुसार एक जवान बलिदान हो गए। बता दे कि यारीपोरा के चिन्नीगम इलाके में मुठभेड़ शुरू हो गई। सुरक्षाबल और आतंकियों के बीच मुठभेड़ जारी है। मोदरगाम में हुई मुठभेड़ के दौरान सेना के एक जवान शहीद हो गए थे। सुरक्षाबलों ने आतंकियों की तलाश में ऑपरेशन चलाया था।

एक महीने में सेना ने मार गिराए 6 आतंकी

बीते एक महीने (जून से 6 जुलाई तक) में सुरक्षाबल 6 आतंकियों का खात्मा कर चुके हैं। इनमें डोडा में 11-12 जून लगातार दो दिन दो हमले करने वाले आतंकी और उरी में घुसपैठ करने वाले आतंकियों का एनकाउंटर शामिल है।

ब्रिटेन : नए विदेश मंत्री डेविड लैमी को जयशंकर ने दी बधाई

लंदन। ब्रिटेन में नई सरकार का गठन हो चुका है। ऋषि सुनक की जगह नए प्रधानमंत्री बने कीर स्टार्मर ने डेविड लैमी को विदेश मंत्री बनाया है।

मंत्री जयशंकर ने लैमी को ब्रिटेन का विदेश मंत्री बनाए जाने पर बधाई दी। दिलचस्प बात यह है कि डेविड लैमी, भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर को अपना दोस्त बताते हैं।

इतना ही नहीं, वह भारत के साथ मजबूत द्विपक्षीय संबंधों के पैरोकार भी हैं।

कीर को पीएम मोदी ने बधाई दी

नए प्रधानमंत्री स्टार्मर को पीएम मोदी ने दिया भारत आने का न्यौता

एजेंसी ▶▶ लंदन

ब्रिटेन में नए प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर को जीत की बधाई देने के बाद पीएम मोदी ने उन्हें भारत आने का न्यौता दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न सिर्फ स्टार्मर से फोन पर बातचीत की बल्कि दोनों देशों के बीच भविष्य में और बेहतर संबंध विकसित करने की बात भी की।

दोनों ने मजबूत आर्थिक संबंधों के लिए ही नहीं, बल्कि रणनीतिक साझेदारी को और अधिक गहरा करने की अपनी कमिटमेंट भी जताई। बता दें कि ब्रिटेन में ऋषि सुनक के नेतृत्व में कंजरवेटिव पार्टी का 14 साल का शासन कल खत्म हो गया है और नई सरकार लेबर पार्टी बनाने जा रही है। लेबर पार्टी की ओर से कीर स्टार्मर इंग्लैंड के नए पीएम होंगे। पीएम मोदी ने अपनी बातचीत के बारे में सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिए कहा कि कीर स्टार्मर से बात करके खुशी हुई।

ब्रिटेन की सरकार में मंत्री बनीं भारतीय मूल की लिसा नंदी

नई लेबर सरकार में नंदी संस्कृति, मीडिया, खेल राज्यमंत्री

एजेंसी ▶▶ लंदन

ब्रिटेन में चुनाव नतीजों में ऋषि सुनक की कंजर्वेटिव पार्टी को करारी हार मिली है। लेबर पार्टी 14 साल बाद फिर से सत्ता में लौटी है। कीर स्टार्मर देश के नए प्रधानमंत्री बने हैं। स्टार्मर की नई कैबिनेट में भारतीय मूल की लिसा नंदी भी शामिल हैं। इस चुनाव में कुल 29 भारतवंशी सांसद चुनकर आए हैं।

44 वर्षीय नंदी को नई लेबर सरकार में संस्कृति, मीडिया और खेल राज्य मंत्री बनाया गया है। वे विगन से सांसद के रूप में चुनी गईं हैं। लिसा नंदी विगन संसदीय सीट से लेबर पार्टी के उम्मीदवार के रूप में पांचवीं बार चुनी गई हैं। नंदी का जन्म मैनचेस्टर में लुइस और दीपक नंदी के घर हुआ था। कोलकाता में जन्मे लिसा नंदी के पिता दीपक नंदी भारतीय मूल के एक्टिविस्ट और शिक्षाविद थे। लिसा नंदी ने पारस वुड हाई स्कूल और होली क्रॉस कॉलेज में शिक्षा प्राप्त की। उसके बाद नंदी ने न्यूकैसल विश्वविद्यालय में राजनीति की पढ़ाई की। न्यूकैसल विश्वविद्यालय में अपनी पहली डिग्री लेने के बाद उन्होंने 2003 में लंदन विश्वविद्यालय के बर्कबेक कॉलेज में सार्वजनिक नीति का अध्ययन किया। पढ़ाई के बाद उन्होंने वाल्थमस्टो के सांसद नील गेरार्ड के सहायक के रूप में काम किया। गेरार्ड बेघरों के लिए काम करने वाली चैरिटी सेंटरपॉइंट के लिए शोधकर्ता थे। लिसा की शादी एंडी कोलिस के साथ हुई है जो एक पीआर कंसल्टेंट हैं।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने सपत्नीक मैंगोस्टीन का पौधा रोपा

तिरुवनंतपुरम। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ पत्नी सुदेश धनखड़ के साथ शनिवार, 6 जुलाई, 2024 को तिरुवनंतपुरम में भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान के परिसर में मैंगोस्टीन का पौधा रोपते हुए।

डीआरडीओ कर रहा स्वदेशी लाइट 'टैंक जोरावर' का निर्माण

चीन से मुकाबला करेंगे, पूर्वी लद्दाख में होगी तैनाती

पहाड़ों में खड़ी चढ़ाई और नदियों को आसानी से पार करके दुश्मनों को धूल चटा सकेगी सेना

डीआरडीओ और एलएंडटी की ओर से विकसित किए जा रहे स्वदेशी लाइट 'टैंक जोरावर' की तस्वीरें सामने आई हैं। इन हल्के टैंक को भारतीय सेना को सौंपा जाएगा जिसके बाद चीन से मुकाबले के लिए इन्हें एलएसी पर तैनात किया जाएगा। हल्के वजन वाले ये टैंक पहाड़ों की खड़ी चढ़ाई और नदियों को अधिक आसानी से पार कर सकते हैं।

एजेंसी ▶▶ हजीरा

भारत के स्वदेशी लाइट टैंक 'जोरावर' का उत्पादन कार्य तेजी से जारी है। डीआरडीओ और एलएंडटी की ओर से मिलकर विकसित किए जा रहे इन टैंक की तस्वीरें भी सामने आई हैं। भारतीय रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन, डीआरडीओ के प्रमुख डॉ. समीर वी कामत ने शनिवार को गुजरात के हजीरा में टैंक प्रोजेक्ट की समीक्षा की। गौरतलब है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीन का मुकाबला करने के उद्देश्य से पूर्वी लद्दाख सेक्टर में भारतीय सेना की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डीआरडीओ द्वारा इस टैंक को विकसित किया जा रहा है।

2027 तक सेना में किया जा सकता है शामिल

अपनी हल्के वजन और उच्च क्षमताओं के कारण यह टैंक भारी वजन वाले टी-72 और टी-90 टैंकों की तुलना में पहाड़ों में खड़ी चढ़ाई और नदियों और अन्य जल निकायों को अधिक आसानी से पार कर सकता है। डीआरडीओ प्रमुख डॉ. कामत के अनुसार, सभी परीक्षणों के बाद टैंक को वर्ष 2027 तक भारतीय सेना में शामिल किया जा सकता है। डीआरडीओ टैंक लैब के निदेशक राजेश कुमार ने बताया, आम तौर पर तीन अलग-अलग प्रकार के टैंक होते हैं। वजन के आधार पर तीन श्रेणियां होती हैं- भारी टैंक, मध्यम टैंक और हल्के टैंक। हर एक की अपनी भूमिका होती है।

कम वजन के बावजूद टैंक में हैं सभी खूबियां

राजेश कुमार बताते हैं कि यदि आप एक हल्का टैंक देखते हैं तो दुनिया में कई खिलाड़ी हल्के टैंक बना रहे हैं। इनमें पश्चिमी, रूसी और चीनी टैंक हैं। भारतीय टैंक की खासियत यह है कि कम वजन होने के साथ टैंकों के सभी मूलभूत मापदंड, जैसे कि आग, शक्ति, गतिशीलता और सुरक्षा इसमें समाहित हैं। तीनों को इस तरह से शामिल किया गया है कि वजन भी समान बना रहे और सभी पैरामीटर भी मिलें। इस मौके पर एलएंडटी के कार्यकारी उपाध्यक्ष अरुण रामचंदानी ने समाचार एजेंसी एएनआई से कहा कि संयुक्त विकास मॉडल ने बड़ी सफलता हासिल की है और इतने कम समय में विकसित हुआ है।

यहां भी सत्ता परिवर्तन

सुधारवादी नेता पेज़ेस्कियन होंगे ईरान के अगले राष्ट्रपति

एजेंसी ▶▶ तेहरान

ब्रिटेन के बाद कट्टरपंथी ईरान में चुनाव के नतीजे आ गए है। वहां भी सत्ता परिवर्तन हुआ है और कट्टरपंथी सईद जलीली की हार हुई है। इब्राहिम राईसी की एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मौत हो गई थी। इस वजह से वहां जल्दी चुनाव कराए गए। इसमें सुधारवादी नेता मसूद पेज़ेशकियान की जीत हुई है और वह अगले राष्ट्रपति होंगे।

अमेरिका और पश्चिमी देशों के साथ ईरान के रिश्ते दशकों से तनावपूर्ण रहे हैं। इसमें राईसी की मौत के पीछे अमेरिका का हाथ होने का भी संदेह जताया गया। एक कार्यक्रम से लौटते समय राईसी का हेलीकॉप्टर वन क्षेत्र में

दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसके बाद चुनाव शुरू हुआ। पेज़ेशकियान ने ईरानी लोगों से पश्चिम के साथ संबंध सुधारने का वादा किया। इससे उन्हें इस चुनाव में 16.3 मिलियन वोट मिले हैं, जबकि कट्टरपंथी नेता जलीली को 1.35 करोड़ वोट मिले। बता दे कि नए राष्ट्रपति पेशे से हृदय रोग विशेषज्ञ हैं।

मप्र वक्फ बोर्ड की कार्रवाई को चुनौती संबंधी याचिका निरस्त

हाई कोर्ट ने अध्यक्ष पद से हटाने के आदेश को पाया सही

जबलपुर। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति जीएस अहलूवालिया की एकलपीठ ने मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड के उस आदेश को सही पाया, जिसके जरिये याचिकाकर्ता को वक्फ बोर्ड, शहडोल के अध्यक्ष पद से हटा दिया गया था। कोर्ट ने अपने आदेश में साफ किया कि याचिकाकर्ता के विरुद्ध वक्फ बोर्ड के विरुद्ध कार्य करने की शिकायतें मिली थीं। जिनकी जांच पर सच्चाई रेखांकित हुई। लिहाजा, अपदस्थ करने की कार्रवाई की गई थी। इस तथ्य की रोशनी में याचिका निरस्त की जाती है।

याचिकाकर्ता शहडोल निवासी रियाज की ओर से पक्ष रखा गया। दलील दी गई कि उसे छह अक्टूबर, 2023 को शहडोल वक्फ बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्ति किया गया था। वक्फ बोर्ड की संपत्ति खाली कराने के लिए ताज खान नामक व्यक्ति के विरुद्ध तहसील न्यायालय में प्रकरण चल रहा था। ताज खान ने विवादित संपत्ति को खाली कर दिया। जिसके बाद उसने विवाद निरस्त करने तहसील न्यायालय में आवेदन किया था। इसी प्रकरण को लेकर मप्र वक्फ बोर्ड ने अध्यक्ष पद से हटा दिया। सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट को अवगत कराया गया कि ताज खान अभी भी विवादित संपत्ति पर काबिज है। पद का दुरुपयोग करने के कारण मप्र वक्फ बोर्ड ने याचिकाकर्ता को हटाने का आदेश पारित किया था। याचिकाकर्ता की ओर से तर्क दिया गया कि वह मुतवल्ली के रूप में कार्य करता है। लिहाजा, वक्फ बोर्ड अधिनियम की धारा-67 की शक्तियों के तहत उसे नहीं हटाया जा सकता। हाई कोर्ट ने याचिका निरस्त करते हुए अपने आदेश में कहा कि धारा-67 के तहत उसे अध्यक्ष पद से हटाया गया है न कि मुतवल्ली के पद पृथक किया गया है। इसलिए उसकी याचिका बेमानी है।

हाई कोर्ट ने फाइनेंस कराया वाहन बेचने के मामले में निरस्त की अर्जी

जबलपुर। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल की एकलपीठ ने अपनी तल्ख टिप्पणी में कहा कि बचने के लिए महज वाहन विक्रय के दस्तावेज दिखाना काफी नहीं है। लिहाजा, आवेदक का अग्रिम जमानत आवेदन निरस्त किया जाता है। ऐसा इसलिए भी क्योंकि जो वाहन डकैती में इस्तेमाल हुआ, वह आवेदक ने फाइनेंस कराया था। अब तक फाइनेंस कंपनी को सभी किश्तों की अदायगी नहीं की गई है। ऐसे में नियमानुसार किश्त चुकने तक जिसके नाम वाहन फाइनेंस हुआ था, वह बंधनकारी दायरे से बाहर नहीं हो सकता। इसके अलावा आवेदक ने फाइनेंस कंपनी से एनओसी के बिना वाहन बेचने की भी मनमानी की है। लिहाजा, राहत की उम्मीद बेमानी है। मामले की सुनवाई के दौरान शासकीय अधिवक्ता ने अग्रिम जमानत अर्जी का विरोध किया। दलील दी कि आवेदक उमरिया निवासी बृज किशोर शर्मा को डकैती के प्रकरण में सह अभियुक्त बनाया गया है। दरअसल, उसने महिन्द्रा फाइनेंस कंपनी से गाड़ी फाइनेंस कराई थी। फाइनेंस कराए गए वाहन को उसने राजेश कुमार रैदास नामक व्यक्ति को बेच दिया था। इसके बाद उक्त गाड़ी का उपयोग डकैती के वारदात में किया गया। पुलिस ने प्रकरण में उसे भी आरोपित बना लिया है। इस संबंध में उसने पुलिस अधीक्षक उमरिया के समक्ष आवेदन भी किया गया। आवेदन के साथ वाहन बेचने का इकरारनामा भी प्रस्तुत किया था। एकलपीठ ने सुनवाई के दौरान उक्त आदेश के साथ कहा कि बचने के लिए सिर्फ वाहन बेचने के कागजी दस्तावेज प्रर्याप्त नहीं है। जिसके बाद याचिकाकर्ता की ओर से अग्रिम जमानत अर्जी वापस लेने का आग्रह किया गया। एकलपीठ ने आग्रह को स्वीकार करते हुए दायर याचिका निरस्त कर दी।

सेवानिवृत्त कर्मी से रिकवरी की राशि ब्याज सहित लौटाएं

जबलपुर। हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली युगलपीठ ने सेवानिवृत्त कर्मी से रिकवरी की राशि छह प्रतिशत ब्याज सहित लौटाने का आदेश पारित किया है। याचिकाकर्ता जबलपुर निवासी सुनील कुमार सेन की ओर से अधिवक्ता प्रमेंद्र सेन, प्रवीण सेन व रोहित चौधरी ने रखा। उन्होंने दलील दी कि याचिकाकर्ता स्थायी निधि संपरीक्षा कार्यालय से सहायक ग्रेड-थ्री बतौर सेवानिवृत्त हुआ था। जिसके बाद उसकी पेंशन व ग्रेच्युटी राशि से 86 हजार 827 रुपये की रिकवरी निकाल दी गई। यही नहीं राशि कटौती तक कर ली गई। इससे एक सेवानिवृत्त कर्मी हलकान हो गया। उसने मनमानी का विरोध करते हुए विभाग में अभ्यावेदन दिया। लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। जिससे व्यथित होकर हाई कोर्ट आ गया। यहां सुप्रीम कोर्ट व हाई कोर्ट की वे नजीरें रेखांकित की गईं, जिनके तहत सेवानिवृत्ति के बाद रिकवरी को अवैध माना गया है। हाई कोर्ट ने प्रकरण सुनने के बाद राहत दे दी।

रीजनल इंडस्ट्री कांक्लेव जबलपुर की सभी तैयारियां समुचित हो : कलेक्टर

जबलपुर। कलेक्टर दीपक सक्सेना ने रीजनल इंडस्ट्री कॉनक्लेव जबलपुर -2024 की तैयारियों को मूर्त रूप देने के लिये नेताजी सुभाषचन्द्र बोस कल्चरल एंड इनफार्मेशन सेंटर में बैठक की। जिसमें पुलिस अधीक्षक आदित्य प्रताप सिंह, नगर निगम कमिश्नर श्रीमती प्रीती यादव, एमपीआईडीसी के अधिकारियों सहित अन्य संबंधति अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर सक्सेना ने कांक्लेव की सफलता के लिये सभी आवश्यक तैयारियों के साथ-साथ आगंतुक निवेशकों के लिये आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। साथ ही सेंटर में हर गतिविधियों के लिये स्थान चिन्हित कर उसे सुव्यवस्थित करने तथा वहां तक पहुंचने के लिये साइनेज बनाने कहा। कॉनक्लेव को सफल बनाने के लिये सभी आवश्यक प्रयास पर जोर देते हुये उन्होंने निवेशकों के सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित कराने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि निवेश को प्रोत्साहित कर जबलपुर क्षेत्र के औद्योगिक विकास के लिये सार्थक प्रयास कर उसे सफल बनायें। इसके लिये उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिये।

एस्सेल कंपनी को अंतिम नोटिस जारी

जबलपुर। महापौर जगत बहादुर सिंह एवं निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव ने निगम की ही 203 गाड़ियों को वार्डे में भेजकर 450 ट्रिप कचरा घर-घर से कलेक्शन कराया गया।महापौर जगत बहादुर सिंह "अन्नू" एवं निगमायक्त श्रीमती प्रीति यादव ने बताया कि एस्सेल कंपनी को सफाई व्यवस्था में सुधार न लाने पर आज अंतिम नोटिस जारी किया गया है। यदि कंपनी के द्वारा सफाई व्यवस्था में अनिमित्ताएँ बरती जाती हैं तो कम्पनी के विरूद्ध कठोर कार्रवाई करते हुए ठेका निरस्त कर दिया जायेगा। नगर निगम वर्तमान स्थिति में शहर की सफाई व्यवस्था एवं डोर टू डोर कचरा कलेक्शन के लिए मजबूती के साथ तैयार है। महापौर एवं निगमायुक्त ने बताया कि सुबह से सामान्य रूप से घर-घर से कचरा एकत्रिकरण के लिए गाड़ियाँ निकलेंगी। महापौर एवं निगमायुक्त ने ठेकेदार को चेतावनी दी है कि यदि अनावश्यक शहर की सफाई व्यवस्था बाधित की जाती है तो ऐसी स्थिति में ठेका टर्मिनेट कर दिया जायेगा। महापौर एवं निगमायुक्त ने हिदायत दी है कि यदि कम्पनी द्वारा शहर की सफाई व्यवस्था सुचारू नहीं रखता है तो दंडात्मक कार्रवाई करते हुए ठेका निरस्त कर दिया जाएगा।

रांझी में 304 राजस्व प्रकरणों का हुआ निराकरण

जबलपुर। कलेक्टर दीपक सक्सेना के निर्देश पर 5 जुलाई से शुरू राजस्व शिविर में 6 जुलाई को रांझी तहसील में अविवादित नामांतरण व बंटवारा का निराकरण किया गया। राजस्व अनुभाग रांझी के तीनो राजस्व सर्पिल में 304 अविवादित नामांतरण के प्रकरण निराकृत हुए। उल्लेखनीय है रांझी में 254 प्रकरणों के लक्ष्य के विरुद्ध 304 प्रकरणों का निराकरण किया गया। एसडीएम आर एस मरावी और तहसीलदार राजीव मिश्रा ने आवेदकों को निराकृत प्रकरण की छायाप्रति प्रदान की।

आखिर कब तक किश्तों में मिलेंगी पाठ्य पुस्तकें?

जबलपुर। जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने बताया कि शासकीय शालाओं में निःशुल्क पाठ्य पुस्तकों का वितरण एकमुश्त किया जाना चाहिए। नया सत्र अप्रेल में प्रारंभ हो चुका है, परंतु शासकीय शालाओं में निःशुल्क पाठ्य पुस्तक वितरण का काम अभी भी चल रहा है। पाठ्य पुस्तकों को किस्तों में दिया जा रहा है जिससे शिक्षकों का समय बर्बाद हो रहा है तथा एप के माध्यम से पुस्तकों को प्राप्त करने की जानकारी भी भरनी पड़ रही है जिसमें समस्त विषयों की पुस्तकों के न मिलने से एप के माध्यम से प्राप्त पुस्तकों की एंट्री करने में सभी शाला प्रभारियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और बार-बार पुस्तकों को लेने जाने में समय की बर्बादी होती है तथा अध्यापन कार्य में व्यवधान उत्पन्न होता है। अतः संगठन आयुक्त राज्य शिक्षा केंद्र से मांग करता है कि सभी पाठ्य पुस्तकों को पूर्ण विषयों के साथ सैट बनाकर उपलब्ध कराया जाए। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन, जियाउर्रहीम, मीनूकांत शर्मा, दिनेश गोंड, राजेश सहारिया, राकेश श्रीवास, सुधीर पॉवेल, रऊफ खान, आदि ने आयुक्त राज्य शिक्षा। केन्द्र से सभी कक्षाओं की पुस्तक एक मुस्त प्रदान करने की मांग की है।

कुछ लोग होर्डिंग लगाकर बन रहे भाजपा नेता

विधायक विश्नोई की पोस्ट ने फिर सियायत गर्माई

जबलपुर। भाजपा के पाटन से वरिष्ठ विधायक पूर्व मंत्री अजय विश्नोई द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर की गई एक पोस्ट से फिर सियासत गर्मा गई। उन्होंने बिना किसी का नाम लिये एक्स पर लिखा कि कुछ लोग होर्डिंग लगाकर भाजपा नेता बनने की कोशिश कर रहे। उनके भाजपा में आने से विधानसभा चुनाव के मुकाबले लोकसभा में भाजपा के 2 हजार वोट कम गये। हमेशा की तरह नाम लेने से बचते हुये बात कहने वाले विश्नोई ने इस बार फिर बिना नाम लिये कहा है कि उनके भाजपा में आ जाने से पाटन विधानसभा में भाजपा के वोट बढ़ने की बजाय कम हो गए है'। माना जा रहा है कि यह निशाना पाटन में भाजपा नेता नीलेष अवस्थी पर है। लेकिन विश्नोई समर्थक यह साबित करने का प्रयास कर रहे हैं कि यह बात किसी खास को लेकर नहीं है। हालांकि नये जमाने की कहावत है कि कमान से निकला तीर और मोबाईल से निकला ट्वीट वापस नहीं होता। अब वरिष्ठ भाजपा के इस ट्वीट का सब अपने अपने हिसाब से मतलब निकाल रहे हैं। गौरतलब है कि अजय

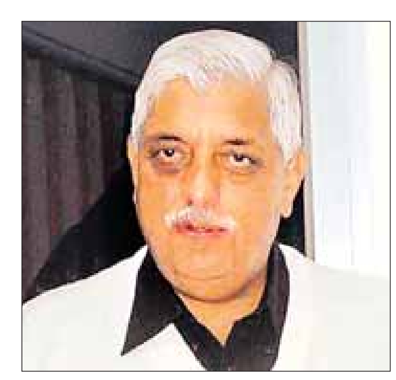

विश्नोई ने कांग्रेस नेता नीलेष अवस्थी के भाजपा में आने पर उनका एक आडियो भी वायरल किया था और साफ शब्दों में इस फैसले को पार्टी के लिये भीतरघाती बताया था।

विश्नोई ने क्या कहा

अब एक बार फिर अजय विश्नोई ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा है कि 'कुछ लोग होर्डिंग लगाकर भाजपा का नेता बनना चाह रहे हैं। शायद वो जनता से इस सच्चाई को छुपाना चाह रहे हैं कि उनके भाजपा में आ जाने से पाटन विधानसभा में भाजपा के वोट बढ़ने की बजाय कम हो गए। भाजपा को विधानसभा के चुनाव में 113223 वोट मिले थे। नेताजी के भाजपा में आने से लोकसभा के चुनाव में पाटन विधानसभा में भाजपा के वोट 2000 कम होकर 111247 रह गए। नेता जी से अनुरोध है, होर्डिंग से उतरकर जमीन पर आएं।'

पार्टी में बढ़ रही कलह

पाटन ही नहीं जबलपुर जिले की अन्य सीटों सहित पूरे मध्य प्रदेश में कांग्रेस से भाजपा में आए नेताओं के चलते पार्टी में अंतर्राकलह बढ़ी है। बीजेपी में पिछले कुछ समय से कई पूर्व मंत्री, वरिष्ठ नेता और पुराने कार्यकर्ता दल बदलकर आए लोगों के खा़लिाफ मुहिम छेड़ चुके हैं। कई पुराने समर्पित नेता-कार्यकर्ताओं का कहना है कि दूसरों दलों से आए लोगों को ज्यादा तरजीह दी जा रही है और उनकी अनदेखी हो रही है। श्री विश्नोई के हालिया ट्वीट को इसी से जोड़ कर देखा जा रहा है।

कांग्रेस ने किया दमोह नाका नगर निगम जोन का घेराव

जबलपुर। 5 दिनों से दो टू डोर कचरा कलेक्शन के द्वारा जबलपुर शहर के किसी स्थान पर कचरा कलेक्शन नहीं किया जा रहा है और सफाई कर्मचारी भी हड़ताल पर है इस कारण शहर में अव्यवस्था फैल गई है लेकिन सत्ता पक्ष में मदहोश महापौर जगत बहादुर अनु की उदासीनता के चलते पूरे शहर को गंदगी और कचरे के ढेर पर बैठा दिया गया है और उसके बाद भी नगर निगम सत्ता और महापौर इस बात से कोई सारोकार नहीं रख रहे हैं की संस्कारधानी की जनता कितनी परेशान है इन्हीं सब बातों को लेकर आज कांग्रेस कमेटी द्वारा तमन्ना का स्थित नगर निगम जॉन कार्यालय का घेराव किया गया और महापौर का पुतला दहन किया गया एवं महापौर के विरुद्ध और नगर सत्ता के विरुद्ध तीखी नारेबाजी की गई वही सत्ता पक्ष द्वारा अपनी नाकामी को छुपाने के लिए भारी मात्रा में पुलिस बल तैनात किया गया ताकि प्रदर्शन को रोका जा सके और पुतला दहन के दौरान इन्होंने बल प्रयोग करने का प्रयास किया एवं कार्यकर्ताओं से धक्का मुक्की की इसके बाबजूद महापौर का पुतला दहन किया गया एवं चेतावनी दी है की आने वाले सप्ताह में सफाई व्यवस्ता सुचारु रूप से चालू नहीं हुए तो जोन ऑफिस के सामने अनिश्चित कालीन धरना किया जाएगा आज के प्रदर्शन में जितिन राज अयोध्या तिवारी प्रमोद पटेल याकूब अंसारी सोनू कुकरेले भानु यादव कपिल भोजक यशु निखरा अंकुर गुप्ता रोहित नेमा जय ठाकुर रविंद्र गौतम युवराज चौधरी इरफ़ान अंसारी विनोद बेन राजेश गुप्ता अक्षत चौधरी रोहित रैकवार विवेक रजक निखिल जैन अमर धर्मपुरिया राजेंद्र चौधरी सहित कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सांसद तंखा ने जबलपुर में केंद्र सरकार पर साधा निशाना

व्यापमं के तरह नीट नर्सिंग घोटाला की जांच में लीपापोती

जबलपुर। राज्य सभा सांसद विवेक तंखा ने नीट पर्चा लीक घोटालें में केंद्र सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि जिस तरह व्यापमं घोटोलें के सबूत नहीं मिलें, उसी तरह नीट घोटालें के भी सबूत नहीं मिलेंगे। दरअसल जांच यदि निष्पक्ष हो तो सबूतों का अंबार मिलेगा, और जांच में मिलीभगत हो तो सबूत नहीं मिलेंगे। उन्होंने व्यापमं की तरह नीट नर्सिंग घोटला की जांच में लीपापोती का आरोप लगाया। इसी तरह उन्होंने जबलपुर में होने वाली रीजनल इंडस्ट्री कॉनक्लेव को लेकर भी बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि यदि उसका उद्देश्य अच्छा होता तो मैं खुद ऐसे प्रयासों का स्वागत करता हूँ। पर यहां सवाल यह है कि कॉनक्लेव के नाम पर सियासत होगी तो यह फेल हो जाएगा। श्री तंखा जबलपुर प्रवास के दौरान मीडिया से अनौपचारिक चर्चा कर रहे थे। श्री तंखा ने कहा कि नीट और नर्सिंग घोटाला देश का सबसे बड़ा घोटाला है। उन्होंने केंद्र सरकार को घेरते हुए कहा कि इस घोटाले की पीड़ा जिनने झेला हैं उनके साथ-साथ देश भी घोटालें वालों को माफ नहीं करेगा। उन्होंने व्यापमं घोटाले की जांच पर आश्चर्य और पीड़ा व्यव्त करते हुए कहा कि सरकार को जिस व्यापमं घोटालें में जांच के सबूत नहीं मिले उसी तरह नीट घोटालें के भी सबूत नहीं मिलेंगे। उन्होंने कि घोटालें की जांच मिली भगत से की जाती है तो सबूत नहीं मिलते, और निष्पक्ष जांच की जाएगी तो ढेरों सबूत मिलेंगे। रीजन इंडस्ट्री कॉनक्लेव पर श्री तंखा ने कहा कि पहले भी कई कॉनक्लेव हो चुके है लेकिन एक ढेले का निवेश नहीं आया और न ही कोई इंडस्ट्री खुली। कॉनक्लेव यदि राजनीतिक पृष्ठ से प्रभावित है तो यह भी असफल हो जायेगा।

अमरवाड़ा प्रतिष्ठा का प्रश्न

अमरवाड़ा में हो रहे उपचुनाव पर विवेक तंखा ने कहा कि अमरवाड़ा के उपचुनाव मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के प्रतिष्ठा का प्रश्न बन गए है। इसलिए दोनों जी-तोड़ मेहनत कर रहे हैं। इसका जवाब तो जनता ही देगी। फिलहाल उन्होंने यह ही कहा कि यदि यहां से कांग्रेस जीती तो लोक सभा की 29 सीटों पर भाजपा की जीत पर सवालिया निशान लगेंगे। इसलिए जीतू जी-तोड़ मेहनत कर रहे है। यह चुनाव भी उनके लिए एक चैलेंज है।

बंगाल दिख रहा मणिपुर नहीं

महिलाओं पर हिंसा को लेकर भाजपा को पश्चिम बंगाल तो दिखता है लेकिन मणिपुर नहीं दिख रहा। मणिपुर में हिंसा के मामलें में भाजपा चुप हो जाती है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी भाजपा के लिए चुनौती है उनके खिलाफ भाजपा माहौल बनाने में जुटी है। उन्होंने कहा कि मप्र विधानसभा में सरकार घिरने लगी तो बजट सत्र स्थगित कर दिया गया।

कलेक्टर ने दी राजस्व टीम को बधाई

दो दिनों में चार हजार से अधिक नामांतरण

जबलपुर। दो दिनों में चार हजार से अधिक नामांतरण के अविवादित प्रकरणों का निराकरण कर जबलपुर जिले ने प्रदेश में नई मिशाल पेश की है। इतनी बड़ी संख्या में अविवादित नामांतरण प्रकरणों का निराकरण कलेक्टर दीपक सक्सेना के निर्देश पर शुक्रवार और शनिवार को जिले की प्रत्येक तहसील में शिविर लगाकर किया गया। इन शिविरों में अविवादित प्रकरणों में नामांतरण के आदेश पारित करने के साथ ही राजस्व रिकार्ड को अद्यतन कर खसरा और नक्शा की सुधरी हुई प्रतियां भी आवेदकों को प्रदान की गई।

कलेक्टर दीपक सक्सेना ने शिविरों के सफल आयोजन और इनके माध्यम से कम समय में इतनी बड़ी संख्या में अविवादित प्रकरणों का निराकरण करने के लिये जिले के सभी राजस्व अधिकारियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि जिले राजस्व टीम ने जुलाई माह के प्रथम शिविर में लंबित राजस्व प्रकरण का निराकरण पूर्ण गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ किया है, जिसकी सराहना जनप्रतिनिधियों और समाज के हर वर्ग द्वारा की जा रही है। श्री सक्सेना ने आने वाले शिविरों में भी पूर्ण पारदर्शिता के साथ बेहतर परिणाम देने की अपेक्षा व्यव्त करते हुये कहा है कि जबलपुर जिले में राजस्व प्रकरणों के निराकरण के लिये अपनाई गई यह कार्य पद्धति प्रदेश में राजस्व विभाग के लिये मिसाल बनेगी।

ज्ञात हो कि डॉ मोहन यादव की मंशा के अनुरूप राजस्व प्रकरणों के निराकरण को गति देने कलेक्टर दीपक सक्सेना ने नामांतरण के अविवादित प्रकरणों के निपटारे के लिये जिले की प्रत्येक तहसील में हर माह 5 और 6 तारीख तथा 20 और 21 तारीख को शिविर लगाने के निर्देश राजस्व अधिकारियों को दिये हैं। नामांतरण प्रकरणों के निराकरण के लिये शुक्रवार और शनिवार को तहसील स्तर पर लगाये गये शिविर जुलाई माह के पहले शिविर थे। इन शिविरों में रिकार्ड संख्या में प्रकरणों का निराकरण होने पर जहाँ आवेदकों ने कलेक्टर के इस नवाचार का स्वागत किया है, वहीं मौके पर ही नामांतरण आदेश के साथ खसरा और नक्शा की अद्यतन प्रति मिलने पर प्रसन्नता भी व्यव्त की है।

नामांतरण के अविवादित प्रकरणों के निराकरण के लिये दो दिनों के तहसील स्तर पर आयोजित जुलाई माह के पहले शिविरों में निराकृत हुये कुल 4 हजार 082 प्रकरणों में से जबलपुर तहसील में 508, पनागर में 316, कुंडम में 167, शहपुरा में 256, पाटन में 113, कटंगी में 76, सिहोरा में 400, मझौली में 355, रांझी में 336, गोरखपुर में 607 एवं आधारताल तहसील में 948 प्रकरणों का निराकरण किया गया है। शिविरों में निराकरण के लिये लगभग पाँच हजार प्रकरण रखे गये थे। पारदर्शिता के लिहाज से इनकी सूची सबंधित एसडीएम द्वारा शिविरों के आयोजन के पहले ही सार्वजनिक कर दी गई थी। शिविरों में निराकरण से शेष रह गये प्रकरणों का भी आवेदकों द्वारा जरूरी दस्तावेजों पूर्ति किये जाने पर जल्दी ही निराकरण कर दिया जायेगा।

बड़े फुहारे से निकलेगी रथों की सामूहिक यात्रा

भगवान जगन्नाथ स्वामी की रथयात्रा आज

जबलपुर। भगवान जगन्नाथ स्वामी की रथयात्रा 7 जुलाई रविवार को शहर में हर्षोल्लास के साथ निकाली जाएगी। ऐसी मान्यता है कि भगवान जगन्नाथ स्वामी बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ विश्राम करने के लिये 15 दिनों के लिये ससुराल जाते हैं। हालांकि भगवान ससुराल जाते हैं या अपनी मौसी के घर, इन दोनों ही बातों का उल्लेख धार्मिक ग्रंथों में किया जाता है। रथयात्रा के दौरान भगवान जगन्नाथ स्वामी के रथ को खींचने बड़ी संख्या में श्रद्धालु शहर की सड़कों पर उमड़ पड़ते हैं। नगर में परम्परानुसार इस वर्ष भी घमंडी चौक बड़े फुहारे से जगन्नाथ स्वामी के रथों की संयुक्त शोभायात्रा प्रारंभ होगी।

साहू समाज की रथयात्रा

वात्री साहू समाज द्वारा संचालित श्री जगदीश स्वामी कर्मा माई शंकर भगवान मंदिर ट्रस्ट लॉर्डगंज द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी रथयात्रा महोत्सव का आयोजन किया गया है, रथयात्रा का शुभारंभ ट्रस्ट के रिसीवर तहसीलदार (आधारताल) मेहते राजेंद्र प्रसाद साहू (प्रमुख मुखिया वात्री साहू समाज) भगवान जगन्नाथ स्वामी का पूजन अर्चन कर करेंगे। विशिष्ट अतिथि

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक अभिलाष पांडे, भाजपा नगर अध्यक्ष प्रभात साहू, तेलघानी बोर्ड के अध्यक्ष रवि किरण साहू, और कांग्रेस नगर अध्यक्ष सौरभ शर्मा सहित अन्य गणमान्य नागरिक शामिल होंगे। साहू समाज द्वारा विगत 134 वर्षों से रथयात्रा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है और यह रथयात्रा का 135वां वर्ष है और इस वर्ष रथयात्रा साहू धर्मशाला गढ़ाफाटक स्थित अस्थायी मंदिर से प्रारम्भ होगी जो चरहाई, बड़े महावीर मंदिर के सामने से होते हुए बड़ा फुहारा पहुँचेंगी।

जगदीश मंदिर गढ़ाफाटक

श्री जगदीश स्वामी मंदिर गणेश मंदिर लोक न्यास द्वारा जगदीश मंदिर प्रांगण गढ़ाफाटक जबलपुर से भव्य रथयात्रा निकाली जायेगी। प्रबंध न्यासी राजकुमार साहू, शिवशंकर पटेल, तेज कुमार मोढ, पप्पन मिश्रा आदि ने उपस्थिति की अपील की है।

सिटी बंगाली क्लब की रथयात्रा

बंग भाषियों की प्राचीन व प्रमुख संस्था सिद्धि बाला बोस लायब्रेरी ऐसोसिएशन (सिटी बंगाली क्लब) करमचंद चौक से आज 7 जुलाई को सायं 3 बजे जगन्नाथ रथ यात्रा प्रारंभ होगी। बंग भाषियों द्वारा एकमात्र निकाली जाने वाली रथ यात्रा मालवीय चौक, सुपर बाजार, लार्डगंज, घमंडी चौक, बड़ा फुहारा, अंधेरदेव, तुलाराम चौक होते हुये वापस सिटी बंगाली क्लब पहुंचेगी। मौसी के घर भगवान जगन्नाथ, बलभद्र, सुभद्रा जाएंगी, जहां अगले 10 दिनों तक धार्मिक आयोजन होगें। यात्रा में शामिल होने का आग्रह प्रबंध कार्यकारिणी ने सभी श्रद्धालुओं से किया है।

वृक्ष हैं तो जल है, और जल है तो जीवन है: मंत्री पटेल

जबलपुर। लोक निर्माण विभाग मंत्री राकेश सिंह एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत आदमपुर छावनी में वृहद् वृक्षारोपण कार्यक्रम में पौधारोपण किया। इस दौरान विधायक हुजुर रामेश्वर शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा, 'पेड़ों का महत्व हमारे जीवन में अत्यधिक है। वृक्षारोपण की आवश्यकता है। 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।' उन्होंने आगे कहा कि इस अभियान को देश एवं मध्यप्रदेश की जनता ने पूरे उत्साह के साथ अपनाया है और यह अभियान लगातार एक नई हरित क्रान्ति का रूप ले रहा है। मंत्री सिंह ने वृक्षों की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा, 'जैसे माँ बिना स्वार्थ के हमारी सेवा करती है, वैसे ही पेड़ भी हमें प्राणवायु प्रदान करते हैं। सभी को अधिक से अधिक वृक्षारोपण करते रहना चाहिए।' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने महत्वपूर्ण संदेश देते हुए कहा कि का दिन आने वाली पीढ़ी के लिए संकल्प लेने का है। उन्होंने कहा कि 'वृक्ष हैं तो जल है, और जल है तो जीवन है।' मंत्री पटेल ने सभी नागरिकों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने की अपील की। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण न केवल पर्यावरण को

सुरक्षित रखने में मदद करेगा, बल्कि जल संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यदि हम अधिक वृक्ष लगाएंगे, तो आने वाली पीढ़ी के लिए स्वच्छ जल और स्वस्थ पर्यावरण सुनिश्चित कर सकेंगे। कार्यक्रम में उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने भी वृक्षारोपण में भाग लिया और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अपने योगदान का संकल्प लिया। 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत लगाए गए पौधे आने वाले समय में हरित मध्यप्रदेश की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होंगे।

लेनार्ड एचएस के छात्रों ने कृषि क्षेत्रों का किया दौरा

जबलपुर। लेनार्ड एचएस के छात्रों के एक समूह ने कुछ व्यावसायिक और फल देने वाले पौधे लगाने के लिए बरहा गांव के कृषि क्षेत्रों का दौरा किया। यह पर्यावरण को बेहतर बनाने और हमारे आसपास के प्राकृतिक आवास को बेहतर बनाने के लिए अपना कर्तव्य निभाने के विचार और उद्देश्य से किया गया था। इस अवसर पर इंटरैक्ट सदस्यों ने कई वाणिज्यिक और फल देने वाले पौधे लगाए, जिसमें उन्होंने गहरी रुचि ली और पौधारोपण समारोह में भाग लिया। प्रिंसिपल एलजी लोबो ने पौधे लगाने की इस गतिविधि के महत्व और वनों की कटाई, प्रदूषण और वैश्विक तापन के हानिकारक प्रभावों के बारे में बताया। उन्होंने उपस्थित इंटरेक्ट के सदस्यों से आग्रह किया कि वे आसपास की

कॉलोनियों में न केवल पौधे लगाएं, बल्कि उसकी देखभाल भी सुनिश्चत करें। इस अवसर पर उपस्थित विद्यार्थियों द्वारा बांस, अशोक के पौधे एवं पपीता आदि के फलदार पौधे लगाये गए। पौधारोपण में भाग लेने वाले छात्रों में श्रेष्ठ शर्मा, अक्षत, साहिल, आदर्श, अभय, आमिल इदरीसी, शामिल थे। बच्चों के साथ रोटरी इंटरैक्ट क्लब प्रभारी मिस पूजा विश्वकर्मा, स्वामी पांडे, भी थीं। स्कूल लौटने से पहले बच्चों ने फार्म हाउस में जलपान का आनंद लिया।

ज्योति शुक्ला को पीएचडी

जबलपुर। डॉ. राधाकृष्णन कॉलेज ऑफ एजुकेशन की सहायक प्राध्यापिका ज्योति शुक्ला को पीएचडी की उपाधि प्राप्त हुई है। उन्होंने अपना शोध कार्य महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय करौंदी, जिला कटनी के शिक्षा विभाग से डॉ. अनीता महर्जि एवं बी. निगम के मार्गदर्शन में पूर्ण किया। डॉ. ज्योति शुक्ला मप्र उच्च न्यायालय के अधिवक्ता विवेक कुमार शुक्ला की धर्मपत्नी, मास्टर तेजस शुक्ला की माँ, रामअवतार दुबे एवं गीता दुबे की पुत्री, महेश कुमार शुक्ला की पुत्र वधु हैं। इसके शोध का विषय "उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के समायोजन एवं विद्यार्थियों की सामाजिक, आर्थिक स्थिति पर कोरोना के प्रभाव का अध्ययन" था।

इंश्योरेंस एम्प्लाईज यूनियन का 57वां वार्षिक अधिवेशन संपन्न

जबलपुर। डिव्हीजन इंश्योरेंस एम्प्लाइज यूनियन जबलपुर का 57वां वार्षिक अधिवेशन 6 जुलाई को मदन महल स्थित होटल बग्गा इन में सुबह 10 बजे से आयोजित हुआ। यूनियन के महासचिव कामरेड हीरालाल कुशवाहा ने बताया कि अधिवेशन में मुख्य अतिथि के रूप में सेन्ट्रल जोन इंश्योरेंस एम्प्लाइज ऐसोसिएशन के महासचिव कामरेड धर्मराज महापात्र और विशिष्ठ अतिथि वरिष्ठ मंडल प्रबंधक आरके यादव ने उपस्थित होकर सम्बोधित किया। सम्मेलन में एलआईसी की देश के प्रति बेहतर कार्यप्रणाली और उसकी मजबूती के बारे चर्चा करते हुए कहा कि एलआईसी के सरकारी इक्विटी में और किसी प्रकार की कमी न की जाए, जीवन बीमा और चिकित्सा बीमा पर 18 प्रतिशत जीएसटी समाप्त की जाए, जीवन बीमा के माध्यम से बचत को प्रोत्साहित करने के लिए आयकर प्रावधान में

विशेष छूट की व्यवस्था की जाए, सामान्य बीमा निगम के कर्मचारियों को पारिवारिक पेंशन में 30 प्रतिशत की एक समान दर से वृद्धि की जाए, सामान्य बीमा निगम की 4 कंपनियों का विलय किया जाए, संस्था में कर्मचारियों की घटती संख्या को देखते हुए वर्ग 3 में नई भर्ती प्रक्रिया जल्द शुरू की जाए और संगठन को मान्यता प्रदान की जाए जैसे विषयों पर चर्चा की गई।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जयंती पर माल्यार्पण कर किया याद

जबलपुर। जनसंघ के संस्थापक एवं भारतीय जनता पार्टी के पितृ पुरुष डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जन्म जयंती पर जबलपुर लोकसभा के सांसद श्री आशीष दुबे जी व भारतीय जनता पार्टी जबलपुर द्वारा महानगर अध्यक्ष प्रभात साहू के नेतृत्व में गुलौआ ताल स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण करके याद किया एवं देश की अखंडता एवं एकता के लिए दिए गए उनके सर्वोच्च बलिदान को याद किया गया। भाजपा महानगर अध्यक्ष प्रभात साहू ने कहा कि कहा,आज हमारी भारतीय जनता पार्टी के पितृ पुरुष'डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जन्म जयंती पर जबलपुर के सभी 956 बूथों पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कार्यक्रम के माध्यम से डॉ मुखर्जी के बलिदान को याद करने एवं उससे प्रेरणा लेने का कार्य भारतीय जनता पार्टी के द्वारा किया जा रहा है। भारतीय राजनीति और समाज में उनके दूरदर्शी दृष्टिकोण और समय से आगे की सोच के लिए जाना जाता है. उनके जीवन और कार्यों ने दिखाया कि वे न केवल अपने समय के मुद्दों को समझते थे, बल्कि भविष्य की चुनौतियों और अवसरों का भी गहरा ज्ञान रखते थे।

सांसद आशीष दुबे की निकली विजय यात्रा

मझौली। जबलपुर सांसद आशीष दुबे का प्रथम नगर आगमन पर धन्यवाद यात्रा बरगी, दर्शनी, पीपल देवरी सुनवानी पोला तिराहा मझौली एवं पोला ग्राम से होते हुए आगे बड़ी मझौली पहुंचते ही सर्वप्रथम भव्य स्वागत पेट्रोल पंप के पास पास दोनी तिराहा ग्राम पंचायत काकरदेही पोला तिराहा मझौली में उनके द्वारा एक आम सभा का आयोजन किया गया। जिसमें उन्होंने सभी का धन्यवाद किया एवं नगर मझौली क्षेत्र की जनता से वादा किया कि विधायक अजय बिश्नोई एवं हम दोनों मिलकर जो कुछ हो सकेगा सब करेंगे और अधिक से अधिक विकास करेंगे। इस अवसर पर विधायक अजय विश्नोई, सुभाष रनु तिवारी, राजेश राय, राजमणि, श्रीमती विद्या दिनेश चौरसिया, श्रीमती शिप्रा राजेंद्र चौरसीया, आदि लोग उपस्थित थे।

विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर लगाया गया ग्राम बरौंदा में

पाटन। मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार शनिवार को ग्राम-बरौंदा तहसील पाटन में नालसा की गरीबी उन्मूलन के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु विधिक सहायता योजना एवं मध्यस्थता योजना अंतर्गत विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी अमृता मिश्रा तिवारी एवं न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी उजाला झा शुक्ला, ग्राम पंचायत सरपंच बबीता चढ़ार, सचिव श्री अनिल चढ़ार, पैरालीगल वालेंटियर शुभम अहिरवार एवं तहसील विधिक सेवा समिति पाटन के कर्मचारीगण उपस्थित रहे। शिविर में न्यायाधीश अमृता मिश्रा तिवारी द्वारा ग्रामीण जनों को संबोधित करते हुए घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण, नशा मुक्ति, लैंगिक अपराधों से बच्चों का संरक्षण विषय पर विस्तृत जानकारी दी गई । उनके द्वारा निःशुल्क व सक्षम विधिक सहायता योजना, लोक अदालत नालसा एवं सालसा द्वारा चलाई जा रही योजनाओं, शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित जानकारी दी गई।

श्री भगवान दास पटेल- कैलाशपुरी गुप्तेश्वर निवासी श्री भगवान दास पटेल (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

कु. सिम्मी कोरी- चांदमारी लालमाटी निवासी श्री मुन्ना लाल कोरी की पुत्री कु. सिम्मी कोरी (23) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती रंजना तिवारी- रीवा कॉलोनी रामपुर निवासी श्री रामबली तिवारी की धर्मपत्नी श्रीमती रंजना तिवारी का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री संजीव कुमार बेन- ग्राम सगड़ा नागपुर रोड निवासी श्री संजीव कुमार बेन (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री शंखराम तिवारी- कांचघर निवासी श्री शंखराम तिवारी (91) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री कौशल यादव- बेलबाग थाने के सामने निवासी श्री भगवान दास यादव के पुत्र श्री कौशल यादव (40) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री दिनेश सोनी- क्षीरसागर कॉलोनी मानेगांव रांझी निवासी श्री दिनेश सोनी (56) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री शंकर लाल विश्वकर्मा- दीक्षित कॉलोनी माढ़ोताल आईटीआई निवासी श्री शंकर लाल विश्वकर्मा (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार माढ़ोताल मोक्षधाम में किया गया।

श्री प्रदीप गुप्ता- हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी कांचघर निवासी श्री राधेश्याम गुप्ता के पुत्र श्री प्रदीप गुप्ता (38) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री हरमिन्दर सिंह- गुप्तेश्वर अशोका अपार्टमेंट के पीछे निवासी श्री हरमिन्दर सिंह (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती दुर्गा रैकवार- लालमाटी चांदमारी पंचशील स्कूल पास निवासी श्री सोनू रैकवार की धर्मपत्नी श्रीमती दुर्गा रैकवार (35) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

हरिभूमि
निजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अन्य साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
फिक्स साइज:- 8x4 से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- 8x4 से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज 10x8 से.मी. रंगीन 1000/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-0761-4048310, 2757175

आज नगर घूमने निकलेंगे भगवान जगन्नाथ स्वामी

सिहोरा। जगन्नाथ के भात को जगत पसारे हाथ हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी आज रविवार को धर्म जागरण समिति के तत्वावधान में सिहोरा में भगवान जगन्नाथ स्वामी,बालभद्र एंव बहन सुभद्रा को रथ मे विराजमान कर भव्य शोभायात्रा शाम 4 बजे से निकाली जायेगी जो पूजन अर्चन के बाद बाबाशाला कटरा मोहल्ला से प्रारंभ होकर झंडा बाजार,कालभैरव चौक, सरावगी मोहल्ला,महावीर चौराहा,मैना कुआं,हरदौल मंदिर से होकर निकलेगी और बाबाताल में सम्पन्न होगी।आज हजारों भक्त गण भगवान का रथ खींचकर पुण्य लाभ अर्जित कर अपने आप को धन्य करेंगे। पुराणों के अनुसार ऐसा कहा जाता है कि भगवान जगन्नाथ की बहन को नगर देखने का मन हुआ तो उनकी बात पर भगवान जगन्नाथ जी और बलभद्र अपनी बहन सुभद्रा के रथ पर बैठकर नगर घूमने गए,इस दौरान वे अपनी मौसी के घर भी गए और सात दिन तक यहां रुकें तभी से ये रथ यात्रा निकालने की परंपरा चली आ रही है।

कथा में श्रीकृष्ण रुकमणी का हुआ मंगल विवाह

जो समस्त इंद्रियों से कृष्ण रस का पान करे वह गोपी: ब्रम्हानन्द दास

सिहोरा। जो सभी इन्द्रियों से कृष्ण रस का पान करे उसे गोपी कहते हैं उक्ताशय के उदगार मझौली बायपास रोड अम्बा बिहार कालोनी में चल रही सप्त दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के छठवें दिन श्रीकृष्ण रुकमणी मंगल विवाह की मीमांसा करते हुए संत ब्रम्हानन्द दास जी भेड़ा वालों ने व्यासपीठ से व्यक्त किए। आगे कहा भगवान की प्राप्ति जीवन को सरल और सहज करने से होती है भगवान धन दौलत के नहीं बल्कि भाव के भूखे होते हैं। कथा में बजरंग धाम भेड़ा से पधारे श्याम गिरी जी महाराज एंव ब्रजधाम से पधारे गोवर्धन जी महाराज का भी सभी ने स्वागत किया। जो दुसरे के मन को आकर्षित करें वह कृष्ण है तथा ब्रज में गोपी बनकर आये जीव और ईश्वर के मिलन को महारास कहते हैं।श्रीमद् भागवत कथा का छठा दिन कथा प्रेमी श्रोताओं के लिए यादगार बन गया। इस दिन श्रोताओं को भगवान की महारास लीला पर श्री कृष्ण रुक्मणी विवाह की कथा सुनकर संपूर्ण जनमानस भाव विभोर हो नाच उठा। सभी भक्तों ने रूक्मणी कृष्ण विवाह के साक्षी बनकर उनके पैर पखारे तथा पूजन किया। भगवान ने माता रुक्मणी से विवाह कर धर्म की स्थापना की है। कथा के पूर्व जगन्नाथ ललता विश्वकर्मा, सुशील वर्षा विश्वकर्मा, संदीप पूजा विश्वकर्मा,सियाबाई विश्वकर्मा, गीता विश्वकर्मा,सरोज विश्वकर्मा, वृंदावन विश्वकर्मा, राजेश विश्वकर्मा, लक्ष्मी विश्वकर्मा, दिनेश विश्वकर्मा, रश्मि विश्वकर्मा, रुपेश विश्वकर्मा, पूजा विश्वकर्मा,सोनू विश्वकर्मा आदि ने व्यासपीठ का पूजन किया।

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग क्रमांक 05 , नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्र./सं.अधि./सं.क्र.5/2024-25/36
दिनांक:- 03/07/2024

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री हेमन्त कुमार ठाकुर एवं तरूण ठाकुर पिता राकेश कुमार ठाकुर ने भवन क्र. 165 वार्ड जवाहरगंज भूतल 525 प्रथम तल 525 द्वितीय तल 285 मृत्यु प्रमाण पत्र/विक्रय पत्र/वसीयतनाम माननीय न्यायालय के आधार पर नगर निगम द्वारा मकान नं. 165 पर नामांतरण हेतु पंजीकृत स्वामी श्रीमति ऊषा ठाकुर पति श्री राकेश ठाकुर भवन क्र. 165 पिन नं. 41400340/1000392080 पर जिस किसी को भी उक्त में प्रमाण सहित आपत्ति हो तो इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-05 में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रं. 05
नगर निगम, जबलपुर

आम सूचना

आम जनता एवं सर्वसंबंधित को सूचित किया जाता है कि मेरी पक्षकारा श्रीमती अनिता दुबे पत्नि दिनेश कुमार दुबे निवासी वॉटर वर्क्स रोड, भीटा जबलपुर द्वारा श्री लालजी यादव पिता श्री जीवन लाल यादव पता-म.नं. 1904, लाला लाजपत नगर वार्ड जबलपुर म.प्र. आधार संख्या 6198 3125 5562 के स्वामित्व की भूमि जो कजरवारा उमरिया रोड, में यदुवंशी परिसर के नाम से प्लाटिंग कर के बेची जा रही है, उसका प्लाट नंबर 7 रकवा 1040 वर्गफुट जो की आवासीय डायवर्टेड प्लाट है, जो मौजा ग्राम कजरवारा तहसील रांझी जिला जबलपुर का मूल ख.नं. 291 डायवर्टेड खसरा नंबर 291/4 का एक भाग है, को खरीद करने का सौदा समस्त अधिकारों के साथ किया जा चुका है, इस हेतु बयाना राशि श्री लालजी यादव को दी जा चुकी है, सौदा निश्चित हो चुका है, मात्र पंजीयन विक्रय पत्र का निष्पादन किया जाना शेष है।

उपरोक्त भूमि के स्वामित्व आधिपत्य एवं अंतरण के संबंध में यदि किसी व्यक्ति संस्था, निकाय हिस्सेदार, रिश्तेदार, बैंक, विकास बोर्ड, कोई प्राधिकरण, साहूकार ग्राम पंचायत शासन, प्रशासन या किसी अशासकीय विभाग, शासकीय विभाग या अन्य किसी संबंधित को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना के प्रकाशन के 10 दिवस के अंदर मेरे कार्यालय में उपस्थित होकर उपरोक्त भूमि से संबंधित समस्त दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है, समय अवधि समाप्त हो जाने पर कोई भी आपत्ति मान्य नहीं होगी, और मेरे पक्षकारा द्वारा उपरोक्त भूमि का पंजीकृत विक्रय पत्र का निष्पादन शासकीय पंजीयन कार्यालय में करा लिया जावेगा।

जबलपुर, दिनांक-06/07/2024
व्ही.के. तिवारी (अधिवक्ता)
म. प्र. उच्च न्यायालय जबलपुर
मो.नं. 9893530700, 8839866388

लगातार कुलाचें भर रहा शेयर बाजार, अब क्या करें निवेशक

एसआईपी का टारगेट पूरा हो गया है तो पैसा निकालने का सही समय

●

सेंसेक्स 80,000 के पार पहुंचा, निवेशकों की मिलीजुली प्रतिक्रिया

● एक्सपर्ट बोले, एसआईपी कर रहे हैं घबराएं नहीं, निवेश करते रहें ● बाजार में अगर गिरावट आती है तो और यूनिट खरीदें यानी निवेश बढ़ाएं ● मौजूदा घरेलू मैक्रोज के आधार पर, निवेशक लंबी अवधि का लक्ष्य बनाए ● इक्विटी में एसआईपी जारी रखें, अच्छा मुनाफा देकर जाएगा बाजार

अलर्ट

बिजनेस डेस्क

इस समय शेयर बाजार अपने रिकॉर्ड हाई पर है। यह लगातार कुलाचें भर रहा है और नित नए रिकॉर्ड बना रहा है। निवेशक हर रोज लाखों रुपये कमा रहे हैं। लगातार बढ़ते बाजार के कारण 4 जुलाई को बीएसई बेंचमार्क सेंसेक्स ने पहली बार 80,000 का स्तर पार कर लिया। 12 दिसंबर 2023 को सेंसेक्स 70 हजार तक पहुंचा था, यानी 7 महीनों से कम समय में इसने 10 हजार अंकों की तेजी दिखाई है। वहीं, 2 साल की बात करें तो सेंसेक्स 53 हजार से 27 हजार अंक बढ़कर 80 हजार के लेवल तक पहुंचा है। कोविड के समय की बात करें तो सेंसेक्स मार्च 2020 में 26,000 के लेवल पर था। तब से अब तक इसमें 54,000 अंकों की तेजी आ चुकी है। अब सवाल यह है कि इक्विटी में इतनी बड़ी रैली रैली आने के बाद इक्विटी म्यूचुअल फंड निवेशकों को क्या करना चाहिए। एसआईपी भुना लें या अभी भी जारी रखें। इस रिपोर्ट हम देंगे ऐसी ही जानकारी जो आपके निवेश की बढ़त बनाए रखेगी।

अवास्तविक नहीं बाजार की तेजी

बाजार के जानकारों का कहना है कि 4 साल पहले देखें तो मार्च 2020 में सेंसेक्स 26,000 के लेवल के आस पास था, जो अब करीब 54,000 अंक बढ़कर 80,000 के पार चला गया है। यह अवास्तविक लगता जरूर है, लेकिन यह सच भी है। यह निवेशकों को भरोसा दिलाता है कि इक्विटी बाजारों ने लंबे समय में अच्छा प्रदर्शन किया है, हमें निवेश करते समय और उसके बाद भी धैर्य और आत्मविश्वास की आवश्यकता है। मौजूदा घरेलू मैक्रोज के आधार पर, निवेशकों को लंबी अवधि का लक्ष्य बनाकर इक्विटी में एसआईपी जारी रखना चाहिए। म्यूचुअल फंड स्ट्रैटेजीज, स्टॉक मार्केट में सीधे निवेश करने से अलग होती है। लंबी अवधि के निवेशक जिनके पास अच्छी तरह से डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो हैं और एसआईपी के जरिए निवेश करते हैं, उन्हें लंबी अवधि तक निवेश को बनाए रखना चाहिए। बंद नहीं करना चाहिए।

बाजार कमजोर हो तो यूनिट खरीदें

बाजार में यह रैली पहली बार नहीं है। रैली और फिर कंसोलिडेशन ये बाजार के नेचर में हैं। इसलिए बाजार भले ही 80,000 के पार चला गया है, आगे भी इसमें तेजी आती रहेगी। इसलिए एसआईपी कर रहे हैं तो बाजार की तेजी से घबराने की बजाय, एसआईपी में बने रहें, बल्कि बाजार में अगर गिरावट आती है तो और यूनिट खरीदें यानी बाजार की गिरावट पर निवेश बढ़ा दें।

अगर गोल पूरे हो गए

अगर आपके फाइनेंशियल गोल पूरे हो गए हैं तो आप इक्विटी से अपना पैसा किसी ज्यादा सुरक्षित विकल्प में शिफ्ट कर सकते हैं। इसे ऐसे समझ सकते हैं कि मान लिया आपने बच्चे के हायर एजुकेशन के लिए एसआईपी शुरू किया था। आपका लक्ष्य इसके जरिए 15 लाख जुटाने का था। अगर आपके एसआईपी की वैल्यू 15 लाख हो गई है या बिल्कुल इसके करीब है, तो आपको बाजार के इस वैल्युएशन पर अपना पैसा किसी सुरक्षित विकल्प में शिफ्ट करने की सलाह दी जाती है। इससे लक्ष्य तक आपको एक भी पैसा नुकसान नहीं होगा। आप अपना पैसा एफडी या डेट विकल्पों में शिफ्ट कर सकते हैं। इससे आपके लक्ष्य पूरे हो जाएंगे और आपका निवेश भी सुरक्षित रहेगा।

पहली बार के निवेशकों के लिए

अगर आप बाजार में नए हैं तो आपको एसेट अलोकेशन स्ट्रैटेजी पर चलना होगा, जहां इक्विटी, डेट और गोल्ड का सही रेश्यो हो। इक्विटी में एक्सपोजर चाहते हैं तो अभी के दौर में लार्जकैप और मल्टी कैप फंड बेहतर विकल्प हैं। एसेट अलोकेशन अपनी उम्र और जोखिम लेने की क्षमता के आधार पर तय कर सकते हैं।

रिस्क क्षमता जांच लें

अगर 21 से 40 साल की उम्र है और रिस्क ले सकते हैं तो इक्विटी में 80 फीसदी और डेट में 20 फीसदी अलोकेट रख सकते हैं। उम्र अगर 40 से 55 साल है तो मॉडरेट रिस्क कैटेगरी में आएंगे। ऐसे में आप इक्विटी और डेट में 60 और 40 फीसदी या 50 और 50 फीसदी रेश्यो तय कर सकते हैं। उम्र 55 साल से ज्यादा है यानी आप रिस्क लेने की क्षमता के आधार पर कन्जर्वेटिव इन्वेस्टर हैं, तो इक्विटी और डेट में एक्सपोजर 40 फीसदी और 60 फीसदी होना चाहिए। इस तरह से निवेश करेंगे तो आपको नुकसान नहीं होगा। अगर इक्विटी नुकसान करेगी तो डेट इसकी भरपाई कर देगा। निवेश करते समय अच्छी रणनीति अपनाएंगे तो नुकसान से बचा जा सकता है। इसलिए सावधानी, धैर्य के साथ रणनीति बनाकर निवेश करें।

स्मॉल कैप में निवेश की क्या होगी सही रणनीति

- इस हाई रिटर्न-हाई रिस्क कैटेगरी में लगा रहे पैसा
- स्मॉल कैप को हाई रिस्क इनवेस्टमेंट माना जाता है
- जोखिम के बावजूद मोटा मुनाफा भी दे जाते हैं ये फंड
- निवेशक चाह कर भी नहीं करते नजरअंदाज
- धैर्य और लंबे समय के लिए निवेश से बढ़िया रिटर्न मिलेगा
- स्मॉल कैप में निवेश के लिए सही रणनीति अपनाएं
- रिस्क को मैनेज करते हुए बेहतर रिटर्न हासिल करें

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

स्मॉल कैप फंड में बढ़िया पैसा देने की क्षमता है। इसलिए ये फंड हाई रिस्क के बावजूद निवेशकों की पहली पसंद बने हुए हैं। निवेशक इन फंडों में निवेश कर लगातार मालामाल हो रहे हैं। बाजार आधारित निवेश से मोटी कमाई करनी हो, तो ऊंचा रिटर्न देने वाले स्मॉल कैप शेयर या स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड का जिक्र आ ही जाता है, लेकिन स्मॉल कैप के साथ हाई रिटर्न के साथ ही साथ हाई रिस्क भी जुड़ जाता है। यानी स्मॉल कैप शेयर या उनमें पैसे डालने वाले स्मॉल कैप फंड्स, निवेश पर मोटा मुनाफा तो दे सकते हैं, लेकिन उनके साथ ज्यादा जोखिम भी जुड़ा होता है। यही वजह है कि आमतौर पर छोटे निवेशकों को स्मॉल कैप से दूरी बनाए रखने या उनमें एक्सपोजर बेहद सीमित रखने की सलाह दी जाती है।

स्मॉल कैप में निवेश का मतलब

स्मॉल कैप में निवेश का मतलब है अपने पैसों को ऐसी छोटी कंपनियों में लगाना, जिनमें आगे चलकर बेहतर रिटर्न देने की क्षमता हो। ये कंपनियां, आकार में छोटी होने के बावजूद, तेजी से बढ़ने की क्षमता रखती हैं। यही बात मुख्य रूप से स्मॉल कैप शेयरों में निवेश करने वाले म्यूचुअल फंड्स के बारे में भी कही जा सकती है। हालांकि स्मॉल कैप में निवेश के साथ एक बड़ा जोखिम भी जुड़ा रहता है, क्योंकि स्मॉल कैप इनवेस्टमेंट काफी अस्थिर माने जाते हैं। यही वजह है कि सिर्फ उन्हीं लोगों को इनमें निवेश की सलाह दी जाती है, जो बाजार में आने वाले भारी उतार-चढ़ाव को हैंडल कर सकते हैं।

असाधारण रिटर्न संभव

असाधारण रिटर्न मिलने की संभावना स्मॉल कैप में निवेश का मुख्य आकर्षण है। उन छोटी कंपनियों में निवेश करना जबरदस्त ढंग से फायदेमंद साबित हो सकता है, जिनके बिजनेस में आगे चलकर नई ऊंचाइयां छूने की संभावना हो। हालांकि इस दौरान उनमें काफी उतार-चढ़ाव भी आ सकते हैं, जिसे झेलना सबके लिए संभव नहीं हो सकता है, लेकिन जो लोग इसे बर्दाश्त करने की क्षमता रखते हैं, वे अच्छा-खासा मुनाफा हासिल कर सकते हैं।

स्मॉल कैप में सफल निवेश की रणनीति

बाजार में निवेश से जुड़ा एक सच यह भी है कि जिन निवेशकों को मार्केट में पैसे लगाकर मोटा मुनाफा कमाना है या मल्टीबैगर की तलाश है, वे स्मॉल कैप को पूरी तरह नजरअंदाज नहीं कर सकते। स्मॉल कैप में निवेश करने वाले अगर सही रणनीति पर अमल करें तो रिस्क को मैनेज करते हुए बेहतर रिटर्न हासिल कर सकते हैं। स्मॉल कैप में निवेश की स्ट्रैटजी को सफल बनाने के लिए इन बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

डायवर्सिफिकेशन पर ध्यान दें

रिस्क को कम करने के लिए अपने पैसों को कई स्मॉल कैप फंडों में बांटकर निवेश करें।

नियमित रूप से निवेश करें

बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव के बीच कॉस्ट एवरेजिंग करने के लिए सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (SIP) के माध्यम से नियमित निवेश करें।

लॉन्ग टर्म नजरिये से निवेश

बाजार की अस्थिरता का मुकाबला करना है, तो आपको अपना इनवेस्टमेंट होराइजन 7 से 10 साल तक रखना चाहिए।

रिसर्च पर ध्यान दें

स्मॉल कैप में निवेश से मुनाफा कमाना है और मल्टी-बैगर स्टॉक्स की पहचान करनी है, तो आपको रिसर्च पर मेहनत करनी पड़ेगी। तभी आप सही समय पर ऐसी कंपनियों की पहचान कर पाएंगे, जो आगे चलकर मोटा मुनाफा देने की संभावना रखती हैं।

धैर्य बनाए रखें

लंबी अवधि में स्मॉल कैप में निवेश के जरिये मुनाफा कमाना है, तो बाजार में आने वाले शॉर्ट टर्म उतार-चढ़ाव के बीच धैर्य बनाए रखना जरूरी है। तभी आप निवेश के सही मौकों का लाभ उठा पाएंगे।

स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड का सेलेक्शन

स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड में निवेश करना, भविष्य में बड़ा मुनाफा देने की संभावना रखने वाली छोटी कंपनियों में निवेश करने का एक सुरक्षित और अधिक व्यावहारिक तरीका हो सकता है। फंड मैनेजरों के पास अच्छे स्मॉल कैप स्टॉक चुनने और खराब या संदेहजनक मैनेजमेंट वाले स्टॉक से दूर रहने के लिए जरूरी विशेषज्ञता होती है। सही फंड चुनने के लिए फुल मार्केट साइकल के दौरान उसके प्रदर्शन का मूल्यांकन करना और फंड मैनेजर के अनुभव और रणनीति पर विचार करना भी जरूरी है।

फंड के साइज और लिक्विडिटी का महत्व

स्मॉल कैप फंड जैसे-जैसे बड़े होते जाते हैं, फंड मैनेजरों के लिए अपने प्रदर्शन को बनाए रखना अधिक चुनौती भरा काम हो जाता है। कैपिटल का फ्लो बहुत बड़ा हो, तो फंड मैनेजर के लिए स्मॉल कैप कंपनियों के शेयरों की कीमतों पर असर डाले बिना उन्हें खरीदना और बेचना बेहद मुश्किल हो सकता है। इसलिए छोटे या मंझोले आकार के फंड में निवेश करने से ग्रोथ के बेहतर मौके मिल सकते हैं।

निवेश में सोना सबसे 'खरा' लोगों को बना रहा 'धनवान'

छह महीने में 8,400 रुपये तक महंगा हो गया गोल्ड, सोने की कीमत में हाल में काफी तेजी दर्ज की गई है, चीन में मांग बढ़ने, दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों के जमकर खरीदारी की, फेड रिजर्व के ब्याज दरों में कटौती करने की संभावना से भी कीमत बढ़ी

जानकारी

विनोद कौशिक

कहा जाता है कि सोना सबसे सुरक्षित निवेश है। चाहे इसे आप किसी भी रूप में खरीदें। यह आपको कभी निराश नहीं करेगा। अक्सर निवेशकों खासकर महिलाओं के लिए तो यह और भी खास है। निवेश के मामले में सोना लगातार बढ़िया प्रदर्शन कर रहा है। पिछले छह महीने में तो सोने ने सबसे ज्यादा रिटर्न दिया है। इसके दाम 8,400 रुपये तक बढ़ गए हैं। इसलिए तो कहा जा रहा है कि सोना निवेश के मामले में सबसे 'खरा' उतरा है। इसका कोई तोड़ नहीं है। वहीं जानकारों का कहना है कि इस साल सोने के दाम 77000 से 80000 रुपये प्रति दस ग्राम तक जाने की संभावना है। ऐसे में यह निवेश के लिए बेहतर विकल्प है। सोने ने कभी निवेशकों को धोखा नहीं दिया है। इसलिए आप भी इस पीली धातू में निवेश कर मोटा मुनाफा कमा सकते हैं।

सोने का निफ्टी से बेहतर प्रदर्शन

साल की पहली छमाही खत्म हो चुकी है। इस दौरान सोने ने निफ्टी से कहीं बेहतर प्रदर्शन किया है। सोने ने साल की पहली छमाही में 13.37% रिटर्न दिया है, जबकि निफ्टी में इस दौरान 10.5% तेजी आई है। रुपये के लिहाज से देखें तो इस दौरान एमसीएक्स गोल्ड कॉन्ट्रैक्ट में करीब 8,400 रुपये प्रति 10 ग्राम की बढ़ोतरी हुई है। दूसरी ओर देखें तो इस दौरान सेंसेक्स में 2,279 अंकों की बढ़ोतरी हुई है। जुलाई का सोना वायदा 74,777 रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था और अब यह 71,800 करोड़ रुपये के आसपास मंडरा रहा है। मध्य पूर्व में तनाव, चीन में सोने की मांग में तेजी और फेड ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों के कारण सोने की कीमत में तेजी देखने को मिली।

सोने ने छह महीने में दिया 13.37% रिटर्न

पांच साल से बेहतर रिटर्न

पिछले पांच सालों में सोने और निफ्टी के पहली छमाही के प्रदर्शन को देखें तो गोल्ड ने काफी बेहतर रिटर्न दिया।

सोने का रिटर्न: साल 2019 और 2023 के बीच, सोने का रिटर्न चार मौकों पर सकारात्मक रहा है, जिसमें 2020 में सबसे ज्यादा (13.71%) और 2022 में सबसे कम (0.59%) रहा। 2021 में इसने 3.63% का नकारात्मक रिटर्न दिया है।

निफ्टी का रिटर्न : वहीं, इसके विपरीत, निफ्टी ने तीन मौकों (2019, 2021 और 2023) में सकारात्मक रिटर्न दिया है। इस दौरान 2021 की पहली छमाही में इसने 12% से अधिक रिटर्न दिया जो 2019 और 2023 के बीच 5 साल की अवधि में सबसे अधिक है। 2020 में, मार्च में कोविड 19 लॉकडाउन के कारण निफ्टी के स्तर में 15% की गिरावट देखी गई। 2022 की पहली छमाही में निफ्टी में 9% की गिरावट आई।

कहां तक जाएगी कीमत

सोने के प्रदर्शन के बारे में स्वर्ण बाजार के जानकारों का कहना है कि फरवरी और अप्रैल के बीच 18% की तेजी के साथ रेकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद सोना 71,000-72,000 रुपये के आसपास मजबूत हो रहा है। उक्त अवधि में इसमें 12,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की तेजी आई है। जानकारों ने कीमतों में स्थिरता के लिए पर्याप्त ट्रिगर्स की कमी को जिम्मेदार ठहराया है। कमजोर बुनियादी बातों और तकनीकी कारणों से अगले 1-2 महीनों में सोना

70,000 रुपये तक पहुंच सकता है। मध्यम से लंबी अवधि का नजरिया अभी भी सकारात्मक है और 2024 की आखिरी तिमाही में पीली धातु नए रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच सकती है। साल के अंत तक यि 75,000 रुपये से 77,000 या 80000 रुपये प्रति 10 ग्राम के लक्ष्य को हासिल कर सकता है। हालांकि अगले एक दो महीने में यह 70,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के आसपास रहने की उम्मीद है। इस दौरान निवेश इसे खरीदेंगे जो इसमें अच्छा मुनाफा मिलने के पूरे चांस है।

सोने में निवेश के विकल्प

गोल्ड ईटीएफ

आप शेयरों की तरह भी सोने को खरीद सकते हैं। इस सुविधा को ही गोल्ड ईटीएफ कहते हैं। ये एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड होते हैं। इन्हें स्टॉक एक्सचेंजों पर खरीदा और बेचा जा सकता है। आप इसे गोल्ड की वास्तविक कीमत के करीब खरीद सकते हैं, क्योंकि गोल्ड ईटीएफ का बेंचमार्क स्पॉट गोल्ड की कीमतें हैं। हालांकि आपके पास ट्रेडिंग डीमैट अकाउंट होना जरूरी है।

फिजिकल गोल्ड

आप फिजिकल गोल्ड भी खरीद सकते हैं। फिजिकल गोल्ड जैसे सोने के बिस्किट-सिक्के या ज्वैलरी खरीदना है। हालांकि एक्सपर्ट ज्वैलरी खरीदने को गोल्ड में निवेश का अच्छा विकल्प नहीं मानते हैं। इसकी वजह है कि इसपर आपको मेकिंग चार्ज और जीएसटी देना पड़ता है।

पेमेंट ऐप से करें निवेश यानी डिजिटल गोल्ड

अब आप बेहद आसानी से अपने स्मार्टफोन से भी सोने में निवेश कर सकते हैं। आपको इसके लिए ज्यादा रुपये खर्च करने की भी जरूरत नहीं है। आप अपनी सुविधा के हिसाब से जब चाहें गोल्ड में निवेश कर सकते हैं। गूगल पे, पेटीएम, फोनपे और अमेजन पे जैसे कई प्लेटफार्म उपलब्ध हैं। डिजिटल गोल्ड खरीदने के कई फायदे हैं।

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड

सोने में निवेश का एक विकल्प सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड भी है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड एक सरकारी बॉन्ड होता है, जिसे सरकार समय-समय पर जारी करती है। इसका मूल्य रुपये या डॉलर में नहीं होता है, बल्कि सोने के वजन में होता है। अगर बॉन्ड एक ग्राम सोने का है, तो एक ग्राम सोने की जितनी कीमत होगी, उतनी ही बॉन्ड की कीमत होगी। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में इश्यू प्राइस पर हर साल 2.50% का निश्चित ब्याज मिलता है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेश के लिए भी डीमैट अकाउंट जरूरी होता है।

बाढ़ में कार डैमेज हो जाए तो क्या मिलता है इंश्योरेंस कवर

अगर आपकी कार बाढ़ में डैमेज हो जाए तो इंश्योरेंस कंपनी को उनके कस्टमर हेल्प नंबर पर संपर्क करके या उनकी वेबसाइट पर जाकर डैमेज कार की जानकारी दें। फिर कंपनी डैमेज का आकलन कर आगे की प्रक्रिया को आगे बढ़ाती हैं।

बीमा की बात

बिजनेस डेस्क

देश के अधिकांश हिस्सों में मॉनसून आ चुका है। कई इलाकों में बाढ़ की स्थिति है। ऐसे में आप बाढ़ में कार के बहने और डूबने की खबरें देखते हैं। हाल ही में हरिद्वार में एक सूखी नदी में बाढ़ के कारण कई कारें बह गई थी, पहाड़ी इलाकों में कई जगह भूस्खलन के कारण कारों को नुकसान पहुंचा है। लेकिन क्या आपने यह सोचा है कि जब ये कारें बाढ़ में बहकर डैमेज हो जाती हैं तो क्या इस स्थिति में कार इंश्योरेंस कवर मिलता है? जानकारों का कहना है कि बाढ़ से होने वाले नुकसान के लिए कवरेज आपके द्वारा चुनी गई कार बीमा पॉलिसी के प्रकार पर निर्भर करता है। अगर आपने व्यापक कार पॉलिसी चुनी है, तो आप बाढ़ से होने वाले नुकसान या अपने वाहन को होने वाले नुकसान से सुरक्षित रहेंगे। आइए इस रिपोर्ट में हम उन बातों पर चर्चा करते हैं जो आपको अपनी कार के लिए बाढ़ बीमा, व्यापक कार बीमा लाभों और बाढ़ के नुकसान की स्थिति में कार बीमा दावा दायर करने के तरीके के बारे में जानने की जरूरत है।

बाढ़ से होने वाले नुकसान के लिए कवरेज की सीमा आपकी पॉलिसी के विशिष्ट विवरण के आधार पर अलग-अलग हो सकती है, इसलिए विस्तृत जानकारी के लिए पॉलिसी दस्तावेजों की समीक्षा करना या अपने बीमा प्रदाता से परामर्श करना महत्वपूर्ण है। बाढ़ से होने वाले नुकसान को समझना बेहद जरूरी है। बारिश से होने वाले नुकसान की गंभीरता तभी स्पष्ट होती है जब आप अपने वाहन को मैकेनिक के पास ले जाते हैं। जब वे मरम्मत की लिस्ट देते हैं, तो परिणामस्वरूप वित्तीय भार भारी हो सकता है।

बाढ़ से कार को होने वाले नुकसान

इंजन डैमेज

जब पानी कार के इंजन में चला जाता है, तो इससे कार के आंतरिक हिस्सों को आंशिक या संपूर्ण क्षति हो सकती है। इससे आपकी कार बेकार हो सकती है।

गियरबॉक्स डैमेज

जब पानी गियरबॉक्स में प्रवेश करता है, तो यह उपकरण को खराब कर सकता है या पूरी तरह से बेकार बना सकता है। यह आपकी परेशानी बढ़ाने वाला हो सकता है।

इलेक्ट्रॉनिक फ़ंक्शन

जब बाढ़ के दौरान पानी कार में घुस जाता है, तो इससे इलेक्ट्रॉनिक्स में शॉर्ट सर्किट हो सकता है और डैशबोर्ड अलर्ट लाइट की संभावित विफलता हो सकती है। इलेक्ट्रॉनिक्स डिवाइस को पानी बहुत जल्दी और भारी नुकसान पहुंचाता है।

इंटीरियर को नुकसान

पानी के आक्रमण के परिणामस्वरूप इंटीरियर बर्बाद हो सकता है। इसमें कार्पेट, सीटें और दूसरे नरम सामान शामिल हैं। इससे आपकी गाड़ी पूरी रूह बिगड़ सकती है। अगर आप ऐसे क्षेत्र में रहते हैं जहां बाढ़ का खतरा है, तो आपके पास पर्याप्त कार बीमा कवरेज होना चाहिए।

कौन सी कार पॉलिसी बेहतर

व्यापक कार बीमा बाढ़ से संबंधित कवरेज प्रदान करता है। भूकंप और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाएं कभी भी हो सकती हैं और उनकी भविष्यवाणी करना मुश्किल है। इसलिए, अगर आप ऐसे क्षेत्र में रहते हैं जहां बाढ़ का खतरा है, तो आपके पास पर्याप्त कार बीमा कवरेज होना चाहिए। इससे आपको आसानी से डैमेज कार का इंश्योरेंस मिल सकेगा।

कवरेज के निम्न तरीके

इंजन सुरक्षा कवरेज

कार का इंजन बाढ़ के पानी के घुसने से क्षतिग्रस्त हो जाता है। व्यापक बीमा इंजन क्षति को कवर नहीं करता है। हालांकि, यह इंजन की मरम्मत या रिप्लेसमेंट के लिए वित्तीय कवरेज प्रदान करता है। इसलिए बीमा करवाते समय यह ध्यान रखने की बातें हैं।

शून्य मूल्यह्रास कवरेज

कार के पुर्जे समय के साथ घिसाव और टूट-फूट के कारण स्वाभाविक रूप से खराब हो जाते हैं, जिससे वाहन के मूल्य में कमी आती है, जिसे मूल्यह्रास कहा जाता है। क्लेम करते समय, मानक बीमा क्षतिग्रस्त पुर्जों के मूल्यह्रास मूल्य को कवर करता है। हालांकि, शून्य मूल्यह्रास कवरेज के साथ, बीमा मूल्यह्रास को ध्यान में रखे बिना मरम्मत के लिए पूरी राशि का भुगतान करता है, यह सुनिश्चित करता है कि कार की मरम्मत की कुल लागत को कवर किया जाए।

चाबी बदलने का कवर

आधुनिक कार की चाबियां ठीक करना या बदलना जटिल और महंगा है। अगर बाढ़ के चलते आपकी कार की चाबी या लॉकसेट डैमेज हो जाता है, तो यह कवरेज लॉकसेट को बदलने या मरम्मत करने की लागत को कवर करेगा।

उपभोज्य कवर

बेस प्लान लुब्रिकेंट, गियरबॉक्स और इंजन ऑयल, नट और बोल्ट, ग्रीस इत्यादि जैसी उपभोग्य वस्तुओं को बदलने के खर्च को कवर नहीं करता है। हालांकि, इस ऐड-ऑन के साथ, आप किसी दुर्घटना या प्राकृतिक आपदा, जैसे बाढ़ के बाद होने वाले उपभोग्य खर्चों के लिए कवर किए जाते हैं।

इस सप्ताह दो बड़ी घटनाएं हुई हैं। कज़ाखिस्तान की राजधानी अस्ताना में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की खिर बैठक हुई। इसमें रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग पहुंचे, लेकिन भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नहीं पहुंचे, भारत की तरफ से विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शिरकत की। इससे यह संदेश गया है कि चीनी वर्चस्व वाले इस संगठन को भारत उतना तवज्जो नहीं दे रहा है। आतंकवाद को लेकर भारत की जो चिंता है, उस पर एससीओ कुछ स्टैंड लेता नजर नहीं आ रहा है, इसके साथ ही राष्ट्रों की संप्रभुता का सम्मान बड़ा मुद्दा रहा है, जिस पर एससीओ की मुखरता दिखती नहीं है। चीन की विस्तारवादी नीति एससीओ की सफलता में बाधक है। इस बार की एससीओ बैठक में चीन व रूस के बीच वर्चस्व को लेकर खींचातानी दिखी। ब्रिटेन में आम चुनाव हुए, जिसमें सत्ताधारी कंजर्वेटिव पार्टी को करारी शिकस्त मिली, लेंबर पार्टी को प्रचंड जीत मिली। भारतीय मूल के ऋषि सुनक के नेतृत्व में कंजर्वेटिव पार्टी चुनाव लड़ रही थी। यह पार्टी 14 वर्ष से ब्रिटेन की सत्ता में थी। कीर स्टॉर्मर के नेतृत्व में लेबर पार्टी की नई सरकार बनने जा रही है। नए पीएम स्टॉर्र के सामने ब्रिटेन की आर्थिक स्थिति को बेहतर करने की चुनौती है। एससीओ बैठक और ब्रिटेन चुनाव के नतीजे का भारत पर असर का विश्लेषण करता आजकल का यह अंक...

एससीओ में वर्चस्व को लेकर बढ़ रहा अंतर्द्वंद्व

विश्लेषण
प्रभात कुमार रॉय
विदेश मामलों के जानकार

एससीओ के सदस्य देशों में पूरी दुनिया की लगभग 40 फीसदी आबादी निवास करती है। पूरी दुनिया की जीडीपी में एससीओ देशों की भागीदारी तकरीबन 20 फीसदी है। दुनियाभर के तेल रिजर्व का 25 फीसदी हिस्सा इन्हीं देशों के पास विद्यमान है। एससीओ शिखर सम्मेलन में इजराइल-हमास जंग, अफगानिस्तान के हालात और रूस-यूक्रेन युद्ध पर विशेष तौर पर चर्चा की गई। साथ ही एससीओ के सदस्य देशों के मध्य सुरक्षा सहयोग बढ़ाने पर भी गहन विचार विमर्श किया गया। रूस के लिए विशेषकर सम्मेलन बहुत महत्वपूर्ण रहा है, क्योंकि यूक्रेन में नाटो के विरुद्ध लड़ता हुआ रूस अपने सहयोगियों के साथ और घनिष्ट रूप से जुड़ना चाहता है।

वर्ष 2024 की तीन और चार जुलाई को कजाखिस्तान की राजधानी अस्ताना में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के 24वें सालाना शिखर सम्मेलन आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं शिरकत नहीं की। सन 2017 में भारत और पाकिस्तान ने एससीओ की सदस्यता ग्रहण की थी। तब से पहला अवसर है कि जब प्रधानमंत्री एससीओ के वार्षिक शिखर सम्मेलन में स्वयं शिरकत नहीं की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्थान पर भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एससीओ के 24वें शिखर सम्मेलन में भारत की ओर से प्रतिनिधित्व किया। एससीओ शिखर सम्मेलन में नरेंद्र मोदी के उपस्थित न होने के पीछे जो कारण बताया जा रहा है, वो यह है कि एससीओ शिखर सम्मेलन के दौर में ही वर्ष 2024 के आम चुनाव के बाद भारतीय संसद का पहला अधिवेशन आयोजित हुआ। अतः इस संसदीय अधिवेशन में नरेंद्र मोदी की उपस्थिति को अति आवश्यक करार दिया गया, इसलिए प्रधानमंत्री मोदी इस सम्मेलन में अपनी उपस्थिति दर्ज नहीं करा सके। कुछ विश्लेषकों का विचार है कि मोदी ने सोचे समझे ढंग से इस सम्मेलन से अपनी दूरी बनाए रखी।

2023 में अध्यक्ष था भारत

हालांकि विगत वर्ष सन 2023 में एससीओ का अध्यक्ष भारत था और भारत में आयोजित 23वें एससीओ शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता भारत ने की थी। इन विश्लेषकों का कहना है क्योंकि यह संगठन जिसे चीन और रूस की संयुक्त कूटनीतिक पहल द्वारा स्थापित किया गया है वस्तुतः पश्चिम देशों के विरोध में सनद संगठन है। भारत एक गुटनिरपेक्ष राष्ट्र है और विश्व पटल पर अपनी विदेश नीति का शानदार संतुलन बनाए रखने के लिए नरेंद्र मोदी ने कूटनीतिक तौर पर एससीओ से अपनी स्वयं की दूरी बनाई है। अतः विदेश मंत्री को इस सम्मेलन में शिरकत के लिए भेजा गया। इन पंक्तियों का लेखक इन विश्लेषकों की बात से सहमत नहीं है कि नरेंद्र मोदी कूटनीतिक ढंग से एससीओ से अपनी दूरी स्थापित कर रहे हैं। नरेंद्र मोदी ने समस्त पश्चिम देशों और अमेरिका के कूटनीतिक दबाव का कड़ा मुकाबला करते हुए रूस के साथ भारत के ताल्लुकात को जरा भी नहीं बिगड़ने दिया है। साथ ही रूस से बहुत सस्ता तेल आयात करके भारत की अर्थव्यवस्था को क्षतिग्रस्त होने से किसी हद तक रोक लिया। एससीओ की कयादत में रूस की अग्रणी भूमिका रही है। विश्लेषकों का यह कहना कि नरेंद्र मोदी कूटनीतिक ढंग से एससीओ से अपनी दूरी कायम कर रहे हैं, वस्तुतः बुनियादी तौर पर एक गलत विश्लेषण है। एससीओ शिखर सम्मेलन में भारत को विशिष्ट स्थान प्रदान किया गया और इसमें शिरकत करने गए भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर को कजाकिस्तान के उप विदेश मंत्री अली बेग बाकायेव स्वयं हवाई अड्डे लेने पर पहुंच गए। जयशंकर ने कजाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मूरत नूरतलेऊ से विशिष्ट मुलाकात की और भारत और कजाकिस्तान के मध्य राजनीतिक, आर्थिक और रणनीतिक साझेदारी पर विस्तार से विचार विमर्श किया। भारत में आयोजित हुए विगत एससीओ शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीक्योर एससीओ का नारा बुलंद किया था। सिक्योर एससीओ की व्याख्या करते हुए नरेंद्र मोदी ने कहा था कि सामूहिक सुरक्षा, घनिष्ठ आर्थिक सहयोग, परस्पर गहन संपर्क, अटूट एकता , पर्यावरण सुरक्षा और संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता के लिए परस्पर सम्मान।

2001 में स्थापना

उल्लेखनीय है कि एससीओ की स्थापना वर्ष 2001 में चीन और रूस द्वारा संयुक्त रूप से पूर्व सोवियत यूनियन के चार मध्य एशियाई देशों किर्गिस्तान, कजाकिस्तान, ताजिकिस्तान,और उज्बेकिस्तान के साथ मिलकर की गई थी। एससीओ की स्थापना यूरेशिया क्षेत्र में राजनीतिक, आर्थिक, अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के मकसद को हासिल करने के लिए की गई थी। प्रारंभ में रूस, चीन कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान उज़्बेकिस्तान इसके सदस्य देश बने। इसके बाद सन 2017 में पाकिस्तान और भारत ने एससीओ की सदस्यता ग्रहण की। ईरान द्वारा सन 2023 में एससीओ की सदस्यता ली गई। तुर्की एससीओ का स्थाई सदस्य देश नहीं है, किंतु एक डायलॉग पार्टनर के रूप में एससीए में शिरकत करेता रहा है। इस सम्मेलन में सऊदी अरब भी डायलॉग पार्टनर के तौर पर शामिल हुआ। सन 2024 के एससीओ सम्मेलन में पर्यवेक्षक देशों के तौर पर अफगानिस्तान और मंगोलिया ने भी हिस्सा लिया। ऐतिहासिक तौर पर देखें तो एससीओ का उदय 1996 में प्रारंभ हुआ था, जबकि रूस, चीन और चार मध्य एशियाई देशों के मध्य सीमाओं को लेकर एक समझौता किया गया था। इस सीमा समझौते को शंघाई फाइव का नाम प्रदान किया गया। चीन और रूस की पहल पर इस शंघाई फाइव समझौते का विस्तार यूरेशिया क्षेत्र के मित्र देशों के मध्य सहयोग को और अधिक बढ़ाने के लिए किया गया और फिर शंघाई सहयोग संगठन निर्मित हुआ। एससीओ में सदस्य देशों के मध्य व्यापार और सुरक्षा को बढ़ावा प्रदान करने के लिए संगठन की भूमिका को शक्तिशाली बनाने की पेशकश की गई। यह ऐसा दौर था जब सोवियत संघ का पराभव हो चुका था और नकारात्मक नतीजे और अव्यवस्थाओं के प्रति पूरे विश्व में चिंता व्याप्त थी। सोवियत संघ के बिखर जाने के बाद यह सभी देश एक क्षेत्रीय व्यवस्था को बखूबी कायम करना चाहते थे।

40 फीसदी आबादी एससीओ देशों में

इस वक्त एससीओ के सदस्य देशों में पूरी दुनिया की लगभग 40 फीसदी आबादी निवास करती है। पूरी दुनिया की जीडीपी में एससीओ देशों की भागीदारी तकरीबन 20 फीसदी है। दुनियाभर के तेल रिजर्व का 25 फीसदी हिस्सा इन्हीं देशों के पास विद्यमान है। एससीओ शिखर सम्मेलन में इजराइल-हमास जंग, अफगानिस्तान के हालात और रूस-यूक्रेन युद्ध पर विशेष तौर पर चर्चा की गई। साथ ही एससीओ के सदस्य देशों के मध्य सुरक्षा सहयोग बढ़ाने पर भी गहन विचार विमर्श किया गया। रूस के लिए विशेषकर सम्मेलन बहुत महत्वपूर्ण रहा है, क्योंकि यूक्रेन में नाटो के विरुद्ध लड़ता हुआ रूस अपने सहयोगियों के साथ और घनिष्ठ रूप से जुड़ना चाहता है। विशेषकर चीन के साथ जिसके साथ उसकी अंतरविरोध से परिपूर्ण मित्रता है, क्योंकि चीन अपनी विस्तारवादी फितरत के कारण रूस के ब्लाडीवोस्टक इलाके पर तकरीबन उस तरह से अपने स्वामित्व का दावा पेश करता रहा है, जिस तरह वह भारत के अरुणाचल पर अपना दावा पेश करता है। ऐतिहासिक तौर पर जब दोनों ही देश साम्यवादी थे, तब भी उनके बीच सीमा विवाद को लेकर 1968 में भीषण युद्ध लड़ा गया था। आजकल जारी यूक्रेन बनाम रूस युद्ध के दौर में चीन काफी बड़ी मात्रा में आधुनिकतम हथियारों की आपूर्ति रूस को कर रहा है, लेकिन इसके बावजूद भी दोनों देशों में बुनियादी अंतरविरोध सीमा विवाद को लेकर आज भी पहले की तरह कायम हैं। जिस तरह से भारत और चीन के मध्य सीमा विवाद को लेकर कूटनीतिक और सैन्य वार्ताएं निरंतर जारी रहती हैं, इस तरह से रूस और चीन के मध्य भी सीमा विवाद के निपटारे के लिए कूटनीतिक वार्ताएं चलती रहती है। सुरक्षा और व्यापार सहयोग की तमाम घोषणाओं के बावजूद भी एससीओ का मंच अभी तक एससीओ के बड़े प्रमुख देशों के मध्य उत्पन्न सीमा विवादों का कोई समुचित निदान ढूंढने कामयाब नहीं हो सका है। अतः एससीओ देशों के सम्मेलनों में सामूहिक सुरक्षा स्थापित करने की की बात करना बेमानी हो चली है। एससीओ प्राय ऐलान करता है की चरम पंथ, अलगाव और अतिवाद से सामूहिक तौर पर संघर्ष करना वस्तुतः एससीओ का मकसद है। अलगाव का आज के मुद्दों में सबसे गहरा ताल्लुक भारत और चीन से है। जहांकि एक तरफ चीन के उत्तर पश्चिम क्षेत्र में शिनजियांग में और और भारत के कश्मीर में अलगाववादी हिंसक तौर पर सक्रिय हैं।

विश्व व्यवस्था को चुनौतीपूर्ण विकल्प

एससीओ के मंच से चीन और रूस मिलकर पश्चिमी देशों की अगुवाई वाली विश्व व्यवस्था को चुनौती पूर्ण विकल्प प्रदान करना चाहते हैं। चीन इसको इंटर सिविलाइजेशन डायलॉग कहकर पुकारता है चीन एशिया के मंच से अपने इस नजरिये को आगे बढ़ना चाहता है। एससीओ में वस्तुतः बड़े शक्तिशाली देश विद्यमान हैं। हालांकि रूस के खाते में अभी तक कोई बड़ी उपलब्धि नहीं है,क्योंकि वह तो अपने सदस्य देशों के मध्य जारी गहन अंतरविरोध हो और विवादों को सुलझाने में एकदम नाकाम साबित हुआ है। भारत और चीन के मध्य जो विवाद चल रहे हैं वह बाकायदा जारी है भारत और पाकिस्तान के मध्य कश्मीर को लेकर जो हिंसक संघर्ष और तल्खी बनी रही है, वह भी दूर होने का नाम नहीं ले रही है और एससीओ इसमें कुछ भी नहीं कर पा रहा है। एससीओ को को पश्चिमी मुल्कों के वैकल्पिक संगठन के तौर पर विश्व पटल पर पेश किया गया, किंतु सदस्य देशों के मध्य परस्पर विश्वास बहुत कम है। सदस्य देशों के बीच सहयोग और अपनी क्षमताओं को साझा करने और बड़ी उपलब्धियां हासिल करने के लिए जो यकीन स्थापित होना चाहिए, वह विद्यमान नहीं है। पश्चिमी देश एससीओ को लेकर ज्यादा चिंतित नहीं है। पश्चिमी देश एससीओ को विश्व राजनीति में ऐसी शक्ति के रूप तौर पर उसे नहीं देखते जिसकी उन्हें चिंता हो। इतना जरूर है कि चीन, रूस और ईरान के बीच बढ़ते हुए घनिष्ठ रिश्तों को वह लेकर पश्चिमी देश बेहद चिंतित है।

सार्थकता सिद्ध करनी होगी

एससीओ को अगर वास्तव में कारगर बनाना है और और विश्व पटल पर अपनी सार्थकता सिद्ध करनी है तो फिर इसके सदस्य देशों को आपसी अंतरविरोधों को और सीमा विवादों को शांतिपूर्ण कूटनीतिक वार्ताओं द्वारा यथाशीघ्र हल कर लेना होगा ताकि परस्पर सहयोग, सामूहिक सुरक्षा और सशक्त व्यापार के समस्त संकल्प साकार रूप से व्यवहार में परिणत हो सके अन्यथा एससीओ को एक नाकाम और नकारा संगठन करार देने में ज्यादा वक्त पश्चिम को नहीं लगेगा। इस अंतरराष्ट्रीय पुनीत कार्य की जिम्मेदारी सबसे अधिक एससीओ के संस्थापक देशों की है। इसको को यदि सफल बनाना है तो भी चीन को अपनी विस्तारवादी रणनीति का संपूर्ण परित्याग करना होगा ताकि सदस्य देशों में यह विश्वास जाग सके कि वास्तव में ही अब सदस्य देशों में परस्पर सहयोग और विश्वास उत्पन्न हो सकेगा।

ऋषि सुनक जीत कर भी हारे

दो टूक
विवेक शुक्ला
वरिष्ठ पत्रकार

ब्रिटेन के पहले हिन्दू प्रधानमंत्री और सारी दुनिया के भारतवंशियों के प्रिय ऋषि सुनक अपनी कंजरवेटिव पार्टी को ब्रिटेन की संसद (हाउस ऑफ कॉमन्स) के लिए हुए चुनाव में जीत दिलवाने में नाकाम रहे। हालांकि वे अपनी सीट जीतने में सफल रहे। ऋषि सुनक ने उस परंपरा को ही आगे बढ़ाया था जिसका 1961 में श्रीगणेश सुदूर कैरिबियाई टापू देश ग्याना में छेदी जगन ने किया था। वे तब ग्याना के प्रधानमत्री बन गए थे। उनके बाद मॉरीशस में शिवसागर रामगुलाम से लेकर अनिरुद्ध जगन्नाथ, त्रिनिदाद और टोबैगो में वासुदेव पांडे, सूरीनाम में चंद्रिका प्रसाद संतोखी, अमेरिका में कमल हैरिस वगैरह राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति या प्रधानमंत्री बनते रहे। ये सभी उन मेहनतकशों की संतानें रही हैं, जिन्हें गोरे दुनियाभर में लेकर गए थे, ताकि वे वहां खेती कर लें। सुनक के पुरखे पंजाब से करीब 80 साल पहले केन्या चले गए थे और वहां से वे ब्रिटेन जाकर बसे। बेशक, आगे भी छेदी जगन और सुनक की तरह भारतवंशी भारत के बाहर राष्ट्रपति, उप राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री बनते रहेंगे।

ये भारतीय जीते

बहरहाल, कीर स्टार्मर ब्रिटेन के अगले प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं, क्योंकि उनकी लेबर पार्टी को चुनाव में भारी जीत मिली है। प्रधानमंत्री सुनक ने उत्तरी इंग्लैंड में रिचमंड एवं नॉर्थलेरटन सीट पर 23,059 वोट के अंतर के साथ दोबारा जीत हासिल की। सुनक की पार्टी की शिवानी राजा ने लीसेस्टर ईस्ट की सीट जीत ली है। लीसेस्टर ईस्ट में लड़ाई में कई दिग्गज शामिल थे, जिनमें पूर्व सांसद क्लाउड वेबे और कीथ वाज शामिल थे जिन्होंने निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ा था। कीथ वाज भारतीय मूल के हैं। वे पहले संसद के सदस्य रहे हैं। शिवानी राजा शिक्षा की दुनिया से जुड़ी हुई हैं। वो लंबे समय से कंजरवेटिव पार्टी की एक्टिविस्ट हैं। भारत में जन्मे कनिष्का नारायण पूर्व वेल्स की सीट से जीत गए हैं। वे भी कंजरवेटिव पार्टी के उम्मीदवार थे। नारायण 12 साल की उम्र में ब्रिटेन आ गए थे। उन्होंने ऑक्सफोर्ड और फिर स्टैनफोर्ड में पढ़ाई की। भारतीय मूल की सुएला ब्रेवरमैन ने फेयरहैम और वाटरलूविल सीट जीती है। उनके पिता गोवा और मां तमिल मूल की हैं। सुनक ने पिछले साल ब्रेवरमैन को पार्टी की नीतियों के खिलाफ चलने के कारण उन्हें कंजरवटिव पार्टी से निकाल दिया था।

इनकी भी धाक

पंजाबी हिन्दू परिवार से संबंध रखने वाले गगन मोहिन्दर फिर से साउथ-वेस्ट हर्टफोर्डशायर सीट से चुनाव जीत गए हैं। निवर्तमान संसद के सदस्य नवेन्दू मिश्र लेबर पार्टी की टिकट पर स्टॉकपोर्ट सीट से कामयाब रहे हैं।

भारतीय सांसदों के बढ़ने की उम्मीद

ब्रिटेन की निवर्तमान संसद में 15 भारतीय मूल के सांसद थे और यह संख्या बढ़ने की उम्मीद है। ब्रिटेन के आम चुनाव 2024 में, कुल 107 ब्रिटिश-भारतीय उम्मीदवार 680 उपलब्ध सीटों के लिए चुनाव लड़ रहे थे। जब सारे चुनाव नतीजे आ जाएंगे तब लेबर और कंजरवेटिव दोनों दलों से कई भारतवंशी सफल उम्मीदवारों की सूची में होंगे। देखिए, यह बात माननी होगी कि भारतीयों का राजनीति करने में कोई जवाब नहीं है। ये देश से बाहर जाने पर भी सियासत के मैदान में मौका मिलते ही कूद पड़ते हैं। वहां पर अपनी उपस्थिति दर्ज करवा ही देते हैं। संसद का चुनाव कनाडा का हो, ब्रिटेन का हो या फिर किसी अन्य लोकतांत्रिक देश का, भारतीय उसमें अपना असर दिखाने से पीछे नहीं रहते। उन्हें सिर्फ वोटर बने रहना नामंजूर है। वे चुनाव लड़ते हैं। अब करीब दो दर्जन देशों में भारतवंशी संसद तक पहुंच चुके हैं। हिन्दुस्तानी सात समंदर पार मात्र कमाने-खाने के लिए ही नहीं जाते। वहां पर जाकर हिन्दुस्तानी सत्ता पर काबिज होने की भी चेष्टा करते हैं। अगर यह बात न होती तो 22 देशों की पार्लियामेंट में 182 भारतवंशी सांसद न होते।

ब्रिटेन के पहले हिन्दू प्रधानमंत्री और सारी दुनिया के भारतवंशियों के प्रिय ऋषि सुनक अपनी कंजरवेटिव पार्टी को ब्रिटेन की संसद (हाउस ऑफ कॉमन्स) के लिए हुए चुनाव में जीत दिलवाने में नाकाम रहे। हालांकि वे अपनी सीट जीतने में सफल रहे। ऋषि सुनक ने उस परंपरा को ही आगे बढ़ाया था जिसका 1961 में श्रीगणेश सुदूर कैरिबियाई टापू देश ग्याना में छेदी जगन ने किया था।

दक्षिण अफ्रीका में भी उपस्थिति

अब जरा दक्षिण अफ्रीका को लें। वहां पिछले माह मई में संसद के लिए हुए चुनाव में भी भारतीय मूल के बहुत से उम्मीदवार विभिन्न राजनीतिक दलों से अपना भाग्य आजमा रहे थे। उन्होंने संसद और प्रांतीय असेंबलियों में भी जीत दर्ज की। मेरगन शेट्टी लगातार तीसरी बार संसद के लिए चुने गए। क्वाजुलू-नाटाल प्रांतीय विधानसभा की सदस्य शारा सिंह ने राष्ट्रीय राजनीति में प्रवेश किया और संसद सदस्य बन गईं। शेट्टी संसद में डेमोक्रेटिक एलायंस (डीए) के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले भारतीय मूल के सदस्य बताए जाते है। उन्होंने पहले 2006 में पीटरमारिट्ज़बर्ग नगर परिषद का प्रतिनिधित्व किया था। शारा सिंह ने संसद में चुने जाने के बाद स्थानीय सरकार की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। डीए के संसद के लिए 87 सदस्य चुने गए हैं। इनमें से चार भारतीय मूल के हैं। इस बीच, ए. सरूपेन ने लगातार दूसरी बार संसद के चुनाव में जीत हासिल की। सरूपेन के पूर्वज उत्तर प्रदेश से थे। वे गौतेंग प्रांतीय विधानसभा के सदस्य के रूप में भी कार्य कर चुके हैं। इंकाथा फ्रीडम पार्टी के नेता नरेंद्र सिंह, अफ्रीकी नेशनल कांग्रेस (एएनसी) की फ़ासीहा हसन, अल जमा-आह के इमरान इस्माइल मूसा भी निर्वाचित हुए हैं। इनके अलावा, गोपाल रेड्डी और शुनमुगम रामसामी मूडली भी संसद पहुंचे हैं। अधिकांश चुने गए भारतीय मूल के सदस्य दक्षिण अफ्रीका में ही पैदा हुए हैं, लेकिन केरल के पथानमथिट्टा जिले के तिरुवल्ला के मूल निवासी अनिलकुमार केसवा पिल्लई ने 40 साल पहले दक्षिण अफ्रीका की स्थानीय राजनीति में खुद को स्थापित किया था। एक युवा शिक्षक के रूप में दक्षिण अफ्रीका पहुंचे पिल्लई शिक्षकों के एक ट्रेड यूनियन नेता के रूप में उभरे। उन्हें पहली बार 2019 में एएनसी के प्रतिनिधि के रूप में ईस्टर्न केप की प्रांतीय परिषद के लिए चुना गया था। पिल्लई के अलावा, डीए के सदस्य इमरान कीका, एम. नायर और रिओना गोकुल को भी क्वाज़ुलू-नाटाल की प्रांतीय विधानसभा के लिए फिर से चुना गया है।

भारत के ब्रांड एंबेसेडर

भारतवंशी निश्चित रूप से भारत के ब्रांड एंबेसेडर हैं। भारत इनकी उपलब्धियों पर नाज करता है, लेकिन कनाडा का मामला थोड़ा हटकर है। वहां पर बसे भारतीयों का एक वर्ग घनघोर रूप से भारत विरोधी के रूप में सामने आता है। वहां पर खालिस्तानी खुलकर अपना खेल खेलते हैं। कनाडा के मंत्री हरजीत सिंह सज्जन की छवि एक घोषित खालिस्तानी की रही है। कुछ साल पहले वे भारत आए थे तब पंजाब के तत्कालीन मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने उनसे मुलाकात करने तक से मना कर दिया था।। सज्जन की हरकतें उन्हें कतई सज्जन नहीं बनाती। अब कुछ महीनों के बाद अमेरिका में राष्ट्रपति पद का चुनाव है। उम्मीद है कि वहां एक बार फिर से भारतवंशी कमला हैरिस उप राष्ट्रपति निर्वाचित हो जाएंगी।

एफटीए के सिरे चढ़ने की उम्मीद

ब्रिटेन
सुनील अमर
वरिष्ठ पत्रकार

ब्रिटेन में ताजा सम्पन्न चुनाव में 14 वर्ष का वनवास झेलकर सेंटर लेफ्ट लेबर पार्टी चमत्कार करते हुए सत्ता में आ गई है। ऐसे समय में जब यूरोप में दक्षिणपंथ का प्रभाव बढ़ता जा रहा हो, और खुद ब्रिटेन में 14 वर्षों से-पश्चिमी देशों की सबसे सफल कही जाने वाली-दक्षिणपंथी कंजर्वेटिव पार्टी सत्ता में हो तो उसे ऐतिहासिक अन्तर से परास्त कर एक वामपंथी पार्टी का सत्ता में आना कौतूहल पैदा करता है। हालांकि आज की दुनिया में राजनीति महज विचारधारा और संवेदना का खेल न होकर गणित का भी खेल बन गई है तो इस लिहाज से ब्रिटेन का मामला वामपंथ का उभार कम और गणितीय हेर-फेर अधिक लगता है, क्योंकि कंजर्वेटिव और इसी से निकले नेताओं की दक्षिणपंथी पार्टी रिफार्म यूके को जो वोट प्रतिशत मिला है वह लेबर पार्टी को मिले मत प्रतिशत से ज्यादा है। बहरहाल, इसी के साथ यह सवाल सबसे ज्यादा उभर रहा है कि ब्रिटेन में वामपंथ की इतनी ताकतवर सरकार के भारत के साथ सम्बन्ध कैसे रहेंगे।

लैन्ड स्लाइड विक्ट्री

कुल 650 सदस्यों वाली ब्रिटिश संसद में लेबर पार्टी ने 412 सीटें जीत ली हैं। सत्तारुढ़ कंजर्वेटिव पार्टी को महज 121 सीटें ही मिल सकी। फौरी तौर पर देखा जाए तो इसे ॲग्रेजी में 'लैन्ड स्लाइड विक्ट्री' कहा जाता है, लेकिन मत प्रतिशत के लिहाज से लेबर पार्टी को पिछले चुनाव यानी वर्ष 2017 से भी काफी कम महज 33.8 प्रतिशत यानी एक तिहाई वोट ही मिले हैं और सत्तारूढ़ कन्जरवेटिव को सिर्फ 23.7 प्रतिशत। लेबर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर प्रधानमन्त्री बन गए हैं और उन्होंने तत्काल ही अपना मंत्रिमंडल भी बना लिया है। डेविड लैम्मी उनके विदेश मंत्री बने हैं। भारत के संबंध में लैम्मी का विदेश मंत्री बनना कुछ अलग मायने रखता है। लैम्मी काफी अरसे से भारत तथा दक्षिण एशिया के बारे में अपनी राय रखते रहे हैं जिससे उम्मीद बनती है कि उनके सुलझे विचारों का लाभ भारत से सार्थक संबंध बनाने में मिलेगा। अतीत में इस लेबर पार्टी का रवैया कश्मीर जैसे मसलों को लेकर भारत सरकार को परेशान करने वाला ही रहा है। अगस्त 2019 में जब भारत सरकार ने अनुच्छेद 370 को खत्म करने का ऐलान किया था तो तत्कालीन लेबर पार्टी प्रमुख जर्मी कोर्बिन ने लेबर पार्टी के वार्षिक सम्मेलन में एक प्रस्ताव पास कर कहा था कि भारत के कश्मीर में 'मानवीय संकट' उत्पन्न हो गया है और कश्मीरियों को आत्म निर्णय का अधिकार दिया जाना चाहिए। इस पर जब भारत सरकार ने इसका विरोध किया था तो आज के नवनिर्वाचित प्रधानमन्त्री और लेबर पार्टी के तत्कालीन नेता कीर स्टार्मर ने सफाई दी थी कि यह भारत-पाकिस्तान का आपसी मामला है।

लेबर पार्टी का संकल्प

वैसे तो अपने चुनाव घोषणापत्र में लेबर पार्टी ने मुक्त व्यापार समझौता, सुरक्षा, शिक्षा, तकनीक तथा पर्यावरण आदि को लेकर भारत से सार्थक पहल करने का संकल्प ले रखा है, लेकिन स्टार्मर या डेविड लैम्मी दोनों सबसे पहले ब्रिटिश और फिर लेबर पार्टी के नेता हैं। भारत से संबंध सुधारना इसके बाद आता है। बहुत सारे मसले ऐसे हैं जिन्हें नई दिल्ली और ब्रिटेन में समान विचारधारा की बहुमत वाली दक्षिणपंथी सरकारों के रहते हुए भी निपटाया नहीं जा सका तो अभी वामपंथ की सरकार के रहते ज्यादा उम्मीद पाल लेना सही नहीं होगा। लैम्मी चुनाव के दौरान भी सत्ता में आने पर भारत से संबंध और बेहतर करने तथा द्विपक्षीय रणनीति के तहत मुद्दों को हल करने की बात करते रहे हैं लेकिन लेबर पार्टी का एक घोषित एजेन्डा है- वैध प्रवासियों की संख्या को कम करना तथा अवैध प्रवासियों को आने से रोकना। भारत से भारी संख्या में कामगार या नौकरी के इच्छुक लोग ब्रिटेन जाते रहते हैं। ब्रिटेन में लगभग 15 लाख भारतीय और 12 लाख पाकिस्तानी रहते हैं। भारत के साथ ब्रिटेन का मुक्त व्यापार समझौता अभी हो नहीं पाया है। इसे लागू करने में भारत से जाने वाले कामगारों को वीजा देने की प्रक्रिया एक बड़ा अड़ंगा है क्योंकि लेबर पहले ही कह चुके हैं कि वे वैध अप्रवासियों की संख्या भी कम करेंगे और दूसरी तरफ ब्रिटेन के लिए सबसे ज्यादा जरूरी एफटीए यानी मुक्त व्यापार समझौता है, क्योंकि अपनी खस्ताहाल आर्थिक व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए उसे भारत जैसा विशाल बाजार चाहिए। विशेषज्ञ कहते हैं कि द्विपक्षीय इन्वेस्टमेंट संधि, द्विपक्षीय सामाजिक सुरक्षा समझौता और कार्वन बार्डर टैक्स में संशोधन आदि ऐसे मुद्दे हैं जिन पर सुनक सरकार के समय में भी प्रगति हुई है। हो सकता है कि आने वाले अक्तूबर तक भारत ब्रिटेन का मुक्त व्यापार समझौता आकार ले ले क्योंकि गरज दोनों पक्षों को है।

वैसे तो अपने चुनाव घोषणापत्र में लेबर पार्टी ने मुक्त व्यापार समझौता, सुरक्षा, शिक्षा, तकनीक तथा पर्यावरण आदि को लेकर भारत से सार्थक पहल करने का संकल्प ले रखा है, लेकिन स्टार्मर या डेविड लैम्मी दोनों सबसे पहले ब्रिटिश और फिर लेबर पार्टी के नेता हैं। लैम्मी चुनाव के दौरान भी सत्ता में आने पर भारत से संबंध और बेहतर करने की बात करते रहे हैं ।

अतिवादी समूह बड़ी समस्या

इसके अलावा दोनों देशों के बीच एक बड़ी समस्या ऐसे अतिवादी समूहों को लेकर है जो ब्रिटेन में हैं और भारत के खिलाफ अभियान चलाया करते हैं। इनमें इस्लामिक और सिख अतिवादी प्रमुख हैं। कनाडा के बाद सबसे ज्यादा सिख ब्रिटेन में ही हैं। ब्रिटेन मे इस बार भारतीय मूल के जो 28 सांसद जीते हैं उनमें कन्जरवेटिव पार्टी के 06 तथा लेबर पार्टी के 20 सांसद जीते हैं और उनमें 12 सिख है। कनाडा में कुल 18 सिख सांसद हैं। इस प्रकार स्टार्मर और डेविड लैम्मी की भारत के प्रति सदाशयता तभी तक काम करेगी जब तक उनकी पार्टी अपने इस वोट बैंक से आश्वस्त रह सकेगी। चुनाव के दौरान ही स्टार्मर ने कहा था कि वे यूरोपियन यूनियन के साथ सम्बन्ध सुधारने की शुरुआत करेंगे, लेकिन उनकी पार्टी ने अधिकृत तौर पर कह दिया था कि ऐसा कोई एजेन्डा पार्टी की टेबल पर नहीं है। बहरहाल राजनीति संभावनाओं का खेल है और उम्मीद की जानी चाहिए कि दोनों पक्षों की जरूरतों के लिहाज से समझौतों की गाड़ी आगे बढ़ेगी।

खबर संक्षेप

अस्पताल कर्मियों को न समय पर वेतन मिल रहा न पीएफ जमा हो रहा

भोपाल। राजधानी के मॉडल अस्पताल जेपी में कर्मचारियों को न समय पर वेतन मिल रहा है और न ही खाते में पीएफ की राशि जमा की जा रही है। यह शिकायत जेपी अस्पताल के कर्मचारियों ने उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल से ज्ञापन सौंपकर की है। मप्र लघु वेतन कर्मचारी संघ के प्रांताध्यक्ष महेंद्र शर्मा के नेतृत्व में जेपी अस्पताल के कर्मचारियों ने मउपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि आउटसोर्स कंपनी कर्मचारियों का वेतन लटका कर देती है, जिसके कारण श्रमिकों की आर्थिक स्थिति से जूझना पड़ता है। उपमुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि वह सीएमएचओ से मामले की जानकारी लेकर कंपनी को समय पर वेतन देने के निर्देश देंगे।

उत्कृष्ट कार्य करने वाली संस्थाओं को किया जाएगा सम्मानित

भोपाल। अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर शनिवार को नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली छह सहकारी संस्थाओं को सम्मानित भी किया जाएगा। सुबह नौ बजे समन्वय भवन में सहकारी दिवस का उद्घाटन सहकारिता एवं खेलकूद व युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रमुख सचिव सहकारिता दीपाली रस्तोगी करेंगी। कार्यक्रम में मप्र के 38 जिला सहकारी बैंकों में चयनित नए समिति प्रबंधकों को बैंकिंग, कृषि व सहकारिता के क्षेत्र में प्रशिक्षित किया जाएगा।

सुबह 8 से दोपहर एक, फिर शाम 5 से 6 बजे तक खुलेगी ओपीडी

भोपाल। गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री विजय शाह के आदेश पर गैस राहत एवं पुनर्वास संचालनालय के अधीन गैस राहत अस्पतालों एवं औषधालयों में बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) खुली रहने का समय तय कर दिया गया है। अब सभी गैस राहत अस्पतालों में सुबह 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक एवं शाम 5 बजे से 6 बजे तक ओपीडी खुली रहेगी। इसी तरह गैस राहत के सभी औषधालयों में अब सुबह 9 बजे से दोपहर 4 बजे तक ओपीडी खुली रहेगी।

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के आवेदन 15 तक किए जा सकते हैं जमा

भोपाल। राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2024 के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। लोक शिक्षण संचालनालय ने इस संबंध में प्रदेशभर के कलेक्टर, जिला शिक्षा अधिकारी, संयुक्त संचालक, लोक शिक्षण सहित अन्य अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जिसके अनुसार, शिक्षकों से 15 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन लिया जाएगा। शिक्षकों को स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, भारत सरकार की वेबसाइट पर आवेदन होगा। न्यूनतम 10 साल का सेवाकाल नियमित शिक्षक के रूप में पूर्ण करने वाले शिक्षक ही नामांकन के लिए पात्र होंगे। सेवानिवृत्त शिक्षक, शैक्षिक प्रशासक, शैक्षिक निरीक्षक और प्रशिक्षण संस्थाओं में कार्यरत अमला इस नामांकन के लिए पात्र नहीं होगा।

अब रिश्तों की तलाश होगी आसानी से पूरी

भोपाल। वैरिफाइड फोटोग्राफ्स, हर सप्ताह नई प्रोफाइल'संगम' एक विशिष्ट प्लेटफॉर्म है। विशिष्ट समुदायों को जोड़ने इस नई सर्विस का लक्ष्य सदस्यों को उनके सच्चे जीवनसाथी से मिलाते हुए, उच्च गुणवत्ता वाला, सुरक्षित और सफल वैवाहिक अनुभव प्रदान करना है, जिसे इच्छुक युवा पसंद करेंगे। इस सर्विस में 100% वैरिफाइड प्रोफाइल्स, वैरिफाइड फोटोग्राफ्स के साथ नई प्रोफाइल्स और दुनिया भर में रहने वाले भारत के विविध समुदायों की अनूठी प्राथमिकताओं को पूरा करेगा और साथ ही सांस्कृतिक संदर्भ में परिणय के उनके मधुर संबंधों को बढ़ावा देने का काम करेगा।

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री विजयवर्गीय के निवास पर हुआ भुट्टा महोत्सव का आयोजन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लिया भुट्टा एवं भुट्टे से बने व्यंजनों का स्वाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को भुट्टा महोत्सव का शुभारंभ किया। महोत्सव का आयोजन नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के भोपाल स्थित निवास पर किया गया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भुट्टा एवं भुट्टे से बने व्यंजनों का स्वाद भी लिया। इस अवसर पर सांसद और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग, महापौर मालती राय, हितानंद शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

भुट्टा महोत्सव में कलाकारों के दल ने संगीतमयी प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का आयोजन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भावना के अनुरूप 'एक पेड़ मां के नाम' के अंतर्गत हुआ। कार्यक्रम में अपने मध्यप्रदेश के लिए आओ मिलकर पेड़ लगाएं, हरा-भरा मध्यप्रदेश बनाए का संदेश भी दिया गया।

सीएम डॉ. मोहन ने भुट्टा महोत्सव का किया शुभारंभ

विस्तारित प्रदेश कार्यसमिति बैठक कल

भाजपा की ऐतिहासिक जीत और मध्यप्रदेश की राजनीतिक परिस्थितियों पर आएंगे प्रस्ताव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भाजपा के प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी ने बताया कि 7 जुलाई को सुबह 11 बजे से पार्टी की विस्तारित प्रदेश कार्यसमिति बैठक आहूत की गई है। विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने शानदार सफलता हासिल करते हुए 163 सीटें जीतकर सरकार बनाई है।

लोकसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए सभी 29 सीटें जीती हैं। केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व तीसरी बार एनडीए की सरकार बनी है। दोनों ही चुनावों में भाजपा को प्रदेश की जनता का भरपूर आशीर्वाद मिला है और कार्यकर्ताओं की मेहनत रंग लाई है। प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में इस प्रचंड विजय के लिए प्रदेश की जनता एवं पार्टी कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देंगे। सबनानी ने बताया कि बैठक में प्रदेश के सभी 6 केंद्रीय मंत्रियों एवं नव निर्वाचित सांसदों का सम्मान किया जाएगा। इस बैठक में देश में तीसरी बार एनडीए की सरकार बनने तथा मप्र की राजनीतिक परिस्थितियों पर प्रस्ताव पारित किए जाएंगे। लोकसभा चुनाव के दौरान जिस तरह से संगठन के स्तर पर काम किया गया, उसका विश्लेषण प्रस्तुत किया जाएगा। केंद्र एवं मप्र सरकार तथा पार्टी संगठन के कार्यों पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा पार्टी के आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा भी की जाएगी। सबनानी ने बताया कि कार्यसमिति बैठक में मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव के प्रभारी तथा केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। अध्यक्षता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा करेंगे। उनके अलावा पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंह एवं प्रदेश सह प्रभारी सतीश उपाध्याय उपस्थित रहेंगे।

पहली बार शामिल होंगे मंडल अध्यक्ष

सबनानी ने बताया कि प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में पहली बार प्रदेश के 1099 मंडलों के अध्यक्ष शामिल होंगे। उनके अलावा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, लोकसभा एवं राज्यसभा के सांसद, समस्त विधायक, पार्टी के महापौर, सभी जिलों के अध्यक्ष, जिला प्रभारी, जिला महामंत्री, मोर्चा प्रदेश पदाधिकारी, प्रकोष्ठों के संयोजक, विभाग संयोजक, जिला पंचायत अध्यक्ष, मीडिया प्रभारी, सह प्रभारी एवं प्रवक्ता, प्रदेश आईटी व सोशल मीडिया संयोजक, सह संयोजक बैठक में भाग लेंगे। सबनानी ने बताया कि भाजपा में नवाचार की परंपरा रही है। इसी के अनुरूप प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में भी अधिकांश कामकाज डिजिटल तकनीक पर आधारित होगा। बैठक के लिए प्रतिभागियों का पंजीयन डिजिटली होगा। बैठक में जो प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किए जाएंगे, पीपीटी प्रस्तुतियां होंगी, वो भी डिजिटल ही होंगे।

अमरवाड़ा विधानसभा उपचुनाव के लिए छिंदी एवं सुरला खापा में की जनसभा

डॉ. मोहन बोले- जामसांवली में बनेगा हनुमान लोक, हवाई सेवा होगी शुरू

- छिंदी की जनता की मांग पर अब बनेगी उप तहसील और कॉलेज
- आदिवासियों का भाजपा ने किया सम्मान, कांग्रेस ने किया अपमान

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ छिंदवाड़ा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने छिंदवाड़ा जिले के अमरवाड़ा विधानसभा उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी कमलेश शाह के समर्थन में छिंदी एवं सुरला खापा में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि यहां के एक बड़े नेता ने बड़ा हनुमान जी का मंदिर बनवाया, लेकिन जामसांवली हनुमान मंदिर में एक ईंट तक नहीं लगाई।

उन्होंने घोषणा की कि सरकार जामसांवली में हनुमान लोक बनाएगी और यहां से नागपुर की हवाई सेवा भी शुरू की जाएगी, ताकि लोगों को परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि छिंदवाड़ा को विकास का ग्रहण लगा था, उसे अब जनता ने हटा दिया है। यहां अब विकास ही विकास होगा। छिंदवाड़ा मेडिकल कॉलेज को बजट में 2 करोड़. रुपए की राशि रखी गई है, वहीं अमरवाड़ा में विकास कार्यों के लिए अलग से राशि रखी गई है। यहां कॉलेज भी होगा और जनता की मांग पर उप तहसील भी खोली जाएगी।

सीएम ने पूर्व सरपंच धुर्वे के निवास पहुंच कर किया भोजन

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि छिंदवाड़ा में सिर्फ एक ही परिवार का विकास हुआ है, बाकियों का नहीं। उन्होंने कहा कि यहां केवल एक ही परिवार हेलीकॉप्टर में घूमता था, लेकिन अब आयुष्मान योजना के तहत कोई बुजुर्ग बीमार होगा और उसे इलाज के लिए आवश्यकता होगी तो उसे दूसरी जगहों पर हेलीकॉप्टर से लेकर जाया जाएगा। जनसभाओं को प्रदेश शासन की मंत्री संपतिया उईके, सांसद विवेक बंटी साहू, पार्टी प्रत्याशी कमलेश शाह ने भी संबोधित किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सुरला खापा में पूर्व सरपंच अखिलेश धुर्वे के निवास पहुंचकर भोजन किया।

कांग्रेसियों ने ली पार्टी की सदस्यता

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि किसानों को फसलों के लिए पानी मिले, इसके लिए भी सिंचाई के लिए उचित कदम उठाए गए हैं। बच्चों को आगे बढ़ाने के लिए सरकार पढ़ाई के लिए पैसे भी देगी और कोचिंग भी कराई जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के समक्ष अमरवाड़ा विधानसभा के सुरलाखापा के बाराहीरा में 200 से अधिक कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भारतीय जनता पार्टी की रीति-नीति और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विकासोन्मुखी कार्यों से प्रभावित होकर पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

कोदो-कुटकी खरीदेंगे, चिरोंजी का कारखाना लगेगा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आने वाले समय में कोदो-कुटकी को प्रदेश सरकार 4290 रुपए प्रति क्विंटल के दाम से खरीदेगी। चिरोंजी का कारखाना लगाया जाएगा और दूध पर बोनस दिया जाएगा। जड़ी-बूटियों को उचित दाम मिले, इसके लिए सरकार की तरफ से प्रयास किए जाएंगे। वन क्षेत्र में जिन्हें पट्टे नहीं मिले हैं, उन्हें सरकार आने वाले समय में पट्टे देगी। डॉ. यादव ने कहा कि आदिवासी क्षेत्रों को विकसित करने के लिए कोई कमी नहीं रखी जाएगी।

सीएम आज करेंगे डॉ. मुखर्जी विकास भवन सभागृह का लोकार्पण

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विकास भवन सभागृह का लोकार्पण मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में 6 जुलाई को सुबह 9.30 बजे किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल करेंगे। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग राज्यमंत्री राधा सिंह मौजूद रहेंगी। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की ओर से अरेरा हिल्स पर निर्मित विकास भवन अन्तर्गत सभागृह का निर्माण किया गया है। सभागृह का नामकरण डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम पर "डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सभागृह" में नियत किया गया है। सभागृह में लगभग 450 व्यक्तियों की बैठक व्यवस्था है। यह सभागृह पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के महत्वपूर्ण आयोजनों व समीक्षा बैठकों के लिए अत्यंत उपयोगी होगा।

शिक्षक ने आदिवासी छात्रा को बंधक बनाकर किया रेप, पत्नी सहित आरोपी गिरफ्तार

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। छग के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में आदिवासी छात्रा से शिक्षक ने बंधक बनाकर रेप की वारदात को अंजाम दिया है। इसके बाद छात्रा गर्भवती हो गई है। शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया था। अब उसकी पत्नी संगीता सोनी को भी पकड़ा गया है।

आरोपी की पत्नी वकील है, उस पर पति का साथ देने का आरोप है। पूरा मामला गौरेला थाना क्षेत्र का है। दरअसल, सहायक शिक्षक महेंद्र कुमार सोनी के खिलाफ नाबालिग छात्रा ने शिकायत दर्ज कराई थी। महेन्द्र सोनी ने उसे पांचवीं कक्षा तक पढ़ाया था, इसलिए वह उसे जानती थी। जब वह 12 साल की थी, तब महेन्द्र कुमार सोनी उसे अपनी बातों में फंसा कर अपने घर ले गया। जहां उसे धमकी देकर दुष्कर्म किया।

मप्र को मिला घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सर्वश्रेष्ठ राज्य का पुरस्कार

भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य को घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सर्वश्रेष्ठ राज्य पुरस्कार प्राप्त हुआ है। प्रदेश को मेलों और त्यौहारों को बढ़ावा देने के लिए भी सर्वश्रेष्ठ राज्य से पुरस्कृत किया गया है। दिल्ली में ये पुरस्कार आईटीसीटीए संस्था ने अंतरराष्ट्रीय पर्यटन एक्सपो-कॉन्क्लेव और यात्रा पुरस्कार के 9वें संस्करण में प्रदान किए। पुरस्कार अतिरिक्त प्रबंध संचालक, मप्र पर्यटन बोर्ड सुश्री बिदिशा मुखर्जी तथा मुख्य महाप्रबंधक, मप्र पर्यटन विकास निगम लिमिटेड अमन मिश्रा ने ग्रहण किए।

मौका पाकर बाल संप्रेषण गृह से फरार हुई तीन नाबालिग

तीनों पर अलग-अलग आपराधिक मामले में दर्ज

राजनांदगांव। राजनांदगांव शहर के बसंतपुर थाना क्षेत्र के निलगिरी पार्क स्थित बालिका संप्रेषण गृह में निरुद्ध तीन बालिकाएं जिनके ऊपर आपराधिक मामले दर्ज हैं। बालिका संप्रेषण गृह से भाग गई है तीनों नाबालिक बालिकाओं में दो के ऊपर धारा 302 का मामला दर्ज है। वहीं एक अन्य बालिका पर 294,323 और अन्य धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध है। भागी बालिकाओं की तलाश पुलिस कर रही है। बसंतपुर थाना क्षेत्र के निलगिरी पार्क स्थित बालिका संप्रेषण गृह में निरुद तीन बालिकाएं जिनके ऊपर आपराधिक मामले दर्ज हैं। बालिका संप्रेषण गृह से भाग गई है तीनों नाबालिक बालिकाओं में दो के ऊपर धारा 302 का मामला दर्ज है, वही एक अन्य बालिका पर 294,323 और अन्य धाराओं के तहत मामला पंजीबद्ध है तीनों नाबालिक की तलाश पुलिस द्वारा की जा रही है।

बारिश बाद शुरू होगी शिफ्टिंग, निगम करेगा सर्वे

तालाब किनारे कब्जा कर रहने वाले परिवार को मिलेगा हाउसिंग फॉर ऑल का मकान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शहर के बड़े तालाब के आसपास कब्जा कर झुग्गी बनाकर रहने वाले परिवारों को हाउसिंग फॉर ऑल के तहत मकान दिए जाएंगे। इसके लिए नगर निगम खानूगांव, बेहटा, बोरबन, भदभदा के आसपास क्षेत्र में सर्वे करेगा। जिसके आधार पर इन परिवारों को बारिश बाद शिफ्ट किया जाएगा। बड़े तालाब के फुल टैक लेबल के आसपास करीब तीन सौ परिवारों ने झुग्गियां बनाकर कब्जा कर लिया है।

तालाब में पानी बढ़ने के बाद इन परिवारों को खतरा बढ़ जाता है। जिसको लेकर अब इन परिवारों को तालाब किनारे से हटाया जाएगा। इधर, तालाब किनारे लगातार हो रहे कब्जों को लेकर निगरानी भी बढ़ाने की तैयारी निगम ने की है।

बड़ा तालाब कैचमेंट में कब्जे

बड़े तालाब के कैचमेंट में अवैध रूप से किए गए निर्माण प्रशासन के निशाने पर हैं। इनकी सूची भी नये सिरे से तैयार की जा रही है। बताया जा रहा है कि इन्हें पूर्व में नोटिस जारी किए गए थे, लेकिन संतोषजनक जवाब नहीं मिला है। पूर्व में जिला प्रशासन और नगर निगम की जांच में खानूगांव में करीब 46 पक्के अतिक्रमण मिले थे। यह सभी अतिक्रमण तालाब के डूब क्षेत्र में किए गए हैं। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह का कहना है कि तालाब किनारे झुग्गियां बनाने वालों को हाउसिंग फॉर ऑल में मकान दिए जाएंगे।

2 साल से लेकर 7 साल तक की सजा का प्रावधान

बोरवेल मामले में सबकी जिम्मेदारी तयः मंत्री विजयवर्गीय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

कांग्रेस विधायक कैलाश कुशवाह ने शुक्रवार को विधानसभा में खुले बोलवेल में बच्चों की दुर्घटनाओं का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि इसके संबंध में बने कानून में सख्ती से पालन होना चाहिए। लापरवाही बरतने वालों को सजा मिले। कई लोगों द्वारा टयूबबेल पर कब्जा कर लिया जाता है।

इसके बाद नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजवर्गीय ने कहा कि इन घटनाओं के कैसे प्रतिबंधित कर सकते है, देखा जा रहा है। अब इसके संबंध में देखा जाएगा कि जमीन किसकी है।

25 हजार रुपए तक का जुर्माना भी लगेगा

मंत्री ने कहा कि यदि कोई सरकारी विभाग कवर नहीं कर रहा तो अधिकारी-कर्मचारी जिम्मेदार होगे। प्राइवेट लोग होंगे तो उनकी जिम्मेदारी तय होगी। यह कानून सबकी रिस्पांसबिल्टी फिक्स करता है। विदित हो कि इससे संबंधित बिल गुरूवार को विधानसभा में पेश किया गया था। इसमें 25 हजार रुपए तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। वहीं 2 साल से लेकर 7 साल तक की सजा है। इसके अलावा हरदा से कांग्रेस विधायक राम किशोर दोगने ने एमडी ड्रग्स का मुद्दा सदन में उठाया। उन्होने कहा कि इसमें कई परिवार बर्बाद हो रहे है इसको पूरी तरह प्रतिबंधित होना चाहिए। साथ ही उन्होने यह भी कहा कि उनकी विधानसभा में अवैध रूप से घर घर शराब बिक रही है।

मैहर अस्पताल में वाहन सुविधा ही नहीं

मध्यप्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र का शुक्रवार को पांचवां दिन की शुरुआत ही हंगामे से हुई है। मैहर से भजपा विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी ने बताया कि मैहर जिला तो बन गया है, पर वहां के अस्पताल में वाहन सुविधा तक नहीं है। वाहन नहीं होने के कारण मरीजों को काफर दिक्कतों को सामना करना पड़ रहा है। श्रीकांत ने कहा कि पशु चिकित्सालय भी काम नहीं कर रहे। कलेक्टर से शिकायत करने के बाद भी स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार नहीं हो पा रहा है।

नाराज ग्रामीणों ने आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर किया चक्काजाम

रायपुर के तिल्दा में ट्रक ने 20 से अधिक मवेशियों को रौंदा, 15 गायों की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

रायपुर जिले के तिल्दा में ट्रक ने 20 से ज्यादा मवेशियों को टक्कर मार दी। ट्रक की चपेट में आने से 15 गौवंश की मौत हो गई। मामला तिल्दा से लगे ग्राम पंचायत किरना का है। बताया जा रहा है कि शुक्रवार की 12 बजे से 1 बजे के बीच अज्ञात ट्रक 20 से ज्यादा मवेशियों को टक्कर मारकर फरार हो गया। 15 गौवंश की मौके पर मौत हो गई, वहीं घायल गौवंश को इलाज के लिए पशु अस्पताल ले जाया गया है।

आरोपी की गिरफ्तारी की मांग

ग्रामीणों ने देखा कि गौ वंश के शव सड़क पर पड़े हुए थे। उन्होंने विरोध करते हुए चक्का जाम कर दिया। विरोध प्रदर्शन से किरना से टंडवा तक लंबा जाम लग गया। ग्रामीणों ने स्पीड ब्रेकर बनाने और आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की।

'तौबा तौबा' में विक्की के डांस मूव्स के कायल हुए ऋतिक

मुंबई। 'बैड न्यूज' का पहला गाना 'तौबा तौबा' रिलीज होने के बाद से ही ट्रेंड कर रहा है और इसकी तारीफ भी हो रही है। हाल ही में, विक्की कौशल के कातिलाना मूव्स ने अभिनेता ऋतिक रोशन का ध्यान अपनी ओर खींचा। 'तौबा तौबा' नाम का यह गाना हाल ही में, रिलीज किया गया। 'तौबा तौबा' शीर्षक वाले इस पार्टी नंबर के वीडियो में गायक करण औजला के अलावा फिल्म की मुख्य जोड़ी, विक्की कौशल और तृप्ति डिमरी शामिल हैं। अब इस गाने के लिए ऋतिक रोशन ने विक्की कौशल के डांस की तारीफ की है, जिसपर अभिनेता ने प्रतिक्रिया दी है। गाना रिलीज होने के बाद, विक्की ने बुधवार को गाने का एक छोटा सा क्लिप शेयर किया है।

लाइफ Style

आलिया

'अल्फा' की शूटिंग शुरू

आलिया भट्ट, यशराज फिल्म्स (वाईआरएफ) के स्पाई यूनिवर्स पर आधारित अपनी आगामी फिल्म को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में खबर आई थी कि वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स में आलिया भट्ट जबरदस्त एक्शन करती नजर आएंगी।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आलिया और शारवरी वाघ ने बहुप्रतीक्षित फिल्म के लिए अपनी तैयारी शुरू की थी। वहीं सोशल मीडिया पर फिल्म की शूटिंग को लेकर भी कई तरह की जानकारियां सामने आई थीं। फिल्म के नाम का खुलासा खुद आलिया भट्ट ने अभिनेत्री शरवरी वाघ के साथ मिलकर इंस्टाग्राम पर किया। आलिया भट्ट ने आखिरकार घोषणा कर दी है कि उनकी आने वाली स्पाई यूनिवर्स फिल्म का नाम 'अल्फा' है। बहुप्रतीक्षित फिल्म की शूटिंग आखिरकार शुरू हो गई है। उन्होंने सेट से शूटिंग का पहला वीडियो भी साझा किया।साझा किए गए वीडियो में 'अल्फा' लिखा हुआ था और आलिया की आवाज में कहा गया था, 'ग्रीक वर्णमाला का सबसे पहला अक्षर और हमारे कार्यक्रम का आदर्श वाक्य। सबसे पहले, सबसे तेज, सबसे वीर।

ध्यान से देखो तो हर शहर में एक जंगल है और हर जंगल में राज करेगा एक अल्फा।' आलिया भट्ट के घोषणा वीडियो ने नेटिजन्स को फिल्म के लिए काफी उत्साहित कर दिया है। पोस्ट शेयर होने के तुरंत बाद प्रशंसक कमेंट सेक्शन में अपने उत्साह के बारे में बताने लगे। दर्शकों ने कहा कि अब वे फिल्म की रिलीज का इंतजार नहीं कर सकते।

हॉलीवुड मसाला

भारतीय क्रिकेट टीम के हैं प्रशंसक

लॉस एंजिलिस। हॉलीवुड स्टार ह्यू जैकमैन ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान भारतीय क्रिकेट टीम की प्रशंसा की। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि उनका सबसे ज्यादा पसंदीदा भारतीय क्रिकेटर रोहित शर्मा है। उनके साथ इंटरव्यू में मौजूद उनके सह-कलाकार और मित्र रयान रेनॉल्ड्स को भी आश्चर्यचकित कर दिया। ह्यू ने फिर कहा, 'तुमने कप ले लिया।' हॉलीवुड अभिनेता ह्यू जैकमैन प्रशंसकों के बीच बेहद प्रसिद्ध हैं। हॉलीवुड अभिनेता ह्यू जैकमैन इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'डेडपूल एंड वूल्वरिन' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं।

अंबानी की शादी का सबसे महंगा स्टार

मुंबई। हॉलीवुड के फेमस सिंगर जस्टिन बीबर अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी में परफॉर्म करने के लिए भारत पहुंचे। उनकी फीस अब तक की सबसे ज्यादा बताई जा रही है। देश में उनके कॉन्सर्ट में हमेशा जबरदस्त भीड़ देखी गई है, फैंस अपने पसंदीदा स्टार की एक झलक पाने के लिए घंटों इंतजार करते हैं। जस्टिन बीबर की लाइफस्टाइल उतनी ही भव्य है जितनी उनकी नेटवर्थ है। पूरे अमेरिका में उनके पास कई शानदार संपत्तियां हैं। सेंसेशनल पॉप सिंगर जस्टिन बीबर एक बार फिर दुनिया भर में सुर्खियां बटोर रहे हैं। अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के भव्य संगीत में परफॉर्म करने के 83 करोड़ रुपए लेने की बात सामने आई है। सेलिब्रिटी मानकों के हिसाब से भी यह एक बहुत बड़ी रकम है, जो जस्टिन बीबर के फेम को दिखाती है।

बिकास की फिल्म को मिला हुमा का साथ

मुंबई। अपनी पहली ही फिल्म 'चौरंगा' से समीक्षकों और दर्शकों की नजरों में छाए लेखक-निर्देशक बिकास मिश्रा की मेहनत रंग ला रही है। उनकी अगली फिल्म 'बयान' को अमेरिका में लॉस एंजेलिस की एक कंपनी का साथ मिल गया है। फिल्म के लिए हुमा कुरैशी पहले ही हां कर चुकी हैं। उनके अलावा फिल्म में दो दिग्गज कलाकार और होंगे। जानकारी के मुताबिक बिकास मिश्रा की अगली फिल्म 'बयान' नाम से बनने जा रही है। इस फिल्म को लेकर बिकास काफी दिनों से मेहनत करते रहे हैं और अब तक जिन लोगों ने भी फिल्म की कहानी सुनी है, सबने इसे एक बेहतरीन पटकथा बताया है। बिकास की इस कहानी को फिल्म निर्माता शिलादित्य बोरा का साथ मिला है। इस फिल्म को विकसित करने में हॉलीवुड की फिल्म इंडिपेंटेड का खासा साथ रहा है।

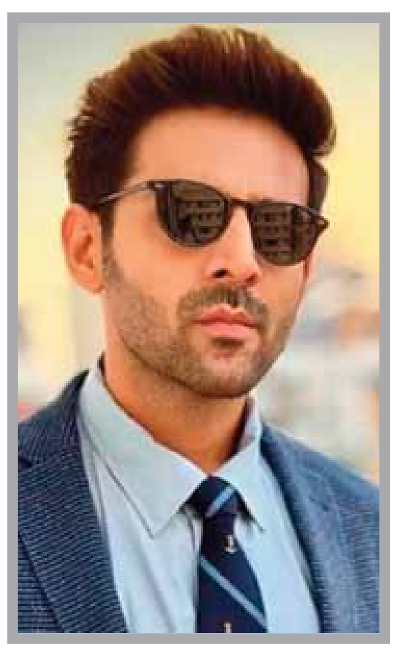

'चंदू चैंपियन' के सेट पर बाल-बाल बचे थे

नई दिल्ली। कार्तिक आर्यन को हाल ही रिलीज हुई कबीर खान निर्देशित फिल्म 'चंदू चैंपियन' में देखा गया। अभिनेता ने भारत के पहले पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता मुरलीकांत पेटकर की भूमिका को शानदार तरीके से निभाया। इस किरदार को निभाने के लिए कार्तिक ने 18 किलो वजन कम किया और अपने शरीर में जबरदस्त परिवर्तन लेकर आएं। हाल ही में कार्तिक आर्यन ने 'चंदू चैंपियन'के सेट पर हुई एक घटना को जिक्र किया, जिसमें उनकी आंखों में चोट लग सकती थी। एक साक्षात्कार में कार्तिक आर्यन ने शूटिंग के दौरान के एक किस्से को याद किया जब वह एक युद्ध के दृश्य का रिहर्सल कर रहे थे। कार्तिक ने साझा किया कि उन्हें सेट पर एक विस्फोट का अनुभव हुआ जिससे वह डर गए थे। वह धमाका ठीक उनकी दाहिनी आंख के पास हो गया था।

टीवी मसाला

'बिग बॉस' में ही नहीं, इन सीरियल्स में भी देखने को मिला दो पत्नियों का ड्रामा

नई दिल्ली। अनिल कपूर के विवादित रियलिटी शो 'बिग बॉस ओटीटी 3' के कंटेस्टेंट और यूट्यूबर अरमान मलिक लोगों के बीच अपनी दो शादी के कारण जबरदस्त लाइमलाइट में बने हुए हैं। जब से उन्होंने अपनी दोनों बीवियों पायल और कृतिका के साथ इस शो में एंट्री की है, तबसे ही उन्हें खूब ट्रोल किया जा रहा है। फिल्म इंडस्ट्री में अरमान मलिक की रियल लाइफ जैसी कई मूवी बन चुकी है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ टीआरपी में हमेशा टॉप 5 में रहने वाले इन टीवी सीरियल में भी दो पत्नियों का ड्रामा देखने को मिला है और कुछ में अभी भी ये ड्रामा देखने को मिल रहा है। असल जिंदगी ही नहीं, एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की दुनिया यानी टीवी जगत में भी इस तरह की हैरान कर देने वाली कहानियां दिखाई गई हैं। किसी सीरियल में लीड एक्टर को दो शादी कर पछताते देखा गया तो वहीं कुछ मजबूरी में दो पत्नियों के साथ रहता है।

'गुम है किसी के प्यार में' : निर्माता राजेश राम सिंह के इस टीवी सीरियल के दोनों सीजन में दो पत्नियों का ड्रामा देखने को मिल चुका है। 'गुम है किसी के प्यार में' के पहले सीजन में आपको विराट, सई और पाखी के बीच नाटक देखने को मिलता है। वहीं दूसरे सीजन में ईशान को सवी और सीवा के साथ रोमांस करते हुए देखा जाता है।

ये रिश्ता क्या कहलाता है : राजन शाही के मोस्ट पॉपुलर सीरियल में से एक और टीआरपी लिस्ट में हमेशा टॉप 5 में रहने वाले 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में दूसरे, तीसरे और चौथे सीजन में दो पत्नियों वाला जबरदस्त ड्रामा देखने को मिला है। 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' के दूसरे में कार्तिक की दो पत्नीयां नायरा और टीना होती हैं। तीसरे में अभिमन्यु की भी दो पत्नीयां अक्षरा और आरोही होती है। वहीं चौथे सीजन में अरमान को अभिरा और रूही के साथ देखा जा रहा है।

इमली : इस सीरियल में आदित्य की एक्स पत्नी इमली (सोमबुल तौकीर खान) होती है जिसे वह तलाक नहीं देता है। वहीं उसकी दूसरी पत्नी मालिनी (मयूरी देशमुख) उसके साथ सौतन के घर में रहती है। हैरान करने वाली बात ये थी कि दूसरी पत्नी को पता नहीं था कि उसका पति पहले से शादीशुदा है। सीरियल 'इमली' के पहले सीजन में दो पत्नीयों वाला शानदार नाटक दिखाया जा चुका है।

राम पोथिनेनी-संजय दत्त की 'डबल इस्मार्ट' की शूटिंग पूरी

मुंबई। साउथ अभिनेता राम पोथिनेनी और संजय दत्त की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'डबल इस्मार्ट' इस साल सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म की शूटिंग से जुड़ी कुछ जानकारियां देने के साथ निर्माताओं ने फिल्म के ट्रेलर को लेकर भी बड़ा अपडेट दिया था। वहीं, अभिनेता राम पोथिनेनी के जन्मदिन पर फैंस को बड़ा तोहफा मिला था, क्योंकि निर्माताओं ने फिल्म का टीजर जारी किया था। फिल्म की शूटिंग पर भी निर्माता समय-समय पर दर्शकों को अपडेट दे रहे हैं। वहीं आज भी उन्होंने दिलचस्प जानकारी साझा की। हाल ही में फिल्म का गाना रिलीज किया गया था, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। वहीं अब निर्माता ने शूटिंग के बारे में बड़ा अपडेट साझा किया है। पहला सिंगल रिलीज करने के बाद निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर घोषणा की कि फिल्म की पूरी शूटिंग समाप्त हो गई है।

इसके साथ ही फिल्म का एक आकर्षक पोस्टर भी जारी किया। फिल्म की शूटिंग अब पूरी हो चुकी है। अब फिल्म का पोस्ट प्रोडक्शन शुरू होगा। इससे पहले फिल्म का दमदार टीजर जारी किया गया था। टीजर वीडियो में राम पोथिनेनी और संजय दत्त की दमदार झलक देखने को मिली थी। शंकर के अवतार में दिखे राम पोथिनेनी के कुछ फाइट सीक्वेंस भी थे।

साई पल्लवी ने अवॉर्ड मिलने पर बरसो रे मेघा गाने पर किया डांस

नई दिल्ली। वायरल वीडियो में रणबीर कपूर स्टारर नितेश तिवारी की रामायण एक्ट्रेस साई पल्लवी ने अवॉर्ड जीतने के बाद ऐश्वर्या राय बच्चन के बरसो रे मेघा गाने पर स्टेज पर डांस करती नजर आ रही हैं। वायरल वीडियो में साई स्टेज पर बरसो से मेघा गाने पर डांस करती नजर आ रही हैं। उन्हें स्पेशल ज्यूरी अवॉर्ड मिला है। जिसके बाद वो स्टेज पर आती हैं और वो डांस करना शुरू करती हैं। साई महरुन कलर की साड़ी पहनकर डांस करती नजर आ रही हैं। उनके मूव्स देखकर फैंस हूटिंग करना शुरू कर देते हैं। वो उनको इस तरह से डांस करता देख दीवाने हो रहे हैं। वहीं सोशल मीडिया पर भी फैंस डांस देखने के बाद तारीफ करते नहीं रुक रहे हैं। रणबीर कपूर स्टारर और नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित रामायण में सीता के रोल में नजर आने वाली एक्ट्रेस साई पल्लवी साउथ की सुपरस्टार हैं। उन्हें शानदार एक्टिंग के साथ सादगी के लिए जानी जाती हैं। फिल्में हो या रियल लाइफ हर जगह उनका सिंपल सादगी से भरा रूप फैंस को देखने को मिलता है।

'एनकेआर 22' में देखने को मिलेगी महापुरुष की गाथा

मुंबई। नंदमुरी कल्याण राम ने 5 जुलाई को अपना जन्मदिन मनाया। इस खास मौके पर उनकी नई फिल्म का ऐलान कर दिया गया है। 'एनकेआर 22' नंदमुरी की अगली फिल्म होगी। फिलहाल यह फिल्म का अस्थाई नाम है। 'एनकेआर 22' का ऐलान एक पोस्टर के जरिए किया गया है। फिल्म का निर्माण एनटीआर आर्ट्र्स द्वारा किया जा रहा है। निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर पोस्टर जारी करते हुए कैप्शन में लिखा, 'बिम्बिसार से पहले त्रिगर्थला पर शासन करने वाले एक महापुरुष की महिमा को देखने के लिए तैयार हो जाइए।' 'एनकेआर 22' नंदमुरी कल्याण राम अभिनीत 'बिम्बिसार' का ही दूसरा भाग है। फिल्म के पहले भाग को दर्शकों ने खूब पसंद किया था और यह फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। यही वजह है कि अब 'एनकेआर 22' को लेकर कल्याण राम के फैंस का उत्साह चरम पर पहुंच गया है।

कई कलाओं में उस्ताद हैं ये अभिनेता

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय सिनेमा में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। हर साल भारतीय सिनेमा में हजार से भी ज्यादा फिल्में बनती हैं। इन फिल्मों में लाखों लोग काम करते हैं। इन में से कुछ कलाकार ऐसे भी होते हैं, जिनमें कई सारी प्रतिभाएं होती है। कई ऐसे कलाकार हैं, जिन्होंने अपनी बहुमुखी प्रतिभा का परिचय दिया है। कभी अभिनय कर, तो कभी निर्देशन, तो कभी गायकी। आज इस लेख में हम उन अभिनेताओं की बात करने वाले हैं, जो बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं। ये अभिनय में तो शानदार हैं ही, साथ में गायकी पर भी इन अभिनेताओं की अच्छी पकड़ है।

अभिनय के साथ-साथ गायकी में भी हैं माहिर

दिलजीत दोसांझ

दिलजीत दोसांझ भारतीय मनोरंजन जगत के जाने माने चेहरा हैं। वह पंजाबी फिल्मों के सुपरस्टार अभिनेता हैं। उन्होंने कई हिंदी फिल्में भी की हैं। हाल में ही वह जट्ट एंड जूलियट में नीरू बाजवा के साथ नजर आए हैं। इससे पहले वह निर्देशक इम्तियाज अली की फिल्म 'चमकीला' में नजर आए थे। इसके अलावा वह हाल में ही जिमी फॉलन के 'द टुनाइट शो' पर भी शिरकत करते नजर आए थे। उनकी लोकप्रियता लगातार बढ़ती जा रही है। शानदार अभिनेता होने के साथ-साथ वह एक बेहतरीन गायक भी हैं। उन्होंने देश-विदेश में कई म्यूजिक कॉन्सर्ट किया है। इसके अलावा नियमित रूप से भी वह अपना गाना रिलीज करते रहते हैं।

अमिताभ बच्चन

अमिताभ बच्चन बॉलीवुड के महानायक कहे जाते हैं, ऐसे में फिर वह इस लिस्ट में भी कहां पीछे रहने वाले थे। अमिताभ अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' में अश्वत्थामा के किरदार में नजर आए हैं। उन्होंने 81 साल की उम्र में भी काफी शानदार एक्शन किया है। अदाकारी में तो उन्होने अपना लोहा मनवाया है ही, उन्होंने गायकी में भी काफी प्रसिद्धि पाई है। अमिताभ ने कई मौके पर गाने गाए हैं और उनके सारे गाने लोगों द्वारा काफी पंसद किए गए हैं। इनमें 'रंग बरसे', 'मैं यहां तू वहां' आदि शामिल हैं। उनकी हालिया रिलीज फिल्म में भी उन्होंने एक गाने को आवाज दी है।

एमी विर्क

एमी विर्क पंजाबी फिल्मों के बड़े स्टार हैं। उन्होंने पंजाबी के अलावा कुछ हिंदी फिल्में भी की हैं। उनकी एक और आगामी हिंदी फिल्म 'बैड न्यूज' जल्द ही रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में वह विक्की कौशल और तृप्ति दिमरी के साथ नजर आने वाले हैं। उनकी फिल्म किस्मत पंजाबी फिल्मों में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक है। अभिनय के साथ-साथ वह काफी अच्छे गायक हैं। उन्होंने कई सारे गाने गाए हैं।

आयुष्मान खुराना

आयुष्मान खुराना हिंदी फिल्मों के जाने माने अभिनेता हैं। उनकी हर फिल्मों को दर्शकों का भरपूर प्यार मिलता है। एक के बाद एक सफल फिल्में दे कर उन्होंने अपने लिए एक खास मुकाम हासिल कर लिया है। उनकी फिल्मों की एक खास शैली है। इसके साथ ही उनकी हर फिल्मों में समाज के लिए कोई ना कोई संदेश छिपा होता है। साल 2012 में रिलीज हुई फिल्म 'विक्की डोनर' से डेब्यू करने के बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा है। इस फिल्म में आयुष्मान ने एक गाना भी गया था, जो काफी पसंद किया गया था। ये गाना था पानी दा रंग। इसके अलावा भी कई मौके पर वह अपनी गायिकी का जलवा दिखाते रहते हैं। आयुष्मान एक बेहतरीन अभिनेता के साथ-साथ बेहतरीन गायक भी हैं।

युवक के पीछे ही पड़ गया सांप, एक महीने में पांच बार डसा, डॉक्टर हैरान, परिवार भयभीत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

एक युवक को एक महीने में पांच बार सांप ने डसा, लेकिन हर बार युवक इलाज के बाद बच गया। भले ही ये कहानी आपको पूरी फिल्मी लगे पर ये घटना उत्तर प्रदेश के फतेहपुर में घटी है। इस घटना से डॉक्टर भी हैरान हैं। यहीं नहीं डर के चलते पीड़ित युवक अपने मौसी के घर चला गया और इसके बाद वहां भी उसे सांप ने डस लिया। युवक का इलाज करने वाले डॉक्टर भी हैरान हैं कि कैसे सांप काटने के बाद वो बार-बार ठीक हो जा रहा है। ये पूरा मामला फतेहपुर जिले के मलवा थाना क्षेत्र के सौरा गांव का है। यहां रहने वाले विकास दुबे (24) को एक से डेढ़ महीने के अंदर सांप ने पांच बार काट लिया, लेकिन हर बार वह इलाज के बाद ठीक हो गया। अभी भी उसका इलाज एक प्राइवेट हॉस्पिटल में चल रहा है। क्योंकि, पिछले दिनों ही सांप ने उसे डसा था। इस घटना के बारे में जानकारी देते हुए विकास दुबे ने बताया कि, दो जून की रात 9 बजे बिस्तर से उतरते हुए पहली बार सांप ने काटा था। जिसके बाद परिजन प्राइवेट नर्सिंग होम में ले गए। वहां दो दिन भर्ती रहा। इलाज के बाद ठीक होकर घर आ गया।'

मौसी के घर भी हुआ ये हाल

इस घटना से भयभीत युवक परिजनों और डॉक्टरों की सलाह पर राधा नगर थाना क्षेत्र के राधा नगर मोहल्ले में रहने वाली अपनी मौसी के यहां चला गया था। बताया जा रहा है कि यहां पर भी सांप ने युवक का पीछा नहीं छोड़ा और शनिवार की देर रात करीब 12.30 बजे उसे डस लिया था। इस घटना को लेकर लोग तरह-तरह की बातें कर रहे हैं। डॉक्टर भी हैरान हैं । परिवार के लोग भविष्य में अनहोनी की आशंका से भयभीत हैं।

परिजनों को लगा सामान्य घटना

उन्होंने आगे बताया कि, 'जब पहली बार सांप ने काटा तो परिजनों को लगा कि यह सामान्य घटना है। मगर, 10 जून की रात फिर से सांप ने काट लिया। आनन-फानन परिजन मुझे लेकर अस्पताल भागे। गनीमत रही कि इस बार भी इलाज के बाद ठीक हो गया। हालांकि, सांप को लेकर डर बैठ गया था और सावधानी बरतने लगा था। लेकिन इसके सात दिन बाद (17 जून) घर में ही सांप ने एक बार फिर से काट लिया, जिससे हालत बिगड़ने लगी और परिजन दहशत में आ गए। फिर उसी अस्पताल में इलाज हुआ और मैं ठीक हो गया।' हैरत की बात यह है कि चौथी बार सांप ने 7 दिन भी नहीं बीतने दिया। घटना के चौथे दिन ही सांप ने विकास को एक और बार डस लिया। जब परिजन इलाज के लिए उसे अस्पताल लेकर पहुंचे तो डॉक्टर भी हैरान हो गए।

अरुणाचल प्रदेश में मिला सींग वाला मेंढक, नाम स्थानीय जनजाति के नाम पर

नई दिल्ली। भारत के पूर्वोत्तर राज्य अरुणचाल प्रदेश में मेंढक की नई प्रजाति मिली है। इस मेंढक के सींग है। अरुणाचल प्रदेश के टेल वन्यजीव अभयारण्य (डब्ल्यूएलएस) के जंगलों में यह मेंढक पाया जाता है। इसे खोजा है भारतीय प्राणी सर्वेक्षण (जेडएसआई) के विज्ञानियों ने। इस मेंढक का नाम स्थानीय जनजाति अपतानी के नाम पर जेनोफ्रीस अपतानी रखा गया है। इसे खोजने वाली टीम के लीडर है बिक्रमजीत सिन्हा और भास्कर साइकिया। इनके साथ केपी दिनेश, ए. शबनम और इलोना जसिंथा खाकरोंगर है।

इसके पहले 2019 में खोजे गए सींग वाले माओसन मेंढक की रिपोर्ट को गलत साबित करती है। जेनोफ्रीस अपतानी की खोज भारत की समृद्ध जैव विविधता को सामने लाती है। नए मेंढक की प्रजाति का नाम अरुणाचल प्रदेश की अपतानी जनजाति के नाम पर है। यह जनजाति निचली सुबनसिरी घाटी में रहती है। यहीं पर टेल वन्यजीव अभयारण्य है। यह मेंढक पूर्वी हिमालय और इंडो-बर्मा जैवविविधता वाले इलाके में मिलता है। टेल अभयारण्य समृद्ध जैव विविधता के लिए प्रसिद्ध है। इसमें कई प्रकार की उभयचर जीवों की प्रजातियां शामिल हैं। टेल से हाल के दिनों में खोजी गई मेंढकों की यह पांचवीं नई प्रजाति है। 2017 में, ओडोराना अरुणाचलेंसिस की खोज हुई थी। 2019 में लिउराना मेंढकों की तीन नई प्रजातियां खोजी गई थीं।

टेल के अलावा शोधकर्ताओं ने 2022 में पश्चिमी अरुणाचल से कैस्केड मेंढकों की तीन नई प्रजातियों की खोज की थी।। ये पश्चिमी कामेंग जिले के सेसा और दिरांग से अमोलोप्स टेराओर्किस और अमोलोप्स चाणक्य और तवांग जिले के जंग-मुक्तो रोड से अमोलोप्स तवांग थे।

स्वर्ग से लाकर धरती पर लगाया गया था यह फूल, बेमौसम खिलने पर वैज्ञानिक हुए हैरान

नई दिल्ली। इन दिनों लखनऊ शहर के अलीगंज में स्थित सबसे प्राचीन हनुमान मंदिर चर्चा का विषय बना हुआ है। यहां पर मौजूद नौ साल पुराने पारिजात के पेड़ पर समय से पहले ही फूल आने लगे हैं। अमूमन पारिजात के पेड़ पर दिसंबर में फूल आने शुरू होते हैं लेकिन, इस मंदिर में जुलाई में ही फूल आने लगे हैं। अब लोगों के लिए किसी आश्चर्य जैसा हो गया है। मंदिर समिति के सचिव राजेश पांडे ने बताया कि बिना मौसम पारिजात के पेड़ पर फूलों के आने से वैज्ञानिक भी हैरान हैं। मंदिर समिति मान रही है कि इस पेड़ के पास में सरोवर है और जो भी भक्त आता है वो पारिजात के पौधे पर भी जल चढ़ाता है। अच्छा रख-रखाव होने की वजह से पारिजात के पेड़ पर फूल वक्त से पहले आ गए हैं। कहा जाता है कि यह फूल समुद्र मंथन में निकला था।
समिति का मानना है कि यह बजरंगबली की कृपा है कि वक्त से पहले लोगों को इस फूल का दर्शन मिल रहा है।

रात नौ बजे खिलता है फूल

यह फूल रात में 9 से खिलना शुरू होते हैं। पारिजात के फूल खिलते सफेद रंग के हैं। लेकिन, सुबह सूर्य की पहली किरण मिलते ही यह गोल्डन रंग के हो जाते हैं। इसके बाद दोपहर 10 बजे से मुरझाना शुरू होते हैं और शाम होते-होते मुरझा जाते हैं। इस दुर्लभ नजारे को देखने के लिए दूरदराज से लोग पहुंच रहे हैं और इसका दर्शन कर रहे हैं।

यह है इसका इतिहास

पारिजात वृक्ष की उत्पत्ति समुद्र मंथन के दौरान हुई थी जिसे इंद्र ने अपनी वाटिका में रोप दिया था। हरिवंशपुराण में इस वृक्ष और फूलों का विस्तार से वर्णन मिलता है। पौराणिक मान्यता अनुसार पारिजात के वृक्ष को स्वर्ग से लाकर धरती पर लगाया गया था। नरकासुर के वध के बाद एक बार श्रीकृष्ण स्वर्ग गए और वहां इन्द्र ने उन्हें पारिजात का पुष्प भेंट किया। वह पुष्प श्रीकृष्ण ने देवी रुक्मिणी को दे दिया। देवी सत्यभामा को देवलोक से देवमाता अदिति ने चिरयौवन का आशीर्वाद दिया था। तभी नारदजी आए और सत्यभामा को पारिजात पुष्प के बारे में बताया कि उस पुष्प के प्रभाव से देवी रुक्मिणी भी चिरयौवन हो गई हैं । यह जान सत्यभामा क्रोधित हो गईं और श्रीकृष्ण से पारिजात वृक्ष लेने की जिद्द करने लगी।

पारिजात के यही फूल किए जाते हैं पूजा में इस्तेमाल

पारिजात के फूलों को खासतौर पर लक्ष्मी पूजन के लिए इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन केवल उन्हीं फूलों को इस्तेमाल किया जाता है, जो अपने आप पेड़ से टूटकर नीचे गिर जाते हैं।

ऐसा तो फिल्मों में होता है न...! 66 हजार रुपए का उपहार, आने-जाने के लिए फ्लाइट टिकट

न्यूयार्क। क्या आपने हॉलीवुड की 'क्रेजी रिच एशियन'मूवी देखी है, अगर देखी होगी तो आपको याद होगा कि कैसे एक अमीर एशियन फैमली अपने लड़के की भव्य शादी पर बहुत ज्यादा पैसे खर्च करता है। हम सोचते हैं कि इसका वास्तविकता से कोई लेना देना नहीं है, लेकिन अभी ऐसा ही एक शादी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसे देख कर कहेंगे कहीं ये फिल्म तो नहीं है। शादी का एक वीडियो ट्रैवल इन्फ्लुएंसर डाना चांग ने शेयर किया है, जहां पर सभी गेस्ट की सभी खर्चे को फैमली के द्वारा पेड किया जा रहा था। इन्फ्लुएंसर ने वीडियो शेयर कर लिखा है, 'यह असल ज़िंदगी में क्रेजी रिच एशियन शादी जैसी दिखती है।' उसने बताया कि शादी के कपल ने सभी गेस्ट्स को जीवन में कभी न भूलने जाने वाला अनुभव दिया। कपल ने गेस्ट को अपने खर्चे पर चीन ले गए, वहां पर रुकने के लिए 5 स्टार होटल्स की व्यवस्था की। कपल ने शादी के तोहफों के अलावा प्रत्येक मेहमान को लाल जेब में लगभग 66 हजार रुपए दिए।

गेस्ट्स को रिसीव करने और होटल तक ले जाने और लाने के लिए रोल्स रॉयस कारों और बेंटले कार की फ्लीट लगी हुई थी। ऐसा लग रहा था कि जैसे यूरोप की कोई शादी हो। इन्फ्लुएंसर ने वीडियो में आगे बताया कि फोन बूथों को फूलों से सजाया गया था, वहीं अखबारों को दूल्हा-दुल्हन की तस्वीरों से सजाया गया था। चीन की शादियों की एक परंपरा है, जहां गेस्ट्स नव जोड़ों को गिफ्ट में पैसों से भरा एक लाल थैला देकर, उनकों दांपत्य जीवन की शुभकामना देते हैं, लेकिन यहां पर सब कुछ उलटा था। नव जोड़े ने इस रस्म को उलट कर गेस्ट्स को ये लिफाफे दिए, और बदले में कुछ भी स्वीकार नहीं किया।

मैं अभी भी लाल जेबों वाले रिचुअल से हैरान हूं। गेस्ट्स को पेड रिटर्न फ्लाइट भी दिया गया। वीडियो सोशल मीडिया साइट इंस्टाग्राम पर अपलोड करते ही धमाल मचाना शुरू कर दिया। इसे 45 लाख 8 हजार से अधिक लोगों ने देखा है, जबकि 45 लाख के करीब लोगों ने इसे लाइक किया है। कई यूजरों ने इस पोस्ट पर कमेंट किया है। एक यूजर ने लिखा है, 'हे भगवान, यह किस स्तर का अरबपति है।' एक अन्य ने लिखा है, 'मेहमानों को उपहार देने के लिए वे बहुत हंबल हैं यह दर्शाता है कि वे उन लोगों को कितनी अहमियत देते हैं, जो उनकी शादी की जश्न मे शामिल होने आए थे।'

क्या आपको अपनी लाडली के लिए अच्छा वर चाहिए...
तो हमसे जुड़िए... या आपको तलाश है... एक अच्छी बहु की...
हरिभूमि वैवाहिकी

वधु चाहिए
वधु चाहिए
28 वर्ष, 6 फीट इंजीनियर एमबीए एनएमसी पुणे में कार्यरत 150000 प्रतिमाह वेतन प्राप्त सोनी युवक हेतु एम.सी.ए इंजीनियर एमबीए सोनी वधु चाहिए
संपर्क करें- 9893727585

वधु चाहिए
वधु चाहिए
28 वर्ष, 5'-7" BE (Civil) MA (English), B.Ed. स्वयं का मकान, 5 एकड़ कृषि भूमि तथा स्वयं का व्यवसाय बंगाली ब्राह्मण वर हेतु शिक्षित कन्या चाहिए, जाति बंधन नहीं कोरबा, बिलासपुर वाले को प्राथमिकता कृपया ब्यूरो वाले क्षमा करें।
संपर्क करें- 7805909181 7999567623

वर चाहिए
वर चाहिए
तलाकशुदा महिला हेतु वर चाहिए उम्र 33वर्ष पढ़ाई 12वीं, अच्छा लड़का चाहिए कोई भी जाति का हो अथवा गरीब या अमीर हो विधुर, तलाकशुदा बच्चे वाला भी चलेगा (मैरिज ब्यूरो क्षमा करें)
सम्पर्क करें 9993738069

वर चाहिए
वर चाहिए
अनमैरिड अकेली सुन्दर महिला हेतु 10/10/1980 हाइट 5'-2" पीएचडी, पीजी/ सर्विस कॉलेज प्रोफेसर, अच्छी वार्षिक इनकम सभी जरूरतमंद मान्य जाति बंधन नहीं शीघ्र सम्पर्क करें- 9179472796 9955827006

आवश्यकता

आवश्यकता है- AIRPORT डायरेक्ट भर्ती अनपढ़ 8th, 10th, 12th, ग्रेजुएट (लड़के- लड़कियां) एयर होस्टेस, सुपरवाईजर, मैनेजर, ग्राउड स्टाफ, क्लर्क, चेकर, लोडर, गार्ड, इलेक्ट्रीशियन, ड्राइवर, हेल्पर 31500-82500 मेडिकल, इंश्योरेंस, रहना, खाना फ्री. 7495042110, 7404063544 (रायपुर /16 / जुलाई 24)

आवश्यकता है - सुनहरा अवसर सरकारी नौकरी, भारतीय वनविभाग द्वारा निकली पक्की सीधीभर्ती परमानेंट बेसेस पर,(10008) पद -फॉरेस्टगार्ड, क्लर्क, वनपाल, चपरासी, पदो पर, (10वी-12वी) पास लड़के लड़कियां आवेदन करे, सैलरी -(28600- 35600), कॉल / व्हाट्सएप करे -8274989318 (रायपुर /08 / जुलाई 24)

आवश्यकता है - रिटायर्ड सीनियर CSEB आफिसर पद-1, सीनियर/ जूनियर सुपरवाइजर, इलेक्ट्रीकल इंजीनियर, इलेक्ट्रीशियन पद-100, इलेक्ट्रीकल, ITI डिप्लोमा, अनुभवी चाहिए सम्पर्क करें- रियो ऑर्गनिक, नेहरू चौक बिलासपुर एवं कोरबा 7489213133, 8896200007 email- vaprojectkorba@gmail.com (रायपुर /07 / जुलाई 24)

फायनेंस

फाइनेंस- मुद्रा योजना के अंतर्गत रोजगार लोन पूरे मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ मे लोन 2% ब्याज, 50% छूट, 50000/- से 5 लाख तक लोन उपलब्ध (धोखेबाजों से सावधान) संपर्क मोबाइल:- 08826459431 (रायपुर/09/जुलाई 24)

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
08116592844

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

राशिफल

मेष – दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। परिवार की सुख-सुविधाओं के लिए खर्च बढ़ेंगे। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा।

वृष – मन प्रसन्न तो रहेगा। परन्तु बातचीत में संयत रहें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ सकती है।

मिथुन – व्यर्थ के क्रोध से बचें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। सेहत का ध्यान रखें।

कर्क – परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है। भाइयों से मतभेद हो सकते हैं। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

सिंह – संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। किसी मित्र के सहयोग से सम्पत्ति में किया गया निवेश लाभप्रद रहेगा। मीठे खानपान में रुचि रहेगी।

कन्या – संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध से बचें। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। कुटुम्ब की किसी बुजुर्ग महिला से धन मिल सकता है। लंबे समय से रुके हुए कार्य पूरे

तुला – वाणी में मधुरता रहेगी। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ सकता है। कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। आय में वृद्धि होगी।

वृश्चिक – मन परेशान रहेगा। आत्मविश्वास में कमी आयेगी। बातचीत में संयत रहें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भागदौड़ अधिक रहेगी।

धनु – क्रोध के अतिरेक से बचें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। कारोबार में किसी मित्र के सहयोग से लाभ में वृद्धि होगी।

मकर – व्यर्थ के क्रोध से बचें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा। बौद्धिक कार्यों में सम्मान की प्राप्ति होगी। सेहत का ध्यान रखें।

कुंभ – आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा। परन्तु आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। धार्मिक आयोजनों में हिस्सा लेंगे।

मीन – मन प्रसन्न रहेगा। कर्मक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

शब्द पहेली - 5564

बाएँ से दाए-
1. फिसलना-4
5. गुनाह, जुर्म-4
8. नाव चलानेवाला-3
9. लड़ी, श्रंखला -2
11. ईर्ष्या, डाह-3
12. उद्देश्य, वजह-4
14. भोजन-2
15. थकावट-3
17. जी, चित-2
19. मंत्र पढ़ना-2,3
22. राजपुत्र, राज कुंवर-2,3
25. यात्रा करनेवाला-2
26. समझौता, संधि-3
27. ईसाई साध्वी-2
28. मनमुटाव-4
30. नौकर-3
31. बदला-2
33. गर्भ, कोख-3
35. रुआफ-4
36. सज्जनता-4

ऊपर से नीचे
2. लम्हा, क्षण-2
3. नामित, मनोनीत-4
4. रनिवास, हरम-5
5. बुद्धि-3
6. गोंद, लाख-2
7. हृदयगति, स्पंदन- 4
10. विम्मी व सुनील दत्त की फिल्म-4
13. शिक्षा, पाठ-3
16. कालिख, कालापन-3
17. इंकार, मनाही-2
18. झंडा, पताका-2
20. चौकसी, रखवाली-3
21. मोटा आटा, सूजी -2
22. निशा, रात-2
23. अच्छे कुल का-3
24. प्रस्थान, विदा-4
25. यान चलाने वाला-2,3
26. सुंदरी, षोडशी, कुमारी-4
28. प्रार्थना, मनोकामना-4
29. गरल, विष-3
32. ताला (अंग्रेजी-2)
34. पात्र, थापा, संचक, डाई -2

शब्द पहेली -5563 का हल

सूडोकु नवताल - 5575

****☆ कठिन

4							1	8
			6	7				2
			8					
	8	5						
	2			1			7	
						3	5	
					5			
1				4	7			
9	6							4

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5574 का हल

1	9	7	4	8	6	2	3	5
4	5	3	9	1	2	7	6	8
2	6	8	7	3	5	9	1	4
5	3	1	2	7	9	4	8	6
9	2	4	8	6	1	5	7	3
7	8	6	5	4	3	1	9	2
3	4	9	6	2	7	8	5	1
6	7	2	1	5	8	3	4	9
8	1	5	3	9	4	6	2	7

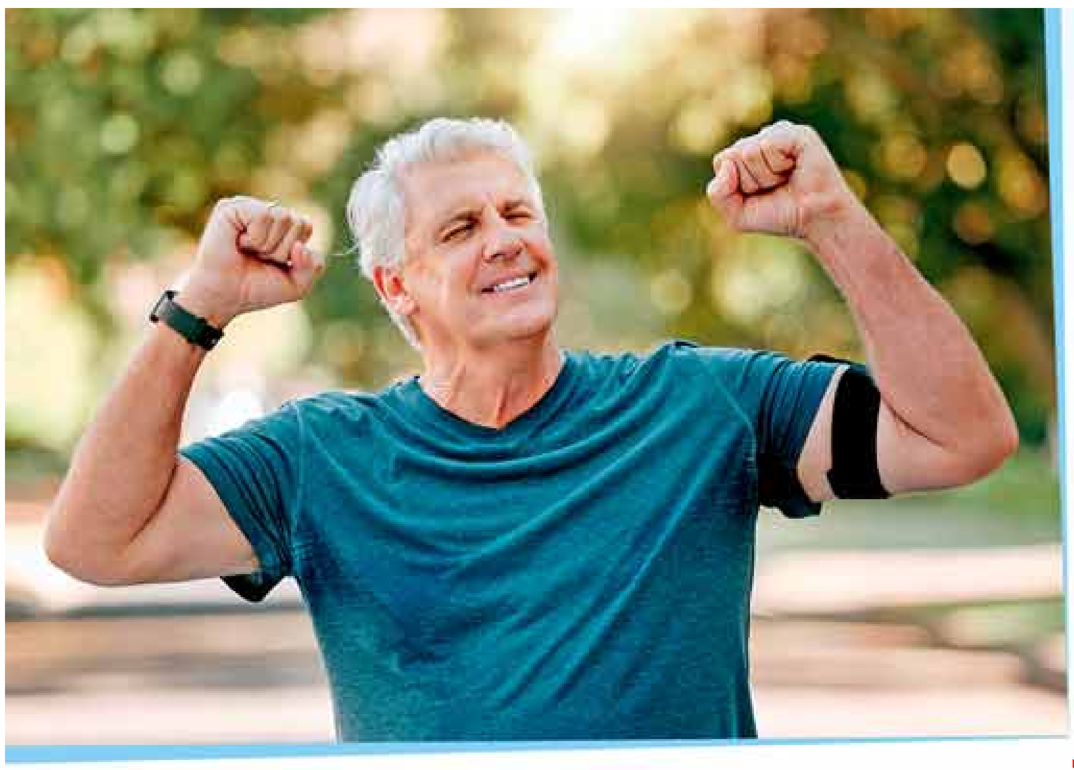

स्वस्थ, निरोग और दीर्घायु की कामना अधिकांश लोग करते हैं। वास्तव में ये सब हासिल करना बहुत कठिन नहीं है। इसके लिए आपको अपनी जीवनशैली में कुछ बदलाव करने होंगे, कुछ गुड हैबिट्स अपनानी होंगी और कुछ बैड हैबिट्स को बाय-बाय कहना होगा। इसके बाद तो आप लाइफ की सेंचुरी लगा सकते हैं।

अपनाएं ये हैबिट्स जिएंगे 100 साल

{ कवर स्टोरी / शिखर चंद जैन }

अलग-अलग रिपोर्ट्स के मुताबिक इस समय पूरी दुनिया में 4,50,000 लोग ऐसे हैं, जो अपनी आयु का सैकड़ा लगा चुके हैं। आने वाले दिनों में उम्र की सेंचुरी लगाने में सफल होने वाले लोगों की संख्या और भी बढ़ सकती है। अगर आप भी अपनी लाइफ में सेंचुरी का आंकड़ा छूना चाहते हैं तो कुछ आदतों को अपने रुटीन में अपनाना होगा।

सोशल सर्किल हो बड़ा

अगर आप अनजान लोगों से भी आसानी से घुल-मिल जाते हैं, अपने सहकर्मियों के साथ जिंदादिली से मिलते हैं, रिश्तेदारों के साथ मिलते-जुलते रहते हैं, दोस्तों के साथ जमकर ठहाके लगाते हैं और परिवार के सदस्यों के साथ स्नेह और अपनेपन का संबंध रखते हैं, तो आपके शतकवीर होने की संभावना काफी ज्यादा है। जांस होपकिंस यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन में जेरियाट्रिक मेडिसिन (वृद्ध लोगों की चिकित्सा) के वरिष्ठ प्रोफेसर जेरेमी वाल्सटन कहते हैं, 'अकेले और गुमसुम रहने वाले लोग अकसर बीमार रहने लगते हैं।' दीर्घायु लोगों की खोज और उन पर अध्ययन करने के लिए दुनिया भर की सैर कर चुके नेशनल ज्योग्राफिक के शोधकर्ता डैन बटनर कहते हैं, 'इटली के सरडीनिया में सौ साल की आयु पार कर चुके लोगों की बड़ी संख्या है और ये लोग दोस्ती और जिंदादिली के कारण ही स्वस्थ और खुश रहते हैं। जब भी कोई व्यक्ति बीमार पड़ता है, उसका पड़ोसी तुरंत उसके पास पहुंच जाता है। इससे जल्द स्वस्थ होने में मदद मिलती है।'

खोजें जीने का मकसद

बिना मकसद की जिदंगी कुछ ऐसी ही होती है, जैसे बिना पते का लिफाफा। जिन्होंने अपने जीवन में ना कोई लक्ष्य तय कर रखा है और ना उन्हें जीने का मकसद मालूम है, उनकी जिंदगी में दिलचस्पी भी कम होती चली जाती है। लेकिन जो किसी मकसद से जीते हैं और किसी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सतत प्रयत्नशील रहते हैं, उनमें जिंदगी के प्रति उमंग रहती है और वे मानसिक और शारीरिक रूप से क्रियाशील रहते हैं। ऐसे लोग अकसर लंबी आयु जीते हैं। साइकोलॉजिकल साइंस जर्नल में प्रकाशित एक शोध में भी अनुसंधानकर्ताओं ने ऐसी राय जाहिर की है। न्यूयॉर्क सिटी (अमेरिका) के माउंट सिनाई में स्थित इशान स्कूल ऑफ मेडिसिन के जेरियाट्रिक्स प्रोफेसर रोजेन लीपजिंग कहते हैं कि आपको नए दोस्त बनाने चाहिए, नई हॉबीज अपनानी चाहिए और सामाजिक कार्यों में वालंटियर के तौर पर सपोर्ट देना चाहिए।

वेट पर रखें कंट्रोल

जिसने अपनी सेहत की लगाम ढीली छोड़ दी और वेट, डाइट पर कंट्रोल नहीं कर पाता है, उसके जिंदगी की फील्ड पर जल्दी आउट होने के चांस बढ़ जाते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट्स द्वारा किए गए शोधों के नतीजे बताते हैं कि जिन महिलाओं के कमर की माप 37 इंच या उससे ज्यादा थी, 40 वर्ष की उम्र के बाद उनकी आयु दूसरी महिलाओं (27 इंच या कम कमर वाली) की तुलना में 5 वर्ष तक कम हो सकती है। इसी प्रकार 35 इंच या कम कमर की माप वाले पुरुषों की तुलना में 43 इंच या उससे ज्यादा कमर के घेरे वाले पुरुषों की आयु में तीन साल तक की कटौती हो सकती है। जाहिर है, अगर आपने अपने कमर के घेरे यानी बॉडी वेट पर कंट्रोल कर रखा है तो आपकी आयु लंबी होने की संभावना बढ़ जाती है।

मिड एज में भी रहें फिजिकल एक्टिव

यंग एज में ही नहीं मिड एज में भी अगर आप खूब चलते-फिरते हैं, शारीरिक रूप से एक्टिव रहते हैं, तो बाद में भी आपके स्वस्थ रहने के चांस ज्यादा बढ़ जाते हैं। 'आर्चीव्स ऑफ इंटरनल मेडिसिन' में प्रकाशित अध्ययन के नतीजे कुछ ऐसा ही संकेत करते हैं। मध्यवय के 19,000 वयस्कों पर अध्ययन करने के बाद सेहत विज्ञानियों ने पाया कि जो लोग इस उम्र तक फिट रहते हैं आगे चलकर उनमें हार्ट डिजीज, टाइप-2 डायबिटीज, कैंसर, अल्जाइमर्स आदि रोग होने की संभावना तुलनात्मक रूप से कम होती है। जांस होपकिंस यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन के प्रोफेसर जेरेमी वाल्सटन कहते हैं, 'जो लोग अपनी जिदंगी में भागते-दौड़ते रहते हैं, वॉकिंग करते है या साइकिल चलाते रहते हैं, वे लंबी आयु के स्वामी होते हैं।'

उपयोगी है दोपहर में झपकी

आप खूब काम करते हैं, सक्रिय रहते हैं फिर भी दोपहर में कुछ पल आराम के निकालते हैं और झपकी लेते हैं, तो आपके शतायु होने की संभावना में इजाफा हो जाता है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने 23000 लोगों पर लगातार 6 सालों तक अध्ययन किया तो पाया कि जिन लोगों में दोपहर को 30 मिनट तक नींद लेने की आदत थी, उनमें अन्य लोगों की तुलना में हार्ट डिजीज से मरने का 37 फीसदी कम जोखिम था। ग्रीस के एक छोटे से गांव इकारिया में सौ वर्ष की आयु पार चुके लोगों की बड़ी संख्या है और उन सभी में कुछ देर दोपहर को नियमित सोने की आदत है।

ताजे फल-सब्जियों का सेवन

मिशिगन विश्वविद्यालय द्वारा किए गए शोध में पता चला है कि फल और सब्जियों का भरपूर सेवन करने वाली महिलाओं की आयु, फल-सब्जी कम खाने वाली महिलाओं की तुलना में अधिक होती है। इन महिलाओं की फल-सब्जी खाने की आदत का पता लगाने के लिए वैज्ञानिकों ने इनसे पूछताछ के साथ इनके रक्त की जांच भी की। विशेषज्ञ बताते हैं कि दीर्घायु होने में फल-सब्जियों की महती भूमिका का जीता-जागता सबूत है जापान के ओकीनावा में रहने वाले शतायु बुजुर्ग। इस शहर में दुनिया की किसी भी दूसरी जगह के मुकाबले सबसे ज्यादा सौ वर्षीय या ज्यादा उम्र के लोग रहते हैं। यहां प्रति लाख 50 लोग सौ साल से ज्यादा उम्र के मिलेंगे। इस शहर के लोगों में प्लांट बेस्ड डाइट खाने की आदत है। इनमें से ज्यादातर लोग इन फल-सब्जियों को खुद अपने बगीचे में उगाना पसंद करते हैं। *

ये हैबिट्स भी हैं कारगर

- **अगर आप** जिंदादिल, हंसोड़ और आशावादी हैं तो आपकी आयु सौ के पार जाने में ज्यादा कठिनाई नहीं होगी। 'एजिंग' जर्नल में प्रकाशित एक शोध के नतीजों से पता चला है कि ऐसे लोग स्ट्रेस और एंजायटी से बचे रहते हैं, इसलिए इनकी आयु रूखे स्वभाव वाले लोगों की तुलना में ज्यादा होती है।
- आप खुद को असली उम्र से कम फील करते हैं और अकसर दूसरे लोग भी ऐसा ही आकलन करते हैं, तो तय मानिए कि आप चिरायु होंगे। वैज्ञानिकों के अनुसार खुद को वास्तविक उम्र से अधिक का समझने वाले और जल्दी ही बूढ़े दिखने वाले लोग अकसर कम उम्र में ही चल बसते हैं।
- आप मेडिटरेनियन डाइट लेते हैं तो आपकी आयु शर्तिया ज्यादा होगी। साबुत अनाज, मेवे, लेग्यूम्स, ऑलिव आयल के साथ-साथ फलों और सब्जियों का सेवन करने से शरीर को भरपूर पोषण मिलता है और कोशिकाएं निरंतर रीजेनरेट होती रहती हैं।

हियरिंग लॉस की वजह बनता हेडफोन-ईयरफोन

जब से स्मार्टफोन और उससे कनेक्टेड हेडफोन/ईयरफोन का ट्रेंड बढ़ा है, दुनिया भर में हियरिंग लॉस के केसेस में भी तेजी से इजाफा हो रहा है। यह हैबिट कितनी हार्मफुल है और इससे बचना कितना जरूरी है, आपको पता होना चाहिए।

{ टेक्नोबिहेवियर
डॉ. मोनिका शर्मा }

पार्श्व गायिका अलका याग्निक ने पिछले दिनों खुलासा किया था कि वे सुनने से जुड़े एक दुर्लभ डिसऑर्डर की शिकार हो गई हैं। अपनी सुरीली आवाज के लिए जानी जाने वाली इस चर्चित गायिका के अनुसार, 'डॉक्टर्स ने मुझे बताया कि मैं सेंसरी न्यूरल नर्व हियरिंग लॉस का शिकार हो गई हूं। वायरल अटैक के कारण इस बहरेपन का पता चला है।' अपनी स्वास्थ्य समस्या को साझा करते हुए अलका याग्निक ने लोगों को बहुत तेज संगीत और हेडफोन से फास्ट म्यूजिक सुनने को लेकर सावधान किया है। देश के एक चर्चित चेहरे की यह सलाह बहुत से लोगों के लिए चेतावनी के समान है। मौजूदा दौर में हर ओर यही देखने में आता है कि एक्सरसाइज, वॉक, ट्रैवलिंग या फिर दूसरे कोई घरेलू काम निपटाते हुए भी बहुत से लोग ईयरफोन या हेडफोन लगाए रहते हैं। यह अपने परिवेश से खुद को अलग करने वाला बर्ताव तो है ही, बीमारियों को न्योता देने वाली आदत भी है। जरूरी है कि समय रहते सजगता बरती जाए।

हेल्थ पर भारी स्टाइल स्टेटमेंट: बिना सोचे-समझे स्टाइलिश दिखने के लिए इस्तेमाल की जा रहीं ऐसी तकनीकी सौगातें, अब हेल्थ के लिए रिस्क पैदा करने लगी हैं। असल में बिना अनुशासन के काम में ली जा रही हर चीज के खामियाजे होते ही हैं। सबसे पहले तो यह समझना जरूरी है कि हरदम हेडफोन या ईयरफोन लगाए रखने में फैशनेबल दिखने जैसी कोई बात नहीं है। तकनीक से मिली बहुत सुविधाओं में यह भी एक सुविधा भर है, जिसके इस्तेमाल की अति, हेल्थ प्रॉब्लम्स का कारण बनती है। हर समय हेडफोन या ईयरफोन लगाए रखना सीधे-सीधे हमारी सुनने की क्षमता को प्रभावित करता है। इतना ही नहीं बाहरी शोरगुल से बचाने वाली यह तकनीक, हमारी मनःस्थिति के लिए घातक है। दूसरों से बोलने-बतियाने से लेकर किसी विशेष परिस्थिति में सहज बने रहने तक, बहुत आम सी बातें व्यवहार से गायब हो जाती हैं।

कई रोगों का कारण: ईयरफोन या हेडफोन से तेज संगीत सुनना, केवल हियरिंग लॉस ही नहीं करता बल्कि शरीर के दूसरे अंगों पर भी दुष्प्रभाव डालता है। यूं लगातार म्यूजिक सुनते रहने से मेंटल और इमोशनल सेहत भी प्रभावित होती है। असल में इंसान के कानों की सुनने की क्षमता केवल 90 डेसिबल होती है। लगातार तेज आवाज का कानों में गूंजते रहना इसे 40-50 डेसिबल तक कम कर सकता है। इतना ही नहीं यूं हरदम म्यूजिक सुनते रहना दिल की धड़कनें भी बढ़ा देता है। इससे हृदय से जुड़ी परेशानियां भी होने लगती हैं। इसके अलावा सिरदर्द, अनिद्रा, तनाव, एकाग्रता की कमी और कानों में इंफेक्शन होने जैसी समस्याएं भी सामने आने लगती हैं।

स्मार्ट फोन का सधा इस्तेमाल जरूरी: हरदम कुछ ना कुछ सुनते रहने की आदत से बचने के लिए स्मार्ट फोन की लत से बचना पहला कदम है। आज के समय में हर कहीं इंटरनेट का उपलब्ध होना और डिजिटल मीडिया में देखने-सुनने के लिए मौजूद सामग्री की भरमार भी यूजर्स द्वारा हर पल कानों में ईयरफोन लगाए रखने का कारण बन रही है। ऐसे में जरूरी है मीटिंग्स, स्कूल-कॉलेज की क्लास या आवश्यक बातचीत के लिए कुछ समय ईयरफोन का इस्तेमाल किया जा सकता है पर लंबे समय तक ऐसा करना घातक है। इससे धीरे-धीरे सुनने और समझने की क्षमता भी प्रभावित होने लगती है। ड्राइविंग के दौरान हेडफोन या ईयरफोन लगाए रहना अपने साथ-साथ दूसरों के लिए भी जोखिम पैदा करने वाला बर्ताव है। घर-परिवार में ईयरफोन लगाकर रखने वाले लोग अपनों की बात भी सहजता से नहीं सुनते-समझते। यह स्थिति सार्थक संवाद में बाधा बनती है। असल में टेक्नोलॉजिकल रेवोल्यूशन के नाम पर अपने परिवेश से दूर होने के अनगिनत खामियाजे हैं। स्मार्टफोन और इंटरनेट को एक सौगात की तरह समझते हुए सधकर इन सुविधाओं का इस्तेमाल करना बेहद जरूरी है।

पैरेंट्स रखें बच्चों का ध्यान: कैलिफोर्निया के ऑस्टियोपैथिक बाल रोग विशेषज्ञ, जेम्स ई. फॉय, कहते हैं कि लंबे समय तक तेज आवाज में हेडफोन सुनने से बच्चों और किशोरों में हमेशा के लिए सुनने की क्षमता कम हो सकती है। असल में हेडफोन और हियरिंग लॉस का सीधा संबंध है। मौजूदा समय में 5 में से 1 किशोर किसी न किसी रूप में हियरिंग लॉस का अनुभव करता है। बीते 20 साल में यह आंकड़ा लगभग 30 फीसदी बढ़ गया है। हियरिंग लॉस के बढ़ते आंकड़े के पीछे हेडफोन का बढ़ता इस्तेमाल अहम वजह है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन का अनुमान है कि दुनिया भर में करीब 1 अरब युवा ईयरफोन लगाकर सुनने की असुरक्षित आदतों के कारण सुनने की क्षमता खोने के जोखिम में हो सकते हैं। डब्ल्यूएचओ द्वारा यह चेतावनी भी दी जा चुकी है कि ईयरफोन के अधिक इस्तेमाल से 2050 तक 70 करोड़ से ज्यादा लोग हियरिंग लॉस का शिकार बन सकते हैं। ऐसे में पैरेंट्स समय रहते अपने बच्चों को इन तकनीकी सुविधाओं के इस्तेमाल की अति से बचाएं। *

{ लघुकथा / अखिलेश श्रीवास्तव 'चमन' }

अजूबा

रोज अपनी कालोनी से मिंटो पार्क तक सुबह साथ-साथ टहलने जाने और घंटों साथ रहने वाले दोनों वृद्ध पड़ोसी इस बार एक सप्ताह के बाद मिले थे।

'कहो भाई वर्मा! कहां निकल गए थे। सुना है बहुत लंबा टूर कर आए। क्यों सब खैरियत तो है?' पड़ोसी माथुर जी ने पूछा।

'क्या बताऊं यार! अपनी लड़की की शादी के सिलसिले में निकला था। पहले मुजफ्फरपुर गया, वहां से रांची फिर हजारीबाग, इसके बाद पटना से बक्सर होते हुए कल ही वापस लौटा हूं। लेकिन इस यात्रा में एक अजूबा हुआ। तुम सुनोगे तो सहसा विश्वास नहीं करोगे।' वर्मा जी बोले। 'ऐ! अजूबा...? कैसा अजूबा...? मैं भी तो सुनूं जरा।' माथुर जी जानने के लिए आतुर हुए। ' हुआ यह कि मैं पूरे एक हफ्ते बस और ट्रेन की यात्रा करता रहा, लेकिन रास्ते में कहीं भी किसी भी प्रकार की कोई दुर्घटना नहीं हुई। ना कोई एक्सीडेंट, ना कहीं तोड़-फोड़, ना चक्काजाम, ना प्रदर्शन, ना ट्रेन डकैती, ना बस में चोरी, ना लूटपाट... कुछ भी नहीं हुआ। कहीं कोई वारदात नहीं हुई। मैं जैसे गया था, यहां से वैसे ही सकुशल वापस आ गया। बोलो है न अजूबे की बात?'

माथुर जी तुरंत बोले, 'बस... इतनी सी बात। अब मेरी सुनो। मेरे साथ तो इससे भी अधिक अजूबे की बात हुई। तुम्हें तो पता ही है कि गांव में मेरी थोड़ी-सी पुश्तैनी जमीन पड़ी हुई थी।'

मैंने सोचा बच्चों को तो अब लौट कर गांव जाना नहीं है और अपनी जिंदगी का कोई भरोसा नहीं, पका आम हूं कब टपक पड़ूं, पता नहीं। सो मन हुआ कि उस जमीन को बेच दूं। इसी सिलसिले में मैं गांव गया था। सचमुच यार! मुझे यह देख कर बहुत हैरानी हुई कि तहसील की खसरा, खतौनी में वह जमीन अभी भी मेरे ही नाम थी। बताओ यह अजूबे की बात नहीं तो भला और क्या है? और उससे भी अधिक अजूबे की बात तो यह हुई कि मैं उस जमीन को बेच कर, पूरे अस्सी हजार रुपए नकद लेकर अपने गांव से यहां तक बिल्कुल सही-सलामत वापस आ गया।' माथुर जी ने अपने पड़ोसी वर्मा जी से कहा।

'हूं...! बात तो वाकई अजूबे की है!' कह कर वर्मा जी ने एक गहरी सांस ली। इसके बाद दोनों कुछ देर खामोश बैठे रहे। उन्हें मन ही मन बहुत आश्चर्य हो रहा था। *

उनके भीतर निंदा रस का स्राव होता रहता है। वे जितना अधिक निंदा करते हैं, उनकी कोशिकाएं उतनी ही फलती-फूलती हैं। लगता है उनकी यह आदत डीएनए की तरह ही अजर-अमर है। उनके भीतर के डीएनए को भी सदा जीवित रहने के लिए वरदान प्राप्त है। उनकी कोशिकाएं भी गॉसिप से ही ताजी बनी रहती हैं।

इधर की इनफॉर्मेशन उधर करने वाले

{ व्यंग्य / सतीश उपाध्याय }

किसी की शादी, जलसा हो या ऑफिस में किसी की ज्वॉइनिंग या रिटायरमेंट सबसे पहले 'उन्हीं' को जानकारी मिलती है। फटाक से जानकारी हासिल करने के मामले में उनकी 'सोशल स्किल' बहुत तगड़ी है। वे चुगली नहीं करते बल्कि नई इनफॉर्मेशन को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाने का काम करते हैं। कभी-कभी ऐसा लगता है, गॉसिपिंग के मामले में उनके ब्रेन की संरचना पर रिसर्च भी किया जा सकता है।

किसी की लाइफ में कोई परेशानी हो या कोई फील गुड, वे तो ताड़ ही जाते हैं। ताड़ने के बाद, फिर वे अर्जित जानकारी का 'तिल का ताड़' बना देते हैं। इस काम में भी वे इतने परफेक्ट हैं कि लगता है कि ये खूबी उनको अपने ही डीएनए से मिली है। उनके भीतर निंदा रस का स्राव होता रहता है। वे जितना अधिक निंदा करते हैं, उनकी कोशिकाएं उतनी ही फलती-फूलती हैं। लगता है उनकी यह आदत डीएनए की तरह ही अजर-अमर है। उनके भीतर के डीएनए को भी सदा जीवित रहने के लिए वरदान प्राप्त है। उनकी कोशिकाएं भी गॉसिप से ही ताजी बनी रहती हैं। सोसाइटी के बाकी लोगों से अलग हटकर उनमें कई खूबियां हैं। वे गजब हैं, टॉमी की तरह तेज घ्राणशक्ति भी रखते हैं। उनकी आदत, ऑफिस हो या कोई भी लोकेलिटी, आस-पड़ोस सभी जगह सक्रिय रहती है। फैमिली, रिश्तेदार, पास-पड़ोस सबकी जिंदगी के बारे में उन्हें, उनके ही हिसाब से जानकारी रहती है। ऐसे ही लोगों के भीतर निंदा रस ज्यादा पाया जाता है। इसीलिए उनकी सोशल इनफॉर्मेशन बहुत तगड़ी है। यही निंदा रस उन्हें हेल्दी बनाए हुए है। वे निंदा कर फील गुड करते हैं। जब वे किसी की निंदा करते हैं, तब उनके भीतर ऑक्सीटोसिन हार्मोंस का स्तर बढ़ जाता है। इस हार्मोन की वजह से वह जब-जब जिसकी, जितनी गहरी निंदा करते, वे उस समय उतने ही प्रसन्न भी रहते हैं। तब उनके हार्मोंस का स्तर सिर चढ़कर बोलने लगता, अपनी बात की प्रामाणिकता के लिए कसम भी खाते और कान के एकदम नजदीक आकर फुसफुसाते, 'मैंने अपनी आंखों से देखा है।'

ऐसे लोगों के लिए ही कबीर ने कहा है- 'आंगन कुटी छवाय।' वे निकट बने रहेंगे तो हमारी कमजोरी पर उनकी निगाह रहेगी। हम दुरुस्त रहेंगे। अपने निंदारस को बढ़ाने के लिए वे प्रायः महफिल खोजते हैं। जहां वे अपनी स्किल को बढ़ा सकें। इससे उनके दिल और दिमाग की सेहत दुरुस्त रहती है। उनके बातचीत का केंद्रीय विषय दूसरों की निंदा ही होती है। इसी में उन्हें खुशी का एहसास होता है। जब तक दो-चार लोगों की, दूसरों की निंदा ना कर लें, वे बेचैन रहते हैं। उनके मस्तिष्क में कई मौलिक विचार जागृत होते रहते हैं। ऐसा लगता है, जिस प्रकार हर नागरिक को मतदान का अधिकार प्राप्त है, उन्हें भी निंदा करने का अधिकार प्राप्त है। दूसरों की निंदा में उन्होंने जीवन का बहुत बड़ा हिस्सा गुजारा है, शायद परमात्मा ने उन्हें जीवन निंदा करने के लिए ही दिया है। उनके हृदय में निंदा, उत्सव की तरह विराजमान रहता है। जब-जब वे निंदा करते हैं, तब-तब उनका उत्सव संपादित हो जाता है। उनके दिल में, कॉलोनी के लोगों से जुड़े अलग-अलग मौलिक किस्से मौजूद रहते हैं। अवकाश के दिनों में तो उनके पास रुमानियत के कई काल्पनिक किस्सों का इजाफा हो जाता है।

खैर वक्त तो लगा, वे पहचाने गए। समय के साथ पूरी कॉलोनी भी विवेकवान और उनसे सतर्क हो गई है। अब उनसे कॉलोनी बहुत दूर होती जा रही है। एक दिन पूरी कॉलोनी वालो ने ताड़ लिया कि वे हमारी 'आदर्श कॉलोनी' को छोड़कर 'समता कॉलोनी' शिफ्ट कर रहे हैं। *

यूरो -2024

रोनाल्डो का सपना टूटा, पुर्तगाल बाहर
फ्रांस-स्पेन में होगी सेमीफाइनल की जंग

एजेंसी ▶▶ हैम्बर्ग

फ्रांस ने पुर्तगाल को पेनल्टी शूटआउट में 5-3 से हराकर यूरोपीय फुटबाल चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में जगह बनाई। फ्रांस सेमीफाइनल में स्पेन से भिड़ेगा जिसने एक अन्य क्वार्टर फाइनल मैच में मेजबान जर्मनी को हराया। क्रिस्टियानो रोनाल्डो का खिताब के साथ टूर्नामेंट से विदाई लेने का सपना हार के साथ टूट गया।

इस मुकाबले को रोनाल्डो बनाम काइलियन एमबापे के बीच जंग के रूप में देखा जा रहा था लेकिन आखिर में फ्रांसीसी खिलाड़ी अपने आदर्श फुटबॉलर पर भारी पड़ा। दोनों टीम ने एक दूसरे को कड़ी चुनौती दी लेकिन अतिरिक्त समय तक भी कोई टीम गोल नहीं कर पाई। इसके बाद पेनल्टी शूटआउट का सहारा लिया गया जिसमें पुर्तगाल के जोआओ फेलिक्स का शॉट गोल पोस्ट से टकरा गया। इसके बाद थियो हर्नांडेज़ ने निर्णायक किक को गोल में बदलकर फ्रांस को सेमीफाइनल में पहुंचा दिया।

रोनाल्डो का संन्यास

पुर्तगाल की इस हार से 39 वर्षीय रोनाल्डो ने यूरोपीय चैंपियनशिप से भी विदा ली। वह पहले ही घोषणा कर चुके थे कि वह आखिरी बार इस टूर्नामेंट में भाग ले रहे हैं। रोनाल्डो ने रिकॉर्ड छह बार यूरोपीय चैंपियनशिप में हिस्सा लिया।

स्पेन ने मेजबान जर्मनी को हराया

स्टुटगार्ट। माइकल मेरिनो के अतिरिक्त समय के अंतिम क्षणों में किए गए गोल की मदद से स्पेन ने रोमांचक क्वार्टर फाइनल में मेजबान जर्मनी को 2-1 से पराजित करके यूरोपीय फुटबाल चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। दोनों टीम निर्धारित समय तक 1-1 से बराबरी पर थी। जब मैच पेनल्टी शूटआउट की तरफ बढ़ रहा था तब स्थानापन्न खिलाड़ी मेरिनो ने 119वें मिनट में गोल करके अपनी टीम को यादगार जीत दिलाई। मेरिनो ने गोल करने के बाद कॉर्नर फ्लैग के पास उसी तरह से जश्न मनाया जैसे उनके पिता मिगुएल मेरिनो ने 1991 में यूएफा कप में इसी स्टेडियम में खेले गए मैच में ओसासुना की तरफ से स्टुटगार्ट के खिलाफ गोल करने के बाद मनाया था।

क्रिकेट : आठ साल में जिम्बाब्वे के खिलाफ भारत की पहली हार

भारत की युवा टीम को पहले टी20 में मिली हार, 13 रन से जीता जिम्बाब्वे

एजेंसी ▶▶ हरारे

शुभमन गिल की अगुआई वाली युवा भारतीय टीम बल्लेबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन के कारण शनिवार को यहां पांच मैच की श्रृंखला के पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में कम अनुभवी जिम्बाब्वे से 13 रन से पराजित हो गई। लेग स्पिनर रवि बिश्नोई की अगुआई में भारतीय गेंदबाजों ने जिम्बाब्वे को नौ विकेट पर 115 रन पर रोक दिया। पर उछाल भरी पिच पर भारतीय बल्लेबाजों को काफी मुश्किल आई जिसने पावरप्ले में चार विकेट गंवा दिए और पूरी टीम 19.5 ओवर में 102 रन पर सिमट गई। हाल में टी20 विश्व कप जीतने वाले भारत ने इस दौरे पर युवा खिलाड़ियों को उतारा था और उनके आसानी से जिम्बाब्वे पर जीत की उम्मीद थी। लेकिन जिम्बाब्वे ने तेज गेंदबाज टेंडाई चतारा और कप्तान सिकंदर रजा की बदौलत भारत को हराकर उलटफेर कर दिया। यह 2024 में भारत की टी20 अंतरराष्ट्रीय में पहली हार थी। यह आठ साल में जिम्बाब्वे के खिलाफ भारत की पहली हार भी है।

अभिषेक, रियान, ध्रुव ने किया पदार्पण

भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने टीम में तीन नए चेहरों को शामिल किया है जिसमे अभिषेक शर्मा, रियान पराग और ध्रुव जुरेल शामिल हैं। अभिषेक और रियान ने जहां भारत के लिए पदार्पण किया है, वहीं जुरेल टीम के लिए पहली बार टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने उतरे हैं। दिलचस्प बात यह है कि रियान को भारतीय टीम की कैप उनके पिता ने सौंपी।

अभिषेक पर्दापण मैच में शून्य पर आउट होने वाले चौथे भारतीय

स्कोर बोर्ड

जिम्बाब्वे	रन	गेंद	4	6
वेसली मेडेवेरे बो बिश्नोई	21	22	3	0
इनोसेंट केइया बो मुकेश	00	01	0	0
ब्रायन बेनेट बो बिश्नोई	22	15	5	0
रजा का बिश्नोई बो आवेश	17	19	1	1
मायर्स का और बो सुंदर	23	22	2	0
जोनाथन कैंपबेल रन आउट	00	01	0	0
क्लाइव मडांडे नाबाद	29	25	4	0
मसाकाजा स्ट जुरेल बो सुंदर	00	01	0	0
जोंगवी पगबाधा बो बिश्नोई	01	03	0	0
ब्लेसिंग मुजाराबानी बो बिश्नोई	00	02	0	0
टेंडाइ छटारा नाबाद	00	09	0	0

अतिरिक्त : 02, कुल : 20 ओवर में 115/9
गेंदबाजी : खलील 3-0-28-0, मुकेश 3-0-16-1, बिश्नोई 4-2-13-4, अभिषेक 2-0-17-0, आवेश 4-0-29-1, सुंदर 4-0-11-2.

भारत	रन	गेंद	4	6
अभिषेक का मसाकाजा बो बेनेट	00	04	0	0
शुभमन गिल बो रजा	31	29	5	0
गायकवाड़ का केइया बो मुजाराबानी	07	09	1	0
रियान पराग का मावुता बो छटारा	02	03	0	0
रिंकू सिंह का बेनेट बो छटारा	00	02	0	0
ध्रुव जुरेल का मेडेवेरे बो जोंगवी	06	14	1	0
सुंदर का मुजाराबानी बो छटारा	27	34	1	1
रवि बिश्नोई पगबाधा बो रजा	09	08	2	0
आवेश का रजा बो मसाकाजा	16	12	3	0
मुकेश कुमार बो रजा	00	03	0	0
खलील अहमद नाबाद	00	01	0	0

अतिरिक्त : 04, कुल : 19.5 ओवर में 102/10
गेंदबाजी : बेनेट 1-1-0-1, मसाकाजा 3-0-15-1, छटारा 3.5-1-16-3, मुजाराबानी 4-0-17-1, जोंगवी 4-0-28-1, रजा 4-0-25-3.

भारत की 23 सदस्यीय महिला टीम की घोषणा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने शनिवार को म्यांमा के खिलाफ यांगून में नौ और 12 जुलाई को होने वाले दो मैत्री मैचों के लिए 23 सदस्यीय सीनियर महिला टीम की घोषणा की।

मुख्य कोच चाओबा देवी ने कहा, 'टीम में सीनियर और जूनियर खिलाड़ियों का मिश्रण है। मैं टीम के संयोजन से संतुष्ट हूं। पिछले महीने उज्बेकिस्तान के साथ खेलने के बाद हमने 10 दिन अंदर अपना राष्ट्रीय शिविर शुरू कर दिया।'

भारतीय टीम

गोलकीपर: श्रेया हुड्डा, एलंगबाम पंथोई चानू, मैबाम लिनथोइंगम्बी देवी।
डिफेंडर : लोइटोंगबाम आशालता देवी, हेमम शिल्की देवी, संजू, वांगखेम लिनथोइंगम्बी देवी, अरुणा बाग। **मिडफील्डर:** नाओरेम प्रियंगका देवी, संगीता बसफोर, कार्तिका अंगमुथु, नेहा, नोंगमाईथेम रतनबाला देवी, मौसमी मुर्मू।
फॉरवर्ड : काजोल ह्यूबर्ट डिसूजा, अंजू तमांग, सौम्या गुगुलोथ, संध्या रंगनाथन, करिश्मा पुरुषोत्तम शिरवोइकर, लिंडा कोम सेर्टो, प्यारी खाका, ज्योति, रिम्पा हलधर।

अभय एशियाई टूर्नामेंट में दो स्वर्ण की दौड़ में शामिल

नई दिल्ली। एशियाई खेलों के पदक विजेता अभय सिंह शनिवार को मलेशिया के जोहोर में एशियाई डबल्स स्क्वाश चैंपियनशिप में पुरुष युगल और मिश्रित स्पर्धा के फाइनल में पहुंच गए। शीर्ष वरीय अभय और वेलावन सेंथिलकुमार ने जापान के टोमोटाका एंडो और नाओकी हयाशी की जोड़ी पर 23 मिनट में 11-9, 11-2 से शानदार जीत से पुरुष युगल खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया जिसमें उनकी भिड़ंत मलेशिया के दूसरे वरीय ओंग साई हंग और स्याफिक कमाल की जोड़ी से होगी।

खबर संक्षेप

भांबरी-ओलिवेटी की जोड़ी बाहर

लंदन। भारत के युकी भांबरी और फ्रांस के उनके जोड़ीदार अल्बानो ओलिवेटी जर्मनी के केविन क्राविएट्ज़ और टिम पुएट्ज़ से तीन सेटों में हारने के बाद विंबलडन टेनिस चैंपियनशिप के पुरुष युगल के दूसरे दौर से बाहर हो गए। भांबरी और ओलिवेटी की जोड़ी ने अच्छी शुरुआत की और पहला सेट जीतकर बढ़त बनाई लेकिन इसके बाद वह अपनी लय बरकरार नहीं रख पाए और आठवीं वरीयता प्राप्त जर्मन जोड़ी से 2 घंटे 5 मिनट तक चले मैच में 6-4, 4-6, 3-6 से हार गए।

द.अफ्रीका-भारत का दूसरा टी20 मैच आज

चेन्नई। भारतीय महिला टीम को पहले मैच में 12 रन से हार मिली थी। रविवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैच की श्रृंखला का दूसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला जाएगा। भारत को शुक्रवार को हुए पहले मैच में कैच छूटने और बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन का खामियाजा भुगतना पड़ा जिससे टीम दक्षिण अफ्रीका के चार विकेट पर 189 रन के जवाब में 20 ओवर में चार विकेट पर 177 रन ही बना सकी। इससे पहले अफ्रीका को वनडे श्रृंखला में 0-3 से हार का सामना करना पड़ा था जबकि एकमात्र टेस्ट में 10 विकेट से शिकस्त मिली थी।

ओलंपिक जाने वाले सभी खिलाड़ी पूरी तरह फिट

नई दिल्ली। मशहूर खेल चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. दिनशॉ पारदीवाला को भारतीय ओलंपिक संघ ने भारतीय दल का मुख्य चिकित्सा अधिकारी नियुक्त किया है। पारदीवाला ने कहा, 'ओलंपिक में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ी अभी पूरी तरह से फिट हैं। कुछ खिलाड़ियों को मामूली परेशानी हो सकती है। मैं किसी खिलाड़ी को लगी किसी विशेष चोट के बारे में चर्चा नहीं करने जा रहा हूं, लेकिन वे सभी टीम में इसलिए हैं क्योंकि वे सक्षम हैं और प्रदर्शन करने के लिए पर्याप्त रूप से फिट हैं।'

विंबलडन : तेंदुलकर का खड़े होकर अभिवादन

लंदन। चैंपियन क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर का शनिवार को दोपहर में यहां पहुंचने पर विंबलडन सेंटर कोर्ट पर दर्शकों ने खड़े होकर अभिवादन किया। बादामी रंग का सूट पहने तेंदुलकर ने हाथ हिलाकर सभी के अभिवादन का जवाब दिया। विंबलडन ने एक्स पर डाले वीडियो के साथ लिखा, 'सेंटर कोर्ट पर फिर आपका स्वागत है सचिन।' सेंटर कोर्ट पर प्रस्तोता ने भी तेंदुलकर का स्वागत करते हुए कहा, 'हमारे बीच भारत के महान क्रिकेटर, विश्व कप विजेता और क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले लीजेंड हैं। सचिन तेंदुलकर का स्वागत कीजिए।' इंग्लैंड के टेस्ट और सीमित ओवरों के कप्तान बेन स्टोक्स और जोस बटलर के साथ पूर्व कप्तान जो रूट भी रॉयल बॉक्स में बैठे थे।

बड़ा उलटफेर

राजावत ने वर्ल्ड नंबर-4 एंडर्स एंटोनसेन को रौंदा

एजेंसी ▶▶ कैलगरी

भारत के उदीयमान खिलाड़ी प्रियांशु राजावत ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शीर्ष वरीय और दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसेन को हराकर कनाडा ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

विश्व में 39वें नंबर के खिलाड़ी राजावत ने शुक्रवार रात एक घंटे 19 मिनट तक चले क्वार्टर फाइनल मैच में एंटोनसेन को 21-11, 17-21, 21-19 से हराया। त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय महिला युगल जोड़ी हालांकि क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ पाई। यह तीसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी चीनी ताइपे के पेई शान हसीह और एन-त्सु हंग से 18-21, 21-19, 16-21 से हार गई।

राजावत ने एंटोनसेन को हराकर अपने कैरियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। यह पहला अवसर है जबकि इस 22 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने शीर्ष 10 में शामिल किसी खिलाड़ी को हराया। राजावत दूसरी बार विश्व टूर सुपर 500 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं जहां उनका सामना फ्रांस के अलेक्स लेनियर से होगा।

डायमंड लीग में चुनौती देंगे साबले और जेना

पेरिस। भारत के शीर्ष स्टीपलचेस एथलीट अविनाश साबले और भाला फेंक खिलाड़ी किशोर जेना रविवार को एक दिवसीय डायमंड लीग के पेरिस चरण में अपनी ओलंपिक तैयारियों को बेहतर करने की उम्मीद करेंगे। मौजूदा ओलंपिक और विश्व चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने पिछले कुछ समय से परेशान कर रही जांघ की समस्या के कारण इसमें हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया है। साबले और जेना दोनों ही फॉर्म में नहीं हैं और उन्होंने ओलंपिक से पहले ज्यादा प्रतियोगिताओं में हिस्सा नहीं लिया है। पर अब वे पेरिस की परिस्थितियों के अनुकूल ढलने की कोशिश करेंगे।

टी20 विश्व कप के बाद मुख्य कोच का कार्यकाल समाप्त

टीम में लगातार बदलाव करना पसंद नहीं था : द्रविड़

एजेंसी ▶▶ मुंबई

राहुल द्रविड़ ने कहा कि भारतीय टीम के मुख्य कोच के अपने कार्यकाल के दौरान उन्हें टीम में बहुत अधिक काट छांट और बदलाव करना पसंद नहीं था और उन्होंने हमेशा कप्तान रोहित शर्मा के सहायक की भूमिका निभाई ताकि वह अपनी रणनीति के अनुसार चल सकें।

भारत के टी20 विश्व कप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका पर जीत के साथ ही द्रविड़ का मुख्य कोच का कार्यकाल भी समाप्त हो गया। द्रविड़ ने बीसीसीआई द्वारा जारी किए गए वीडियो में कहा, 'मैं वास्तव में ऐसा व्यक्ति हूं जिसे निरंतरता पसंद है। मुझे बहुत अधिक काट छांट और बदलाव करना पसंद नहीं है। क्योंकि मेरा मानना है कि इससे बहुत अस्थिरता पैदा होती है और बहुत अच्छा माहौल नहीं बनता। मुझे लगता है कि मैं उस टीम का हिस्सा हूं जिसकी जिम्मेदारी सही पेशेवर, सुरक्षित, संरक्षित वातावरण बनाना है जिसमें वास्तव में असफलता का डर न हो, लेकिन लोगों को आगे बढ़ाने के लिए पर्याप्त चुनौतियां हों। यह हमेशा मेरा प्रयास रहा है।' द्रविड़ ने कहा कि कोविड-19 महामारी के बाद जब खिलाड़ी बाहर आए तो वह मुश्किल दौर था तथा उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि उन्हें आधा दर्जन कप्तानों के साथ काम करना पड़ेगा।

युवाओं को दिया मौका

द्रविड़ के कोच रहते हुए भारत ने इंग्लैंड को पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला में हराया और टीम वनडे विश्व कप के फाइनल में पहुंची। उन्होंने कहा, 'कोविड की पाबंदियां हटने के बाद सकारात्मक बात यह रही कि हमने काफी क्रिकेट खेली। पिछले ढाई वर्षों में हमने विशेषकर सीमित ओवरों की क्रिकेट में कई युवा खिलाड़ियों को मौका दिया। पिछले कुछ समय में हमने टेस्ट क्रिकेट में भी कुछ युवा खिलाड़ियों को अवसर दिया।' द्रविड़ कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली को लंबे समय से जानते हैं। जब वह अपने करियर के अंतिम पड़ाव पर थे तब इन दोनों ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था।

युवाओं को तैयार करने सेना से रिटायर हुए निशानेबाज जीतू

नई दिल्ली। एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता निशानेबाज जीतू राय ने युवा निशानेबाजों को तैयार करने के लिए भारतीय सेना से सेवानिवृत्ति ले ली। नेपाल में जन्मे 36 वर्ष के खेल रत्न और पद्मश्री पुरस्कार प्राप्त राय इंचियोन एशियाई खेल 2014 में स्वर्ण जीतने वाले एकमात्र भारतीय निशानेबाज थे। इसके बाद उन्हें सेना में मानद् कप्तान बनाया गया। लखनऊ में गोरखा रेजिमेंट के साथ करीब साढ़ 17 वर्ष बिता चुके राय ने सोशल मीडिया पर रिटायर होने की घोषणा की। राय ने फेसबुक पर लिखा, 'मैं मानद कप्तान जीतू राय, एसएम, वीएसएम, ओलंपियन निशानेबाज, पद्मश्री प्राप्त, ध्यानचंद खेल रत्न और अर्जुन पुरस्कार प्राप्त।

माता गुजरी महिला महाविद्यालय (स्वशासी), जबलपुर
(अल्पसंख्यक संस्थान)
मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग से मान्यता प्राप्त एवं रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर से संबद्धता प्राप्त

महाविद्यालय कॉलेज कोड 28 के तहत सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति हेतु आवेदक की शैक्षणिक एवं अनुभव संबंधी प्रमाण पत्रों की छाया प्रति एवं दो फोटो सहित आवेदन पत्र आमंत्रित करता है। आवेदन विज्ञापन प्रसारित होने की तिथि से 15 दिन के अंदर जमा करें-विवरण निम्न अनुसार है :-

शिक्षा संकाय
विभागाध्यक्ष-01, शिक्षा शास्त्रीय विषय-गणित/जीव विज्ञान-03
हिंदी(भाषा)-02, इतिहास/अर्थशास्त्र/राजनीति विज्ञान - 02

- उपरोक्त पद के लिए अहर्ताएं यूजीसी/एनसीटीई/रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के नियमों के आधार पर होगी।
- आवेदक अपना आवेदन पत्र सचिव के निम्न पते पर रू. 1500/- के 'गुरु गोबिंद सिंह एजुकेशनल सोसाइटी, जबलपुर' के नाम ड्राफ्ट के साथ सीधे या डाक द्वारा अंतिम तिथि के पूर्व भेजें। अधिक जानकारी के लिए दूरभाष क्रमांक-8226006346 पर संपर्क कर सकते हैं।
- स्ववित्तीय योजना के अंतर्गत

सचिव
गुरु गोविंद सिंह एजुकेशनल सोसाइटी,
बंगला नंबर दो, चौथा पुल रोड, जबलपुर

SHRI RAM GROUP, JABALPUR
Near ITI, Madhotal, Jabalpur (M.P.)
Affiliated to Rani Durgawati Vishwavidyalaya, Jabalpur
Required Assistant Professor
Under College Code-28 as per UGC/RDVV Norms for following subjects.

Sr.No.	Subject	Assistant Professor
1.	Botony	02
2.	Commerce	04
3.	Computer Application (BCA)	04
4.	Management (BBA)	06
5.	Nutrition and Dietetics (Home Science)	02
6.	BBA (Hotel Management)	02

Qualification : Minimum 55% in Post Graduate in relevant Subject with NET/SLET exam qualified, Ph.D. and experience candidates are preferred. Reservation & Salary as per UGC and M.P. Government Norms. Send/Submit your application alongwith complete Bio-data and all supporting documents with 2 recent passport size Photographs on or **before 18.07.2024.**
Contact : 9755042292/93
Email : srccjabalpur@gmail.com
Chairman

घटना के बाद फरार युवक की लाश जंगल में मिली

नाबालिग की हत्या कर भागे आरोपी ने की आत्महत्या

जबलपुर। चरगवां के कुलोन गांव में एक तरफा प्यार में पागल युवक द्वारा नबालिग लड़की की हत्या कर दी गई थी। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही थी। जिस बीच आरोपी की लाश चरगवां के आगे शनिवार की सुबह उड़रिया पिपरिया के जंगल में पहाड़ के नीचे मिली। लाश के पास सल्फास की गोलियों की शीशी भी मिली, जिससे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि आरोपी ने हत्या करने के बाद खुद आत्महत्या कर दी। घटना के बाद गांव में रोष व्याप्त था और आरोपी की लगातार पुलिस तलाश कर रही थी। गत 4 जुलाई को आरोपी यंशवत उर्फ ईशु पटेल ने ग्राम कुलोन निवासी एक नाबालिग लड़की जो अपनी नाना नानी के घर आई थी उसकी चाकू मारकर हत्या कर दी थी। इस घटना के बाद पुलिस आरोपी यशवंत उर्फ ईशु पटेल की तलाश कर रही थी। शनिवार की सुबह उसकी लाश जंगल में मिली। इसके साथ ही पूरे मामलें का पटाक्षेप हो गया। पुलिस के साथ-साथ ग्रामीण भी उसकी तलाश कर रहे थे।

जंगल की तरफ भागा था आरोपी

चरगंवा पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच में आत्महत्या की आशंका है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की जांच की जाएगी। हत्या 4 जुलाई की है। छात्रा अपने नाना-नानी के घर पर थी। आरोपित ईशु पटेल ने चाकू मारा और जंगल की ओर भाग निकला था। छात्रा की मौसी ने पीछा किया, लेकिन हाथ नहीं लगा। छात्रा को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सोनाली दुबे ने बताया कि एक तरफा प्रेम प्रसंग के चलते स्कूली छात्रा की हत्या करने वाले आरोपी की लाश जंगल में पाई गई है जिसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। आरोपी ने चरगवां थाना क्षेत्र के ग्राम कुलोन में गत 4 जुलाई को एक 16 साल की नाबालिग लड़की की हत्या कर दी थी। हत्या करने के बाद वह जंगल की तरफ भागा था। पुलिस और ग्रामीणजन लगातार उसकी तलाश जंगलों में कर रहे थे। दो दिन तक चले

सर्च ऑपरेशन के बाद पुलिस को उसकी लाश उड़रिया पिपरिया के जंगल में पहाड़ के नीचे मिली। उसकी पेंट की जेब में सल्फास की गोलियों की शीशी बरामद की गई है हालांकि प्राथमिक तौर पर मौत की वजह का खुलासा नहीं हुआ है इसलिए यशवंत के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है और पुलिस को पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद उसका खुलासा होगा।

साथ में जाने से मना करने पर कर दी थी हत्या

पुलिस जांच में पता चला है कि ईशु छात्रा से एकतरफा प्यार करता था और उसने छात्रा का नंबर ब्लॉक कर दिया था। गुरुवार को छात्रा घर के बाहर काम कर रही थी, बात करने की कोशिश की, लेकिन छात्रा ने मना कर दिया तो चाकू से हमला कर दिया था। छात्रा के परिजनों ने बताया कि ईशु का घर आना-जाना सामान्य था और किसी को यह अंदेशा नहीं था कि वह ऐसा कदम उठा सकता है।

अधारताल के सुहागी में घटना

प्रेमिका के घर जाकर युवक ने लगाई फांसी

जबलपुर। अधारताल थाना अतंर्गत सुहागी में एक युवक ने अपने कथित प्रेमिका के घर जाकर पंखे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक के पिता का कहना है कि तीन सालों से दोनों के बीच प्रेम प्रसंग चल रहा था। लड़का लड़की दोनों को मना किया था लेकिन दोनों एक दूसरे का साथ नहीं छोड़ रहे थे। उधर पुलिस का कहना है कि शव और घटना स्थल का परीक्षण करने के बाद प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का ही प्रतीत हो रहा है। मृतक के पिता संतोष पटेल ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि महाराजपुर हाउसिंग बोर्ड निवासी उनका 21 वर्षीय पुत्र अंश पटेल का सुहागी निवासी एक लड़की से प्रेम प्रसंग चल रहा था। जिसके चलते यह घटनाक्रम हुआ। उधर आधारताल पुलिस का कहना है कि हाउसिंग बोर्ड निवासी 21 वर्षीय अंश पटेल का सुहागी निवासी तनु विश्वकर्मा के साथ प्रेमप्रसंग चल रहा था। प्रारंभिक पूछताछ में यह बात सामने आई कि लड़की का कोई भाई नहीं है और उसके पिता का निधन हो चुका है। माँ स्वाति विश्वकर्मा सुहागी में ठेले में सब्जी की दुकान लगाती है। चूंकि अंश का उसके घर आना जाना था। शनिवार को जब माँ बेटी जब दुकान में थी तब अंश, तनु की स्कूटी में रखी घर की चाबी लेकर आया और दरवाजा खोलकर बेडरुम में जाकर पंखे से फांसी लगा ली। इस बीच पीछे-पीछे तनु भी घर पहुंची, उस समय अंश फांसी के फंदे पर फड़फड़ा रहा था। चूंकि तनु की हाईट कम है और लड़के की हाईट लंबी होने के कारण वह उसे बचा नहीं सकी। उसने कोशिश की लेकिन असफल रही। फांसी पर लटके अंश पटेल की मृत्यु हो गई। पुलिस मर्ग कायम कर मामलें की जांच कर रही है।

बिशप से बुकसेलरों की मिलीभगत उजागर

फर्जी आईएसबीएन नम्बर की दस पुस्तकें और बरामद

जबलपुर। पिछले दिनों शिक्षा माफिया के साथ साथ बुक सेलर के खिलाफ की गई कार्यवाही की विवेचना अभी भी जारी है। पुलिस अधिक्षक आदित्य प्रताप सिंह अभी भी लगातार विवेचना अधिकारियों की बैठक लेकर अपनी तरह की नई विवेचना के हर बिन्दुओं पर अधिकारियों का मार्गदर्शन कर रहे हैं। इस दौरान विवेचना के सूत्र बढ़ने पर राधिका बुक पैलेस के संचालक श्रीराम इंदुरख्या एवं आलोक इंदुरख्या को पुलिस ने रिमांड पर लेकर गोलबाजार एवं विजय नगर स्थित राधिका बुक पैलेस की जांच की जहां इंटरनेशनल बुक स्टेंडर्ड (आईएसबीएन) के फर्जी नम्बरों की 10 और पुस्तकें बरामद की गईं।

बेलबाग के थाना प्रभारी प्रवीण कुम्हरे ने बताया कि आरोपी श्रीराम इंदुरख्या, एवं आलोक इंदुरख्या को थाना लार्डगंज अंतर्गत गोलबाजार स्थित राधिका बुक पैलेस एवं विजय नगर स्थित राधिका बुक पैलेस ले जाया गया एवं मौजूदगी मे बुकों की जांच की गयी। जहां गोलबाजार स्थित राधिका बुक पैलेस में 7 एवं विजय नगर स्थित राधिका बुक पैलेस मे 3 फर्जी आई.एस.बी.एन. की बुकें मिली है जिन्हें जप्त किया गया। दोनों बुक सेलर आरोपियों के क्राइस्ट चर्च स्कूल के बिशप उमेश जैम्स एवं स्कूल के कर्मचारियों से मिली-भगत भी उजागर हुई है।

तीन घंटे की चैकिंग में 450 वाहन चालकों से वसूला डेढ लाख जुर्माना

जबलपुर। पुलिस अधीक्षक आदित्य प्रताप सिंह के निर्देश पर कल रात 9 बजे से 12 बजे तक जिले के सभी प्रमुख चौराहों पर वाहनों का चैकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान अमानक नम्बर बिना नम्बर और तीन सवारी बैठाकर चलने वाले वाहन चालकों के खिलाफ चालानी कार्यवाही करते हुये। 1 लाख 60 हजार 700 रुपये जुर्माना वसूला गया। पुलिस कंट्रोल रूम द्वारा

जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि जिले के शहरीय व देहात क्षेत्रों में एक साथ चैकिंग प्वाइंट लगाकर कार्यवाही की गई। सभी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक और राजपत्रित अधिकारियों ने अपने क्षेत्रों में लगे चैकिंग प्वाइंट की लगातार मानीटरिंग की। इस दौरान 405 वाहन चालकों के विरुध चालानी कार्यवाही की गई और 1 लाख 60 हजार 700 रूपये समन शुल्क वसूला गया।

चश्मदीद बच्चों को मारकर तालाब में फेंकने पर आयोग ने लिया संज्ञान

जबलपुर। जिले के ग्राम देवरी में गत दिनों दो बदमाशों द्वारा एक मजदूर की पीठ पर चाकू से हमला करने की घटना सामने आयी है। घायल मजदूर का आरोप है कि इस घटना के चश्मदीद दो बच्चों को आरोपियो द्वारा मारकर उनका शव तालाब में फेंक दिया गया। इस घटना के संबंध में तिलवारा थाना पुलिस का कहना है कि मजदूर के बयान सही नहीं है, और बच्चे नहाते समय तालाब में डूब गये थे, तदोपरांत फरियादी ने पुलिस की कार्य पर प्रश्न चिन्ह लगाया था। मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के क्षेत्रीय कार्यालय प्रभारी फरजाना मिर्जा ने बताया कि मामले में संज्ञान लेकर मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग की मुख्य पीठ भोपाल में प्रकरण की सुनवाई करते अध्यक्ष मनोहर ममतानी ने मानव अधिकारों के हनन का मामला मानकर, जबलपुर के अलर्ट अधीक्षक को मामले जांच कराकर की गई कार्यवाही के सम्बन्ध में प्रतिवेदन तथा जवाब तीन सप्ताह में मांगा है।

फिलहाल झमाझम नहीं रिमझिम वर्षा के ही आसार

लो प्रेशर नहीं बन पाने से आगे बढ़ रहे बादल

जबलपुर। बादल आते हैं चले जाते हैं बारिश के लिये माहौल नहीं बन पा रहा। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि हवा के कम दवाब का क्षेत्र नहीं बन पा रहा है इस कारण से बारिश प्रभावी नहीं हो पा रही। टेम्परेचर औसत से नीचे चल रहा है बादल छाये हुये हैं इसलिये वर्षा के अनुकूल माहौल नहीं बन पा रहा। मानसूनी बादल आते हैं हवा के वेग से आगे चले जाते हैं। इस कारण सिर्फ छुटपुट वर्षा हो रही है।

लो प्रेशर की कमी

मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि बंगाल की खाड़ी से उड़ीसा तक द्रोणिका बनी हुई है लेकिन हवा का लो प्रेशर नहीं बन पर रहा। इसकी वजह से बारिश नहीं हो पा रही है। झारखण्ड के ऊपर जरूर हवा के कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है, जिससे यहां बादल छाये हुये हैं, फिलहाल झमाझम के कोई आसार नहीं हैं। स्थानीय बादलों से छुटपुट वर्षा हो सकती है। शनिवार को बादल छाये रहे लेकिन रिकार्ड करने लायक वर्षा नहीं हुई। शाम को एक बार फिर ऐसा लगा कि बारिश होगी, लेकिन तेज हवाएं पानी को खींचकर ले गईं।

मामूली वर्षा होगी

शुक्रवार की रात छुटपुट वर्षा हुई। इसी तरह की वर्षा हो सकती है। तेज बारिश के आसार फिलहाल नजर नहीं आ रहे। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि तापमान में वृद्धि और लो प्रेशर बहुत आवश्यक है इनके होने से ही बारिश के अनुकूल मौसम बनेगा। पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 30.2 डिग्री सामान्य से 2 डिग्री कम दर्ज किया गया। वहीं न्यूनतम तापमान 24.4 डिग्री सामान्य से 1 डिग्री कम दर्ज किया गया। हवा में नमी प्रातकाल 89 प्रतिशत और सायंकाल 73 प्रतिशत आंकी गई। पिछले 24 घंटों के दौरान 2.3 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई। 1 जून से अब तक कुल वर्षा 118.2 मिमी दर्ज की गई है। जबकि गत वर्ष आज के दिन वर्षा नहीं हुई थी और कुल वर्षा 257.2 मिली मीटर दर्ज की गई थी। सूर्योदय सुबह 5.31 पर और सूर्यास्त शाम 7.00 बजे हुआ। अगले 24 घंटों के दौरान संभाग के कुछ स्थानों पर हल्की वर्षा के आसार हैं। दक्षिणी पश्चिमी हवाएं 6 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चली।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240